सांध्य दैनिक

नई दृष्टिबिंदु

सच की शक्ति, जनता की दृष्टि

PRGI Reg No - CTHIN/25/A3746

वर्ष–01 अंक–188 | संपादक आलोक तिवारी | दुर्ग, सोमवार 27 जुलाई 2026 | पृष्ठ 08 | मूल्य –2 रुपए

सु-विचार

" पद और संपन्नता तय नहीं करते, कि हम श्रेष्ठ हैं या नहीं बल्कि हमारे विचार और व्यवहार यह तय करते हैं, कि हम किस श्रेणी के हैं... ...!! "

अज्ञात...

छत्तीसगढ़ में कानून–व्यवस्था की नई चुनौती : अधिकारियों के अनुभव से मिल सकती है मजबूती

नशे, साइबर अपराध और शहरी गिरोहों पर नियंत्रण के लिए जीपी सिंह जैसे अफसरों की भूमिका पर चर्चा

जीपी सिंह – एक नजर में

बैचः 1994 IPS, छत्तीसगढ़ कैडर

प्रमुख पदः IG दुर्ग, रायपुर, बिलासपुर ADG, ACB/EOW | DGP होमगार्ड

उपलब्धिः संगठित अपराध, आर्थिक अपराध और भ्रष्टाचार पर कड़ी कार्रवाई

वर्तमानः हाईकोर्ट से क्लीनचिट के बाद बहाल, डीजीपी पैनल में शामिल

आलोक तिवारी / रायपुर

छत्तीसगढ़ ने पिछले कुछ वर्षों में नक्सलवाद के खिलाफ ऐतिहासिक सफलता हासिल की है। डबल इंजन सरकार के नेतृत्व में राज्य में आंतरिक सुरक्षा का ग्राफ सुधरा है। लेकिन अब मुख्यमंत्री विष्णु देव साय और गृहमंत्री विजय शर्मा के सामने सबसे बड़ी चुनौती राज्य के शहरी इलाकों में उभर रहे नए अपराधों से निपटने की है।

रायपुर, बिलासपुर और दुर्ग–भिलाई में पिछले 1 साल में सिंथेटिक ड्रग्स, नशीली दवाओं और साइबर फ्रॉड के मामले तेजी से बढ़े हैं। पुलिस सूत्रों के अनुसार GEN-Z को टारगेट कर इंस्टाग्राम, टेलीग्राम और व्हाट्सएप के जरिए नशे की सप्लाई का नेटवर्क फैल रहा है। साथ ही मोहल्ले स्तर पर "झींगुर गैंग" के रूप में सक्रिय छोटे अपराधी आम जनता के लिए परेशानी का सबब बने हैं। ऐसे माहौल में 1994 बैच के वरिष्ठ IPS अधिकारी जीपी सिंह के अनुभव और कार्यशैली की चर्चा फिर से तेज हो गई है।

सख्त कार्यशैली के लिए पहचान

जीपी सिंह अपने 30 साल के कार्यकाल में दुर्ग, रायपुर और बिलासपुर जैसे संवेदनशील जिलों के आईजी रहे। बाद में वे ACB और EOW के ADG के पद पर भी रहे। उनके कार्यकाल की सबसे बड़ी पहचान थी "जीरो टॉलरेंस"। उनके समय में दबिश, पेट्रोलिंग और त्वरित FIR के कारण संगठित अपराध और भूमाफिया पर लगाम लगी थी। पुलिस विभाग के कई वरिष्ठ अधिकारी मानते हैं कि उस दौर में अपराधियों के साथ–साथ लापरवाह पुलिसकर्मियों में भी जवाबदेही का भाव आया था।

कानूनी लड़ाई और क्लीनचिट

वर्ष 2021 में तत्कालीन सरकार के दौरान जीपी सिंह के खिलाफ अउइ की छापेमारी के बाद राजद्रोह, आय से अधिक संपत्ति और ब्लैकमेलिंग के आरोप में 3 FIR दर्ज कर उन्हें निलंबित किया गया था। लेकिन नवंबर 2024 में छत्तीसगढ़ हाईकोर्ट ने इन सभी मामलों को खारिज कर दिया। कोर्ट ने स्पष्ट कहा कि उन्हें "दुर्भावना से" और "परेशान करने के उद्देश्य से" मामलों में फंसाया गया था। इसके बाद फरवरी 2025 में हाईकोर्ट ने ED की ECIR को भी रद्द कर दिया। CAT और सुप्रीम कोर्ट के आदेशों के बाद राज्य सरकार ने उन्हें सेवा में बहाल किया। डीजीपी पद के लिए UPSC को भेजे गए पैनल में वरिष्ठता के आधार पर उनका नाम भी शामिल है।

वर्तमान स्थिति और प्रशासनिक विकल्प

वर्तमान में डीजीपी अरुण देव गौतम के नेतृत्व में पुलिस बल काम कर रहा है। उनकी छवि एक ईमानदार और सादगीपूर्ण अधिकारी की है। उनके कार्यकाल को 6 महीने शेष हैं। सरकार ने जीपी सिंह को कोर्ट के आदेश के बाद बहाल कर दिया है, लेकिन उन्हें अभी कोई फील्ड दायित्व नहीं सौंपा गया है। प्रशासनिक हलकों में चर्चा है कि छत्तीसगढ़ शायद देश का अकेला राज्य है जहां डीजी रैंक का अधिकारी बिना किसी विभागीय जिम्मेदारी के है।

विशेषज्ञों का मानना है कि इस समय एंटी–नारकोटिक्स टास्क फोर्स, साइबर क्राइम सेल या स्पेशल लॉ एंड ऑर्डर विंग जैसी जिम्मेदारियों में जीपी सिंह के अनुभव का उपयोग किया जा सकता है। इससे दो फायदे होंगे – एक तो कोर्ट से क्लीनचिट प्राप्त एक वरिष्ठ अधिकारी की क्षमता का उपयोग होगा, दूसरा शहरी अपराध पर नियंत्रण में तेजी आएगी।

जनता और सोशल मीडिया की राय

सोशल मीडिया पर पिछले 6 महीने में "जीपी सिंह वापसी" से जुड़े कई पोस्ट वायरल हुए हैं। लोगों का मानना है कि नशे और छोटे अपराधियों पर नियंत्रण के लिए "दबाव मुक्त" और "परिणाम आधारित" पुलिसिंग की जरूरत है। एक वरिष्ठ अधिवक्ता ने नाम न छापने की शर्त पर कहा, "जब संस्थान संकट में हो तो अनुभव सबसे बड़ी पूंजी होती है। राज्य हित में वरिष्ठ अधिकारियों को उचित मंच देना चाहिए।"

सरकार का रोडमैप

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने कई बार कहा है कि उनकी सरकार सुशासन, पारदर्शिता और जीरो टॉलरेंस पर काम कर रही है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी भी अपराध और नशे के खिलाफ सख्त कार्रवाई के पक्षधर हैं। नक्सल मोर्चे पर सफलता के बाद अब सरकार का फोकस शहरी सुरक्षा पर है। ऐसे में अनुभवी अधिकारियों, नई तकनीक और जमीनी इंटेलिजेंस के समन्वय से ही राज्य को "नशा मुक्त छत्तीसगढ़" के लक्ष्य तक ले जाया जा सकता है।

कानून–व्यवस्था कोई एक व्यक्ति का काम नहीं है। लेकिन संकट के समय अनुभवी नेतृत्व दिशा तय करता है। सरकार के पास अब अवसर है कि वह जीपी सिंह जैसे अधिकारियों के अनुभव को संस्थागत ढांचे में जोड़कर राज्य की कानून–व्यवस्था को और मजबूत करे।

सूरजपुर : नेहरू पार्क में प्रेमी ने प्रेमिका के गले पर किया चाकू से हमला, इलाज के दौरान मौत

नई दृष्टिबिंदु / सूरजपुर

सूरजपुर शहर के बीचों–बीच स्थित नेहरू पार्क में शनिवार शाम करीब 8 बजे प्रेम प्रसंग को लेकर हुए विवाद में एक युवक ने अपनी प्रेमिका के गले पर चाकू से ताबड़तोड़ वार कर दिया। हमले में गंभीर रूप से घायल युवती की इलाज के दौरान मौत हो गई। पुलिस ने तकनीकी साक्ष्यों के आधार पर कुछ ही घंटों में आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है।

पुलिस के अनुसार मृतका राधिका राजवाड़े अपने प्रेमी रितेश राजवाड़े के साथ नेहरू पार्क पहुंची थी। दोनों कुछ देर तक साथ बैठे रहे। इसी दौरान किसी अन्य युवक से बात करने के शक को लेकर दोनों के बीच बहस शुरू हो गई। विवाद बढ़ने पर गुस्से में रितेश ने पास रखा चाकू निकालकर राधिका के गले पर हमला कर दिया। हमले के बाद पार्क में अफरा–तफरी मच गई। आरोपी बाइक लेकर मौके से फरार हो गया। स्थानीय लोगों ने घायल राधिका को जिला अस्पताल पहुंचाया। प्राथमिक उपचार के बाद गंभीर हालत को देखते हुए उसे अंबिकापुर रेफर किया गया, लेकिन रास्ते में ही राधिका ने दम तोड़ दिया। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस के वरिष्ठ अधिकारी मौके पर पहुंचे। घटनास्थल और आसपास के सीसीटीवी फुटेज खंगाले गए। भौतिक साक्ष्यों और तकनीकी इनपुट के आधार पर पुलिस ने दबिश देकर आरोपी रितेश राजवाड़े को पीढ़ा क्षेत्र के यूकेलिप्टस के जंगल से घेराबंदी कर गिरफ्तार किया।

एसडीओपी अभिषेक पैकरा ने बताया कि प्रारंभिक पूछताछ में आरोपी ने बताया कि वह राधिका के किसी दूसरे युवक से संबंध होने के शक में नाराज था। इसी कारण उसने इस घटना को अंजाम दिया। आरोपी से पूछताछ जारी है और हत्या में प्रयुक्त हथियार सहित अन्य साक्ष्य जुटाए जा रहे हैं। आरोपी के खिलाफ हत्या सहित अन्य प्रासंगिक धाराओं में कार्रवाई की जा रही है।

पार्क में सुरक्षा व्यवस्था पर उठे सवाल : इस घटना के बाद शहर में आक्रोश का माहौल है। स्थानीय लोगों ने कहा कि नेहरू पार्क कोतवाली थाने से 500 मीटर दूर और विधायक बंगले के सामने स्थित है, इसके बावजूद यहां लाइट, सीसीटीवी और सुरक्षा व्यवस्था नहीं है। शाम के समय यहां युवाओं का आना–जाना लगा रहता है, लेकिन रोक–टोक करने वाला कोई नहीं है। लोगों ने पार्क में लाइट, कैमरा और सुरक्षा कर्मियों की तैनाती की मांग की है।

'मन की बात' में गूंजा जल संरक्षण मॉडल

'कैच द रेन' अभियान में नगर निगम के नवाचारों की प्रधानमंत्री ने की सराहना

नई दृष्टिबिंदु / रायपुर

जल संरक्षण के क्षेत्र में कोरबा जिले के नवाचारों और जनभागीदारी आधारित प्रयासों को आज राष्ट्रीय स्तर पर महत्वपूर्ण पहचान मिली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने अपने लोकप्रिय रेडियो कार्यक्रम मन की बात के 136वें एपिसोड में कोरबा नगर पालिक निगम द्वारा कैच द रेन अभियान के अंतर्गत किए जा रहे वर्षा जल संरक्षण कार्यों का उल्लेख करते हुए इसे जल संवर्धन की प्रभावी पहल बताया। यह उपलब्धि कोरबा नगर पालिक निगम, जिला प्रशासन एवं जिलेवासियों के लिए गौरव का विषय है।

कलेक्टर कुणाल दुदावत के मार्गदर्शन तथा नगर पालिक निगम, कोरबा के आयुक्त श्री आशुतोष पांडेय के नेतृत्व में जल संरक्षण को जनआंदोलन का स्वरूप देने के उद्देश्य से अनेक नवाचारी एवं स्थायी पहल की गई हैं। 'कैच द रेन' अभियान के प्रभावी क्रियान्वयन के तहत वर्षा जल का अधिकतम संचयन एवं भूजल स्तर में वृद्धि के लिए शहर में कई महत्वपूर्ण कार्य किए गए हैं। एसएएम–2.0 योजना के अंतर्गत शहर के 10 विभिन्न स्थानों पर रिचार्ज वेल का निर्माण कराया गया है। इनका निर्माण नेशनल रिमोट सेंसिंग सेंटर (इसरो) के तकनीकी विशेषज्ञों के परामर्श से इंजेक्ट वेल पद्धति के अनुसार किया गया है। इन रिचार्ज वेल के माध्यम से भारी वर्षा के दौरान सड़कों एवं नालियों में बहने वाले वर्षा जल को सीधे भूर्गभ में पहुंचाया जा रहा है, जिससे जल का अपव्यय रुक रहा है तथा भूजल स्तर में निरंतर सुधार हो रहा है।

1,728 रेन वाटर हार्वेस्टिंग पिट स्थापित : नगर निगम ने वर्षा जल संचयन को जनभागीदारी से जोड़ते हुए शासकीय भवनों में 757 तथा निजी भवनों में 971, कुल 1,728 रेन वाटर हार्वेस्टिंग पिट स्थापित कराए हैं। साथ ही भवन अनुज्ञा विभाग द्वारा जारी प्रत्येक भवन निर्माण अनुमति में रेन वाटर हार्वेस्टिंग को अनिवार्य प्रावधान के रूप में शामिल किया गया है।

रेन वाटर हार्वेस्टिंग पिट का प्रावधान अनिवार्य : इसके अतिरिक्त सामुदायिक भवनों, विद्यालयों में अतिरिक्त कक्षों, आंगनबाड़ी भवनों, मंगल भवनों तथा अन्य सार्वजनिक उपयोग के भवनों के निर्माण में भी रेन वाटर हार्वेस्टिंग पिट का प्रावधान अनिवार्य किया गया है। वतर्मान में 109 निर्माण कार्यो के लिए कार्यादेश जारी किए जा चुके हैं, जिनमें वर्षा जल संचयन की व्यवस्था सुनिश्चित की जा रही है।

95 अनुपयोगी, क्षतिग्रस्त एवं ध्वस्त बोरवेलों का चिन्हांकन कर रिचार्ज : भूजल संरक्षण को और अधिक प्रभावी बनाने के उद्देश्य से नगर निगम क्षेत्र के विभिन्न स्थानों पर स्थित 95 अनुपयोगी, क्षतिग्रस्त एवं ध्वस्त बोरवेलों का चिन्हांकन कर उन्हें रिचार्ज संरचनाओं के रूप में विकसित करने के लिए री–ड्रिलिंग की काययीजना तैयार की गई है। इससे अनुपयोगी संसाधनों का उपयोग जल संरक्षण के लिए किया जा सकेगा।

वाटर हार्वेस्टिंग पिट के माध्यम से जल संरक्षण को भी बढ़ावा : जल संरक्षण के साथ–साथ जिले में पर्यावरण संरक्षण एवं हरित आवरण बढ़ाने के लिए भी व्यापक अभियान संचालित किया जा रहा है। वन विभाग द्वारा कोरबा एवं कटघोरा वनमंडल में बड़े पैमाने पर पौधरोपण किया जा रहा है तथा वाटर हार्वेस्टिंग पिट के माध्यम से जल संरक्षण को भी बढ़ावा दिया जा रहा है। कोरबा वनमंडल में इस वर्ष ढाई लाख पौधे रोपने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है।

सभी शासकीय कार्यालयों के परिसरों में वृक्षारोपण को प्रोत्साहन : कलेक्टर कुणाल दुदावत के निर्देशानुसार जिले में 15 सितंबर तक एक पेड़ माँ के नाम सहित सघन वृक्षारोपण अभियान संचालित किया जा रहा है। इसी क्रम में नगर निगम द्वारा 18 जुलाई को "रन फॉर ग्रीन कोरबा" का आयोजन कर जनप्रतिनिधियों एवं नागरिकों की सहभागिता से पौधरोपण किया गया तथा पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया गया। इसके साथ ही बीबी–राम–जी अभियान के माध्यम से पौधों का वितरण कर सभी शासकीय कार्यालयों के परिसरों में वृक्षारोपण को प्रोत्साहित किया जा रहा है। प्रधानमंत्री

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा 'मन की बात' में कोरबा के जल संरक्षण मॉडल का उल्लेख किया जाना इस बात का प्रमाण है कि स्थानीय स्तर पर दूरदृष्टि, नवाचार और जनभागीदारी के साथ किए गए प्रयास राष्ट्रीय स्तर पर भी प्रेरणा बन सकते हैं। कोरबा नगर पालिक निगम का यह मॉडल अब जल संरक्षण के क्षेत्र में देश के अन्य नगरीय निकायों के लिए भी एक अनुकरणीय उदाहरण के रूप में उभर रहा है।

जमीन विवाद में जानलेवा हमला 24 घंटे में 5 आरोपी हुए गिरफ्तार

मोहन नगर पुलिस ने कार, बाइक और धारदार हथियार किया जप्त

नई दृष्टिबिंदु / दुर्ग

जमीन की खरीदी–बिक्री के हिसाब–किताब को लेकर हुए विवाद में जानलेवा हमला करने के मामले में मोहन नगर पुलिस ने 24 घंटे के भीतर 5 आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है। घटना में प्रयुक्त कार, मोटरसाइकिल और एक धारदार हथियार भी जप्त किया गया है।

पुलिस के अनुसार 25 जुलाई 2026 को दोपहर करीब 12 बजे प्रार्थी विनय कुमार सिंह अपने जीजा नरेंद्र सिंह और साथी रूपेश यादव के साथ देवभूमि लेआउट स्थित कार्यालय पहुंचे थे। वहां पहले से मौजूद आरोपियों ने हिसाब–किताब को लेकर विवाद के बाद गाली–गलौज शुरू कर दी और जान से मारने की नियत से हमला कर दिया।

आरोपी विजय मेनन और उसके साथियों ने धारदार हथियार तथा हाथ–मुक्कों से प्रार्थी पक्ष पर हमला किया। इस हमले में नरेंद्र सिंह सहित अन्य को गंभीर चोटें आईं और नरेंद्र सिंह बेहोश होकर गिर गए। प्रार्थी की रिपोर्ट पर थाना मोहन नगर में मामला दर्ज कर विवेचना शुरू की गई। पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए 5 आरोपियों को गिरफ्तार किया। आरोपियों के मेमोरेंडम पर घटना में प्रयुक्त कार क्रमांक CG 07 CP 6008, एक मोटरसाइकिल और एक धारदार हथियार बरामद किया गया।

गिरफ्तार आरोपियों के नाम विक्की सिंह 41 वर्ष निवासी सुपेला, रंजीत कुमार सिंह 43 वर्ष निवासी हुडको, रोशन लाल साहू 44 वर्ष निवासी गौरा चौक, पप्पू कुमार सिंह 39 वर्ष निवासी सेक्टर–7 और विजय मेनन 40 वर्ष निवासी हाउसिंग बोर्ड भिलाई हैं। विवेचना में पूर्व नियोजित षड्यंत्र और सामूहिक अपराध के साक्ष्य मिलने पर आरोपियों के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता की धारा 109, 115(2), 296, 351(3), 61(2) एवं 111 के तहत कार्रवाई की गई है। प्रकरण में 2 अन्य आरोपी अभी फरार हैं, जिनकी तलाश की जा रही है।

दुर्ग पुलिस ने नागरिकों से अपील की है कि भूमि या वित्तीय विवादों का समाधान कानूनी और शांतिपूर्ण तरीके से करें। कानून हाथ में लेने वालों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी। किसी भी संदिग्ध गतिविधि की सूचना 112 या नजदीकी थाने में दें।

'ऑपरेशन शंखनाद' में बड़ी कार्रवाई : 2 साल के बछड़े की हत्या, 55 किलो गोमांस जब्त

अस्पताल से कारगिल चौक होते हुए हथकड़ी में निकाला 10 आरोपियों का पैदल जुलूस

नई दृष्टिबिंदु / जशपुर-कोतबा

छत्तीसगढ़ के जशपुर जिले में गौ–तस्करी और गौ–हत्या के खिलाफ चलाए जा रहे 'ऑपरेशन शंखनाद' के तहत पुलिस ने बड़ी कार्रवाई की है। कोतबा क्षेत्र में 2 साल के बछड़े की हत्या कर गोमांस बांट रहे 10 आरोपियों को पुलिस ने रंगे हाथों गिरफ्तार किया। गिरफ्तारी के बाद पुलिस ने सभी आरोपियों को हथकड़ी और जंजीरों में जकड़कर नगर में पैदल जुलूस निकाला, जिससे पूरे इलाके में सनसनी फैल गई।

पुलिस रेड से मची भगदड़

जानकारी के अनुसार रविवार सुबह करीब 9 बजे कोतबा चौकी प्रभारी उप निरीक्षक बृजेश यादव को मुखबिर से सूचना मिली कि ग्राम कोतबा बैगाबहार और रोकबहार के कुछ लोगों ने सुबह 3 से 4 बजे के बीच बरगोड़ा नाले के पास सुनसान इलाके में रंजीत एक्का के 2 साल के बछड़े की हत्या कर दी है और अब गोमांस को टुकड़ों में काटकर बांट रहे हैं। सूचना मिलते ही पुलिस टीम गवाहों के साथ मौके पर पहुंची। पुलिस को देखकर आरोपियों में भगदड़ मच गई। घेराबंदी कर पुलिस ने सभी को दबोच लिया।

55 किलो गोमांस, हथियार और नकदी जब्त : मौके पर मुख्य आरोपी रंजीत एक्का को उसकी हीरो मोटरसाइकिल उत्र13 ह 8714 पर एक बोरी में 15 किलो गोमांस ले जाते हुए पकड़ा गया। इसके अलावा अन्य आरोपियों के घरों और अलग–अलग ठिकानों से तलाशी में कुल 55 किलो गोमांस बरामद हुआ। पुलिस ने मौके से मवेशी के अवशेष, घटना में प्रयुक्त 2 टांगी, छुरी, चाकू और 2000 रुपये नकद भी जब्त किए हैं।

पुलिस ने निकाला हथकड़ी में पैदल जुलूस : गिरफ्तारी के बाद सभी 10 आरोपियों को पहले नवीन कोतबा सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र ले जाकर डॉक्टरी मुलाहिजा कराया गया। इसके बाद पुलिस ने सभी को हथकड़ी और जंजीरों में बांधकर मुख्य मार्ग से पैदल जुलूस निकाला। यह जुलूस कारगिल चौक होते हुए कोतबा पुलिस चौकी से पहले खड़ी पुलिस बस तक ले जाया गया। नगर की मुख्य सड़क पर इस कार्रवाई को देख भारी भीड़ जमा हो गई। पुलिस का उद्देश्य था कि गौ–हत्या जैसे जघन्य अपराध करने वालों को सख्त संदेश दिया जाए।

आरोपियों ने कबूला जुर्म, ये हैं नाम

कड़ाई से पूछताछ में मुख्य आरोपी रंजीत एक्का ने बताया कि उसने अपने 9 अन्य साथियों के साथ मिलकर बछड़े के पैर बांधकर कुल्हाड़ी और छुरी से हत्या की थी। गिरफ्तार आरोपी में रंजीत एक्का पिता सूबल एक्का, 31 वर्ष, ग्राम कोतबा बैगाबहार, राकेश तिर्की पिता स्व. शंकर तिर्की, 24 वर्ष, बैगाबहार, मेघनाथ तिर्की पिता स्व. अर्जुन तिर्की, 42 वर्ष, बैगाबहार , विनय तिग्गा पिता लिखन तिग्गा, 26 वर्ष, बैगाबहार, अमलेश तिग्गा पिता लिखन तिग्गा, 32 वर्ष, बैगाबहार, हीरालाल तिर्की पिता स्व. रतीराम तिर्की, 45 वर्ष, बैगाबहार, मनमोहन तिग्गा पिता स्व. मेघनाथ तिग्गा, 32 वर्ष, रोकबहार, अब्राहम कुजुर पिता स्व. बेनेदिक कुजुर, 31 वर्ष, रोकबहार, संजय तिग्गा पिता स्व. लालसाय तिग्गा, 26 वर्ष, हाईस्कूल पारा कोतबा, अनूप भगत पिता दशराम भगत, 21 वर्ष, हाईस्कूल पारा कोतबा

क्या कहा पुलिस ने

चौकी प्रभारी बृजेश यादव ने बताया कि सभी 10 आरोपियों के विरुद्ध छत्तीसगढ़ कृषक पशु परिरक्षण अधिनियम 2004 की धारा 4, 5, 6 और 10 के तहत अपराध दर्ज कर वैधानिक कार्रवाई की जा रही है। इस कार्रवाई के लिए एसपी लाल सिंह उमेद के मार्गदर्शन और एसडीओपी पत्थलगांव ध्रुवेष जायसवाल के नेतृत्व में थाना प्रभारी आशीष तिवारी के साथ उप निरीक्षक बृजेश यादव, प्रधान आरक्षक अजय खेस, छविकांत पैंकरा, संजय लकड़ा, आरक्षक प्रवीण खलखो, सुशील तिर्की, अमित, रघुराज रजक, जेम्स एडवर्ड और महिला आरक्षक जया पैंकरा की टीम की सराहनीय भूमिका रही। पुलिस ने कहा है कि जिले में गौ–हत्या और गौ–तस्करी के खिलाफ 'ऑपरेशन शंखनाद' आगे भी जारी रहेगा।

रक्तदाता संस्थाओं को मिलेगा एक चौथाई नि :शुल्क रक्त का लाभ, कलेक्टर की नई पहल

इंडियन रेडक्रॉस सोसायटी दुर्ग की बैठक में लिए गए महत्वपूर्ण निर्णय, नियमित रक्तदान शिविरों का वार्षिक कैलेंडर होगा तैयार

नई दृष्टिबिंदु / दुर्ग

इंडियन रेडक्रॉस सोसायटी दुर्ग द्वारा जिला चिकित्सालय में संचालित ब्लड बैंक में रक्त की निरंतर उपलब्धता सुनिश्चित करने तथा नियमित स्वैच्छिक रक्तदान शिविरों को बढ़ावा देने के उद्देश्य से कला मंदिर, सिविक सेंटर भिलाई जिला दुर्ग में रक्तदान-महादान विषय पर बैठक आयोजित की गई। बैठक में जिले की विभिन्न सामाजिक, शैक्षणिक, औद्योगिक, व्यापारी संघ, महिला समूहों एवं स्वयंसेवी संस्थाओं के प्रतिनिधियों ने भाग लिया।

बैठक को संबोधित करते हुए कलेक्टर अभिजीत सिंह एवं अध्यक्ष इंडियन रेडक्रॉस सोसायटी ने कहा कि इंडियन रेडक्रॉस सोसायटी दुर्ग द्वारा जिला चिकित्सालय परिसर में जनभागीदारी से सवर्सुविधायुक्त ब्लड बैंक का सफल संचालन किया जा रहा है। इस ब्लड बैंक के माध्यम से जिला चिकित्सालय में भर्ती गंभीर एवं जरूरतमंद मरीजों को समय पर रक्त उपलब्ध कराया जाता है, जिससे अनेक लोगों की जान बचाई जा रही है। कलेक्टर ने कहा कि बैठक का मुख्य उद्देश्य पूरे वर्ष के लिए नियमित रक्तदान शिविरों का वार्षिक कैलेंडर तैयार करना है, ताकि प्रत्येक संस्था, संगठन एवं समाज रक्तदान शिविर आयोजित कर सके। उन्होंने सभी सामाजिक संगठनों से इस अभियान में सक्रिय भागीदारी की अपील की।

कलेक्टर अभिजीत सिंह एवं अध्यक्ष इंडियन रेडक्रॉस सोसायटी ने बताया कि डिजिटल पारदशिर्ता सुनिश्चित करने के लिए आईआईटी भिलाई के सहयोग से एक ऑनलाइन पोर्टल विकसित किया जा रहा है। इस पोर्टल के माध्यम से यह जानकारी उपलब्ध रहेगी कि किस संस्था या संगठन ने कितनी यूनिट रक्तदान किया है, वतर्मान में ब्लड बैंक में कितनी यूनिट रक्त उपलब्ध है तथा अन्य आवश्यक जानकारी भी डिजिटल रूप से दर्ज रहेगी। कलेक्टर श्री सिंह ने बताया कि थैलेसीमिया,

एनीमिया, सिकल सेल रोग, गर्भवती महिलाओं एवं प्रसूताओं जैसे गंभीर मरीजों को निःशुल्क रक्त उपलब्ध कराया जाता है। वहीं अन्य मरीजों से शासन द्वारा निर्धारित शुल्क लिया जाता है।

रक्तदाताओं एवं संस्थाओं को प्रोत्साहित करने के लिए कलेक्टर श्री सिंह ने एक नई पहल करते हुए कहा कि यदि कोई संस्था, समाज या संगठन रक्तदान करता है और उसके द्वारा अनुशंसित ऐसा व्यक्ति, जो शासन की निःशुल्क रक्त श्रेणी में शामिल नहीं है, रक्त की आवश्यकता होने पर उसे संस्था द्वारा प्रदाय किए गए रक्त में से एक चौथाई निःशुल्क रक्त उपलब्ध कराया जाएगा। उन्होंने कहा कि रक्तदान केवल दान नहीं, बल्कि किसी के जीवन को बचाने का संकल्प है। युवाओं को नियमित रक्तदान के लिए प्रेरित करने तथा समय-समय पर रक्तदान शिविर आयोजित करने में सभी संस्थाओं की महत्वपूर्ण भूमिका है।

बैठक में जिले के विभिन्न समाज प्रमुखों, सामाजिक एवं स्वयंसेवी संगठनों, शैक्षणिक संस्थानों, पुलिस एवं अधर्सैनिक बल, शासकीय अधिकारी-कर्मचारी संगठनों, औद्योगिक संस्थानों तथा राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों से रक्तदान अभियान को जनआंदोलन बनाने के लिए सुझाव और सहयोग का आह्वान किया गया। इस अवसर पर ब्लड बैंक के प्रभारी अधिकारी डॉ. एस.आर. चुरेन्द्र ने ब्लड बैंक दुर्ग की कार्यप्रणाली, रक्त की आवश्यकता तथा स्वैच्छिक रक्तदान के महत्व पर विस्तृत जानकारी देते हुए अधिक से अधिक लोगों से नियमित रक्तदान करने की अपील की। इस दौरान आभार प्रदर्शन प्रमोद वाघ द्वारा किया गया।

इस अवसर पर अपर कलेक्टर श्रीमती योगिता देवांगन, नगर निगम भिलाई आयुक्त सुरूचि सिंह, डीआईजी सीआईएसएफ अखिलेश कुमार शुक्ला, अपर कलेक्टर हरवंश मिरी, डिप्टी कलेक्टर प्रफुल्ल गुप्ता, तहसीलदार श्रीमती क्षमा यदु, जिला चिकित्सा अधिकारी एवं रेडक्रास सोसायटी सचिव मनोज दानी, रेडक्रॉस दुर्ग अध्यक्ष शरद पाटनकर, नोडल अधिकारी रेडक्रॉस डॉ.सी.बी.एस.बंजारे, प्रभारी अधिकारी ब्लड बैंक डॉ. एसआर चुरेन्द्र, कोषाध्यक्ष जिला प्रबंध समिति प्रमोद वाघ, सीएमओ सेक्टर 9 हॉस्पिटल डॉ उदय, पुलिस बल के अधिकारी, बड़ी संख्या में संस्था/संगठन/स्वयंसेवी संस्थाओं, शैक्षणिक संस्था, विभिन्न समाज प्रमुख सहित विभागीय अधिकारी-कर्मचारी उपस्थित थे।

खास खबर

17 अगस्त को टोलाघाट में होने वाली कांवर यात्रा महोत्सव के लिए कुम्हारी में हुई बैठक

नई दृष्टिबिंदु / कुम्हारी-भिलाई

बोल बम कांवर यात्रा समिति, पाटन की महत्वपूर्ण बैठक शुक्रवार को समिति के संयोजक जितेन्द्र वर्मा की अध्यक्षता में सामुदायिक भवन वार्ड क्रमांक 8 कुम्हारी में संपन्न हुई। बैठक में प्रतिवर्ष की भांति इस वर्ष भी सावन के तीसरे सोमवार 17 अगस्त को पाटन से टोलाघाट तक भव्य एवं विशाल कांवर यात्रा निकाली जाएगी। बैठक में यात्रा को अधिक भव्य, सुव्यवस्थित एवं श्रद्धामय स्वरूप प्रदान करने के लिए विभिन्न विषयों पर विस्तार से चर्चा की गई एवं आयोजन की तैयारियों को अंतिम रूप दिया गया। भगवान शंकर के नाम से शिवभक्तों द्वारा प्राप्त एक मुट्ठी अन्नदान से महाप्रसाद बनाया जाएगा।

समिति के सदस्य, पालिका अध्यक्ष श्रीमति मीना वर्मा ने कहा कि कांवर यात्रा केवल एक धार्मिक आयोजन बस नहीं है यह सनातन संस्कृति, आस्था, अनुशासन, सेवा और सामाजिक समरसता का प्रतीक है। प्रत्येक वर्ष हजारों शिवभक्त बोल बम के जयघोष के साथ भगवान भोलेनाथ के जलाभिषेक हेतु इस यात्रा में शामिल होते हैं। इस बार भी यह यात्रा पाटन ओग्गर तालाब में विराजमान भगवान भोलनाथ का आशीर्वाद लेकर टोलाघाट के लिए रवाना होगी। बैठक में यात्रा मार्ग, सुरक्षा व्यवस्था, चिकित्सा सहायता, पेयजल एवं भोजन व्यवस्था, विश्राम स्थल, यातायात समन्वय, स्वच्छता, प्रचार-प्रसार एवं स्वयंसेवकों की जिम्मेदारियों सहित सभी आवश्यक व्यवस्थाओं पर विस्तार से चर्चा कर संबंधित दायित्वों का निर्धारण किया गया।

बैठक के अंत में सदस्य, वरिष्ठ भाजपा नेता राकेश पाण्डे ने पाटन क्षेत्र के सभी सामाजिक, धार्मिक एवं सांस्कृतिक संगठनों, युवा मंडलों, महिला समूहों, जनप्रतिनिधियों, व्यापारी बंधुओं, स्वयंसेवकों एवं शिवभक्तों से अधिक से अधिक संख्या में कांवर यात्रा में शामिल होकर आयोजन को सफल बनाने का आग्रह किया। उन्होंने कहा कि यह आयोजन किसी एक व्यक्ति या समिति का नहीं, बल्कि पूरे क्षेत्र की आस्था, श्रद्धा और सामूहिक सहभागिता का महापर्व है। समिति ने सभी श्रद्धालुओं से 17 अगस्त को पाटन से टोलाघाट तक निकलने वाली इस भव्य कांवर यात्रा में शामिल होकर भगवान भोले नाथ जी का आशीर्वाद प्राप्त करने की अपील की।

इस बैठक में मुख्य रूप से जितेन्द्र वर्मा प्रदेश मंत्री, दिलीप साहू जिला महामंत्री, श्रीमती मीना वर्मा नगरपालिका अध्यक्ष, राकेश पांडेय वरिष्ठ भाजपा नेता, धर्मेंद्र सिन्हा मंडल अध्यक्ष, राजू निषाद सांसद प्रतिनिधि, गोल्डी गोस्वामी एल्डरमैंन, दीपक चतुर्वेदी मंडल महामंत्री, श्रीमती तृप्ति चंद्राकर महिला मोर्चा जिला अध्यक्ष, रागिनी निषाद पूर्व पार्षद, श्रीमती योगिता वर्मा मंडल मंत्री, जूही चंद्राकर जिला आईटी सेल सह संयोजक, उमाकांत साहू पार्षद वार्ड 4, शुभम पांडेय, रामप्रकाश गुप्ता कार्यालय मंत्री, फिंगेश्वर साहू मंडल उपाध्यक्ष, उद्धव साहू, श्रीमती स्वर्णलता साहू महिला मोर्चा मंडल महामंत्री, श्रीमती रीता पांडेय जिला मंत्री, साधना स्वर्णकार, ओंकार मार्कण्डेय पार्षद वार्ड 22, नीलम बंजारे, ताम्रध्वज साहू सहित बोल बम समिति सदस्य गण उपस्थित थे।

निधन **श्रीमती श्याम शाह**

भिलाई। एमआईजी 58 वैशाली नगर निवासी शिव प्रसाद शाह की धर्मपत्नी श्याम शाह का आज रविवार को निधन हो गया। उनका अंतिम संस्कार सोमवार 27 जून को सुबह 11 बजे अंतिम यात्रा निवास स्थान से रामनगर मुक्ति धाम के लिए निकली जहां उनका अंतिम संस्कार किया गया। वे अपने पीछे भरा-पूरा परिवार छोड़ गए।

गुरुदेव मणिभद्र मुनि महाराज का ऐतिहासिक चातुर्मास प्रवेश, सकल जैन समाज ने किया स्वागत

55 बेला-5 तेला तपस्या की भेंट, गुरुदेव को 50 बेला एवं 5 तेला तपस्या की भेंट दी प्रवेश पर

नई दृष्टिबिंदु / दुर्ग

राष्ट्र संत, मानव मिलन के संस्थापक परम पूज्य गुरुदेव मणिभद्र मुनि महाराज एवं साधु-साध्वी समुदाय का भव्य चातुर्मास प्रवेश रविवार को दुर्ग नगर में श्रद्धा और भक्ति के साथ संपन्न हुआ। यह प्रवेश ऐतिहासिक रहा, जिसमें दुर्ग के सकल जैन समाज के सभी वर्गों और संप्रदायों के श्रद्धालु बड़ी संख्या में उपस्थित हुए।

ओसवाल पंचायत के आह्वान पर निकली शोभायात्रा

ओसवाल पंचायत दुर्ग के आह्वान पर सकल जैन समाज के प्रतिनिधियों ने चातुर्मास प्रवेश यात्रा में सहभागिता की। नगर भक्तिमय हो गया। जयघोष और मंगल गीतों के साथ श्रद्धालुओं ने गुरुदेव की अगवानी की। आगवानी में ओसवाल पंचायत दुर्ग, भगवान महावीर जन्म कल्याणक महोत्सव समिति, जैन मूतिर्पूजक संघ, तेरापंथ परिवार, समता परिवार, सुधर्म परिवार, समर्थ परिवार, शांत क्रांति संघ, दिगंबर जैन पंचायत एवं चातुर्मास समिति सहित विभिन्न सामाजिक-धार्मिक संस्थाओं के पदाधिकारी उपस्थित रहे।

तपस्या की अनुपम भेंट

गुरुदेव को चातुर्मास प्रवेश पर श्रद्धालुओं ने 55 बेला और 5 तेला तपस्या की भेंट समर्पित की। धर्मचक्र आराधना के तहत तेला तपस्या का शुभारंभ 27, 28 एवं 29 जुलाई को तथा बेला तपस्या का शुभारंभ 28 एवं 29 जुलाई से होगा। इसमें बड़ी संख्या में श्रावक-श्राविकाएं सहभागी बनेंगे। तपस्या कार्यक्रम को सफल बनाने में श्रीमती चंदा रूणवाल, लता छाजेड़, रूचिका बाधमार सहित श्रमण संघ महिला मंडल की सभी सदस्यों ने सक्रिय सहयोग दिया।

देशभर से आने वाले श्रद्धालुओं के लिए आवास एवं भोजनशाला समिति गठित कर दी गई है। प्रवेश के प्रथम दिवस निर्मल रतन बोहरा के मार्गदर्शन में गौतम प्रसादी की व्यवस्था की गई। भोजनशाला में अजय जी नाहर एवं केवल जी छाजेड़ का सहयोग रहा। वहीं आवास व्यवस्था अशोक रतन बोहरा, विकास चोपड़ा एवं जिनेश वैद्य संभाल रहे हैं। आयोजकों ने बताया कि आगामी दिनों में देश के विभिन्न क्षेत्रों से बड़ी संख्या में गुरुभक्त दुर्ग पहुंचेंगे और चातुर्मास के प्रवचनों, आराधना एवं सेवा कार्यों में सहभागी बनेंगे।

कार्यक्रम का संचालन मंत्री राकेश संचेती ने किया। आयोजन को सफल बनाने में वधर्मान सेवा मंच, श्रमण संघ स्वाध्याय मंडल, श्रावक संघ महिला मंडल, श्रावक संघ बालिका मंडल एवं जय आनंद मधुकर पाठशाला के सदस्यों का विशेष योगदान रहा। वर्धमान स्थानकवासी जैन श्रावक श्रमण संघ ने सभी श्रद्धालुओं से धर्म आराधना, तप और प्रवचनों में अधिक से अधिक संख्या में शामिल होने की अपील की है।

बीएसपी के कोक ओवन विभाग का 15 दिनी हाउसकीपिंग अभियान, 680 टन मलबा और स्क्रैप हटाकर स्वच्छ बना कार्यस्थल

नई दृष्टिबिंदु / भिलाई

भिलाई इस्पात संयंत्र में कार्यस्थलों को स्वच्छ, सुरक्षित और सुंदर बनाने की दिशा में कोक ओवन एवं कोल केमिकल विभाग ने उल्लेखनीय पहल की है। विभाग के मुख्य महाप्रबंधक तुलाराम बेहरा की प्रेरणा से सीएसपी-1 क्षेत्र में वर्षों से जमा मलबे और स्क्रैप को हटाने के लिए विशेष हाउसकीपिंग अभियान चलाया गया। लगभग 15 दिनों तक चले इस श्रमदान अभियान में विभागीय अधिकारियों और कमर्चारियों ने सामूहिक प्रयास से लंबे समय से उपेक्षित क्षेत्र को नया स्वरूप दिया।

कोक ओवन एवं कोल केमिकल विभाग के उप महाप्रबंधक (सीओसीसीडी- यांत्रिकी) एस. बरगठ और उप महाप्रबंधक (सीओसीडी- प्रचालन) सुनील गुप्ता के नेतृत्व में वरिष्ठ प्रबंधक आनंद खरात, उप प्रबंधक अभिलाष सिंह, अभियंता सहायक मनोज शर्मा तथा सहायक महाप्रबंधक (टी एंड डी) अवनीत शुक्ला सहित पूरी टीम ने अभियान में भागीदारी की। अभियान के दौरान डंप कार की सहायता से लगभग 600 टन प्रोसेस डस्ट हटाया गया। इसके अलावा मैग्नेटिक फाउलर एवं ट्रकों की मदद से लगभग 80 टन स्क्रैप तथा दो ट्रक अनुपयोगी कन्वेयर बेल्ट का भी सुरक्षित निष्पादन किया गया। कुल मिलाकर 680 टन से अधिक सामग्री हटाई गई।

अब होगा सौंदर्यीकरण और पौधारोपण

मलबा हटने के बाद अब इस क्षेत्र में सौंदर्यीकरण और पौधारोपण का कार्य किया जाएगा। इससे परिसर न केवल स्वच्छ और हरित बनेगा, बल्कि रखरखाव की दृष्टि से भी अधिक सुरक्षित, सुगम और उपयोगी होगा। विभाग का मानना है कि स्वच्छ एवं व्यवस्थित कार्यस्थल कर्मचारियों में सकारात्मक कार्य संस्कृति, सुरक्षा के प्रति जागरूकता और बेहतर कार्य वातावरण विकसित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है।

अभियान की सफलता पर विभागाध्यक्ष तुलाराम बेहरा, महाप्रबंधक (यांत्रिकी) पी. शशिकांत तथा महाप्रबंधक (सीएसपी-प्रचालन) ए.आर. साहू ने पूरी टीम की सराहना की। उन्होंने भविष्य में भी इसी प्रकार सामूहिक प्रयासों से स्वच्छता, सुरक्षा और उत्कृष्ट कार्य संस्कृति को आगे बढ़ाने का आह्वान किया।

विद्यालयों और सार्वजनिक स्थलों पर पहुंची पिंक पेट्रोलिंग टीम, छात्र-छात्राओं को किया जागरूक

नई दृष्टिबिंदु / दुर्ग-भिलाई

दुर्ग पुलिस की पिंक पेट्रोलिंग टीम द्वारा जिले के विभिन्न थाना क्षेत्रों में महिला एवं बाल सुरक्षा को लेकर जागरूकता अभियान लगातार चलाया जा रहा है। अभियान के तहत विद्यालयों और सार्वजनिक स्थलों पर पहुंचकर छात्र-छात्राओं, शिक्षकों तथा आम नागरिकों को सुरक्षा संबंधी जानकारी दी गई।

थाना भिलाई भट्टी क्षेत्र स्थित श्री नारायण गुरु स्कूल में पिंक पेट्रोलिंग टीम ने विद्यालय प्रबंधन और विद्यार्थियों से संवाद किया। इस दौरान स्कूल के प्राचार्य ने पिंक पेट्रोलिंग की पहल की सराहना करते हुए इसे विद्यार्थियों में सुरक्षा और विश्वास बढ़ाने वाला प्रभावी अभियान बताया।

इसी क्रम में थाना मोहन नगर क्षेत्र के जय पब्लिक स्कूल एवं शासकीय प्राथमिक शाला कैलाश नगर में छात्र-छात्राओं और शिक्षकों

को डायल-112 आपातकालीन सेवा, महिला हेल्पलाइन 1091 तथा अभिव्यक्ति ऐप की जानकारी दी गई। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि किसी भी आपात स्थिति या महिला एवं बाल सुरक्षा से जुड़े मामले में इन सेवाओं का तत्काल उपयोग किया जा सकता है।

पिंक पेट्रोलिंग टीम ने विभिन्न थाना क्षेत्रों के सार्वजनिक स्थलों और ठेला व्यवसायियों के बीच पहुंचकर सुरक्षा व्यवस्था का जायजा लिया तथा नागरिकों से संवाद कर उनकी समस्याएं भी सुनीं। इस दौरान लोगों को सुरक्षा के प्रति सतर्क रहने और किसी भी संदिग्ध गतिविधि की सूचना तत्काल पुलिस को देने के लिए प्रेरित किया गया।

दुर्ग पुलिस ने बताया कि पिंक पेट्रोलिंग अभियान का उद्देश्य महिलाओं, छात्राओं और बच्चों में सुरक्षा की भावना मजबूत करना तथा पुलिस और आम नागरिकों के बीच विश्वास बढ़ाना है। पुलिस ने नागरिकों से अपील की है कि किसी भी आपात स्थिति या महिला एवं बाल सुरक्षा संबंधी घटना की सूचना तत्काल डायल-112, महिला हेल्पलाइन 1091 अथवा निकटतम पुलिस थाना को दें, ताकि समय पर आवश्यक कार्रवाई की जा सके।

पीएम आवास योजना: 21 हितग्राहियों का सपना हुआ साकार

नई दृष्टिबिंदु / दुर्ग

नगर पालिक निगम दुर्ग द्वारा प्रधानमंत्री आवास योजना (शहरी) के अंतर्गत आर्थिक रूप से कमजोर एवं पात्र परिवारों को पक्का आवास उपलब्ध कराने की दिशा में एक और महत्वपूर्ण कदम उठाया गया। इस माह पारदर्शी लॉटरी प्रक्रिया के माध्यम से 21 पात्र हितग्राहियों को आवास आवंटित किए गए।

निगम द्वारा सरस्वती नगर, मां कर्मा बोरसी और गोकुल नगर में अफोर्डेबल हाउसिंग इन पार्टनरशिप (एएचपी) घटक के तहत निर्मित आवासों का आवंटन किया गया। इस दौरान गोकुल नगर में 1, सरस्वती नगर में 16 तथा मां कर्मा बोरसी में 4 आवासों के लिए प्राप्त कुल 21 आवेदनों का लॉटरी के माध्यम से निष्पक्ष एवं पारदर्शी ढंग से चयन किया गया। पूरी प्रक्रिया हितग्राहियों की मौजूदगी में संपन्न हुई, जहां प्रत्येक हितग्राही ने स्वयं पर्ची निकालकर अपने आवास का चयन किया।

महापौर श्रीमती अलका बाघमार ने एमआईसी सदस्य देव नारायण चंद्राकर, नरेंद्र बंजारे, जितेंद्र ताम्रकार, रामचंद्र सेन तथा सहायक अभियंता

संजय ठाकुर की उपस्थिति में चयनित हितग्राहियों को आवंटन पत्र प्रदान किए। निगम प्रशासन ने बताया कि निर्धारित राशि जमा करने के बाद हितग्राहियों को आधिपत्य (कब्जा) पत्र भी जारी किया जाएगा।

इस अवसर पर महापौर अलका बाघमार ने कहा कि प्रधानमंत्री आवास योजना का उद्देश्य जरूरतमंद एवं पात्र परिवारों को स्थायी आवास उपलब्ध कराना है। उन्होंने स्पष्ट किया कि योजना के तहत आवंटित मकानों में केवल पात्र हितग्राही ही निवास करेंगे। यदि कोई आवंटी मकान को किराये पर देता है या योजना के नियमों का उल्लंघन करता है, तो नगर निगम द्वारा आवंटन निरस्त करने सहित नियमानुसार सख्त कार्रवाई की जाएगी। कार्यक्रम में दीपक संचेती, हिमांशु बेलेंद्रे, सीएलटीसी के अधिकारी-कर्मचारी, सहायक ग्रेड-3 भीम कुमार निषाद सहित नगर निगम के अन्य अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

स्वतंत्रता दिवस के उपलक्ष्य में सरस्वती नगर आवास परिसर में विविध प्रतियोगिताओं का आयोजन, विजेताओं का हुआ सम्मान

नई दृष्टिबिंदु / दुर्ग

नगर पालिक निगम दुर्ग द्वारा संचालित प्रधानमंत्री आवास योजना (एसपी घटक) अंतर्गत सरस्वती नगर आवास परिसर में स्वतंत्रता दिवस के उपलक्ष्य में विविध सांस्कृतिक एवं शैक्षणिक प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य आवासीय परिसर के हितग्राहियों में राष्ट्रभक्ति की भावना, रचनात्मकता तथा सामाजिक सहभागिता को बढ़ावा देना रहा। नगर निगम के अधिकारियों एवं कर्मचारियों के सहयोग से आयोजित इस कार्यक्रम में रंगोली, निबंध लेखन तथा कविता (पोयम) प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिताओं में महिलाओं, युवाओं एवं बच्चों ने उत्साहपूर्वक भाग लेकर अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया। पूरे आयोजन के दौरान सरस्वती नगर आवास परिसर देशभक्ति के रंग में रंगा नजर आया।

समापन समारोह में सहायक अभियंता हरिशंकर साहू ने प्रतियोगिताओं में प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय स्थान प्राप्त करने वाले प्रतिभागियों को पुरस्कार एवं प्रशस्ति प्रदान कर सम्मानित किया। उन्होंने कहा कि इस प्रकार के आयोजन न केवल प्रतिभाओं को मंच प्रदान करते हैं, बल्कि समाज में आपसी सहयोग, भाईचारे और राष्ट्रीय एकता की भावना को भी मजबूत करते हैं। उन्होंने सभी प्रतिभागियों की सराहना करते हुए भविष्य में भी ऐसे आयोजनों में बढ़-चढ़कर भाग लेने का आह्वान किया। कार्यक्रम में उपस्थित हितग्राहियों ने नगर निगम की इस पहल की सराहना करते हुए कहा कि समय-समय पर इस तरह के सांस्कृतिक एवं सामाजिक आयोजन होते रहने चाहिए, जिससे आवास परिसर में रहने वाले लोगों के बीच आपसी सौहार्द और सामुदायिक सहभागिता को और अधिक मजबूती मिले।

रंगोली प्रतियोगिता में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले प्रतिभागियों में धनेश्वरी पांडे, सोनी सिंह, पुष्पा गौतम, साक्षी देवांगन, मीरा टांगे, चांदनी भट्ट एवं दिव्यांश बोरकर सहित अन्य प्रतिभागियों को सम्मानित किया गया। कार्यक्रम का समापन उत्साह, उमंग और राष्ट्रभक्ति के माहौल में हुआ।

सोलह दूनी आठ — नई दृष्टिबिंदु

साप्ताहिक कॉलम | याज्ञवल्क्य मिश्रा

कैडर का सवाल

पिछले हफ़्ते इसी कॉलम में सहाफी ने रायपुर कमिश्नरी में कैडर का ज़िक्र किया था। इसके बाद एक आर आर साहब का फोन आया। साहब ने छत्तीसगढ़ पुलिस महकमे में कैडर की लिस्ट ही भेज दी है। इस लिस्ट के साथ साहब का दावा है कि, यदि कागज पर ही चलना है तो फिर इन सारे पदों पर तो आईपीएस या प्रमोटी आईपीएस को होना था। मसलन कि बटालियन कमांडेंट,फिर यहां पर वो कागज के हिसाब से काम क्यों नहीं हुआ जिसकी याद रायपुर कमिश्नरी मामले में आई। बात साहब की तर्क से लबरेज है।जवाब भी तलाशा जाएगा।लेकिन याद रखिए आर आर साहब लोग,जिस काग़ज को लेकर आप लोग सवाल उठा रहे हैं यदि वह कागज सही है तो उस काग़ज की व्यवस्था की दुर्गति करने वाले भी तो आपके जात समाज के याने आर आर कैडर के साहब लोग हैं। फिर भी पूछेंगे पक्का।

फिर पिट गए

छत्तीसगढ़ पुलिस फिर पिटा गई है। सुशासन सरकार में यह एक ऐसी व्यवस्था है जो हर तीन चार महीने में होती ही है।तमनार में महिला आरक्षक का वस्त्र हरण हो गया,अब सूरजपुर में डीएसपी समेत पुलिस कर्मी पिट गए।इसी सुरजपुर में हवलदार की पत्नी और बिटिया की क्रूरता से हत्या हुई और रेप भी। ढाई साल के सुशासन सरकार और हिंदू हृदय सम्राट के जरिए विभाग को मिले नेतृत्व को देखते हुए घटनाओं का विवरण देखें तो समझ आता है कि,मसला अभूतपूर्व है। उद्योग प्रभावित इलाक़ों में बगैर मसले की गंभीरता और संवेदनशीलता को समझे पुलिस को ढकेल देना और दुर्गति करा लेना,जुते पड़वा लेना इसी सरकार की दूरदृष्टि और मसले की समझ की गहराई का नतीजा है,तो कई जगहों संगठित अपराध का मसला है जैसे रेत कबाड़। यहाँ पुलिस की लोकेशन कौन लीक कर देता है ? यह सवाल राकेट साइंस नहीं है। समाज के नाम पर समूह बना उपद्रव करने वालों के आगे दंडवत नतमस्तक से आगे शीर्षासन करने वाला तंत्र कौन है ? इसका जवाब भी दो के पहाड़े की तरह ही है। और इसलिए ही जब कुछ होता है तो एसपी को नाप दो टीआई को टाँग दो से मसला तात्कालिक रुप से हल हुआ लगता है लेकिन ऐसा कर के बल के मनोबल को ही तोड़ दिया जाता है,क्योंकि टीआई की ह्वनाह्व और एसपी की असहमति को बड़े साहब लोग ह्वगुनाहे अजीमह्व की तरह लेते हैं। लेकिन ठीक है। अपने राम को पता है यही सुशासन है यही सुशासन सरकार है। ज्यादा तनाव चिंता चिंतन करने की कोई जरूरत नहीं है।

झूठ्ठा कोई नहीं है

बीजेपी सरकार अपने कार्यकर्ताओं और तंत्र के साथ कांग्रेस भवन का घेराव कर गई। तंत्र शब्द के इस्तेमाल से बिदकना नहीं है क्योंकि जहां सरकार होगी वहां तंत्र तो होगा ही। अब शुरु में ही लिखा है बीजेपी सरकार तो तंत्र क्यों ना रहेगा। अब हुआ ये कि,बीजेपी सरकार और कार्यकर्ताओं ने प्रदर्शन किया। थोड़ा पत्थर कुछ गाली कुछ बोटल के वीरोचित प्रयोग के साथ बीजेपी सरकार का प्रदर्शन समाप्त हो गया। अब तंत्र का काम बचा था। तंत्र ने कांग्रेसी लोगों पर गैर जमानती एक्ट में एफआईआर ठोक दी। पीसीसी चीफ बैज थाने पहुंच धरना शुरू कर दिए। पीसीसी चीफ बैज संगठन महामंत्री मलकीत समेत सारे दिग्गज नेता थाने को नारों से गुंजायमान करते रहे। अगले दिन दोपहर कांग्रेस ने यह कहकर आंदोलन स्थगित कर दिया कि,पुलिस से लिखित आश्वासन मिला है कि सात दिन के भीतर कांग्रेस कार्यकर्ताओं पर लगी ग़ैरजमानती धारा हटेगी,बीजेपी कार्यकर्ताओं पर एफआईआर होगी। अब सहाफी को खुजली हुई कि आखिर लिखित में क्या वाकई ऐसा दिया गया है। खुजली के फेर में सहाफी ने दो वरिष्ठ पुलिस अफसरों को फोन लगाया और पूछा कि कांग्रेस का यह बयान है क्या वाकई ऐसा है ? दोनों वरिष्ठ साहबान ने छूटते कहा –ह्वसवाल ही नहीं उठताह्व एक साहब ने पूछा–ह्वपत्रकार जी,पुलिस का लिखित पढ़ लोह्व सहाफी ने कहा कि हजूर भेज दीजिए तो ज्ञान चक्षु से साफ दिखेगा। साहब ने पुलिस का वह लिखित आश्वासन भेज दिया। अब उसमें ऐसा कुछ लिखा ही नहीं है जैसा कि कांग्रेस ने बयान जारी कर दावा किया है। तो झूठ्ठा कौन है और क्यों है ? वैसे जब पक्ष नेता और पुलिस हों तो यह सवाल ही आउट ऑफ सिलेबस है कि ह्वझूठ्ठा कौन है ?ह्व पुलिस और नेता यदि एक चितकबरी बकरी को देखे तो नेता कह सकता है कि यह कामधेनु गाय है और पुलिस डंडा पटक कर कह सकती है कि यह तो काली भैंस है। और जाहिर है दोनों में से कोई झूठा है ही नहीं।

सिपाही और टीआई की तैनाती

एक कप्तान हैरान परेशान है। यूँ कप्तान पुराना है सयाना है लेकिन जिले में नया है। अब आते साथ इसके पहले कि अपने नजरिए से चीजों को देख समझ वो टीम तैयार कर सके, बड़े साहब फोन कर के लगातार दगानी पे दगानी दे रहे हैं कि यहां से सिपाही रखो वहां उस थानेदार को रखो। कप्तान छत्तीसगढ़िया है। फिलहाल तो यस सर ओके सर कर रहा है लेकिन किसी भी दिन बासी खाकर बिदक गया तो जय जगन्नाथ ही मालिक हैं।

वाह रे लिस्ट

डीजीपी साहब जोर गुस्सा गोसाई हैं। हुआ ये है कि,उन्होंने बस्तर में सालों से पदस्थ थानेदारों को बाहर निकालने की क़वायद की। एडमिन शाखा से कहा गया कि,ऐसे नाम छाँटो जो कभी बस्तर गए ही नहीं। अब वहाँ सब गंगा नहाए पवित्र आत्मा हैं। मस्त लिस्ट तैयार हुई और नाम के साथ पोस्टिंग की जगह भी चिपका दी गई। डीजीपी साहब ने ओके किया और लिस्ट जारी हो गई। शायद जानबूझकर नहीं बताया गया कि साहब जी लिस्ट में जो नाम है उससे गोबर ज्यादा ही होगा। गोबर इसलिए कि जो सिपाही से टीआई आउट ऑफ टर्न से बने हैं जिनके खाते चार चार एनकाउंटर दर्ज हैं वे नाम इस लिस्ट में चिपका दिए गए। एक बड़े साहब ने जो मंत्रालय में बैठते हैं उन्होंने सहाफी से कहा –ह्वदेखिए आपकी बात सही है लेकिन अब जो लिस्ट जारी हो गई उसको कैंसल कैसे करेंगे ?ह्व साहब ने यह भी फरमाया– ह्वयह भी नियम में है कि जिन्हे आउट ऑफ टर्न प्रमोशन मिलेगा उन्हे बस्तर में रहना ही होगाह्व सहाफी ने साहब बहादुर से पूछा –ह्व मालिक जान की अमान के साथ सवाल ये है कि मोहला मानपुर गरियाबंद में नक्सली हमले में मारे जाने वालों से शहीद का दर्जा भी वापस लिया जा सकता है क्या ? क्योंकि वे बस्तर में तो मरे नहींह्व साहब ने तीखी नजरों से देखा और फिर खीज कर बोले – ह्वअब ऐसा है कि वो जिन्हें आप हिंदू हृदय सम्राट लिखते रहते हैं कुछ सवाल उनसे पूछिएगा या सब हम से ही पूछना है ? ये कॉफी पीजिए बिस्कुट खाइए और अब नमस्ते ह्व सहाफी भी समझदार था,कॉफी और बिस्कुट छोड़ कर सीधे नौ दो ग्यारह हो लिया। और हाँ डीजीपी साहब इसलिए गुस्सा हुए हैं कि उनका मानना है लिस्ट जैसे भी बनी हो, अब किसी का भी नाम नहीं हटेगा। लेकिन फिर भी चार नाम की संशोधन लिस्ट तैयार हो ही गई है। जो डीजीपी इस कथन के लिए विख्यात हों कि –ह्वआपने जिसके लिए कहा था उसके लिए बहुत सिफारिश आई है,इसलिए उसका नाम नहीं कटेगा ह्व वहीं सख़्त मिजाज डीजीपी अब अनभनिया चार नाम के संशोधन लिस्ट पर दस्तखत कैसे करेगा ?

यह अलर्ट सायरन है

यह बात वह बात है जो इस सहाफी के पास किसी एक व्यक्ति से नहीं आई है, यह अलग अलग जगहों के व्यक्तियों से आई है। अगर इसमें समानता है तो बस ये है कि ये सभी व्यक्ति एक ही उपासना परंपरा के मानने वाले हैं। यह भी ग़ौरतलब है कि यह किसी एक महकमे का मसला नहीं है।इसमें एजुकेशन रेवेन्यू एरिगेशन पीएचई से लेकर पुलिस महकमा भी शामिल है। ट्रांसफर पोस्टिंग हो या फिर काम के अनुसार प्रशंसा सभी मामले में इस समुदाय के लोगों में यह मानस बन रहा है कि उन्हे कोई अपेक्षा नहीं करनी चाहिए, क्योंकि इस दौर उपेक्षा ही हिक़ारत का सरकारी स्वरुप है। जाहिर है जिन लोगों ने यह बातें कही हैं उनके नाम किसी सूरत ना लिखे जा सकते हैं ना कभी लिखे जाएंगे और ना कहीं कभी कहे जाएंगे। लेकिन अपने राम का फर्ज.है कि सरकार साहब बहादुर को वह बात बता दें जो कि वह मुकम्मल जानती है,क्योंकि सरकार इसलिए ही सरकार होती है क्योंकि वह यह मानती है कि जो हो रहा है और जो होगा वह सब कुछ जानती है। अब ये बात तो इसलिए भी मजबूती से कही जा सकती है कि दो साल से राज्य अलंकरण में एक श्रेणी ही गोल ग़ायब है,और इसे गोल ग़ायब करने में कोई चूक नहीं हुई है बल्कि सोचा समझा फैसला है।

जय हो सुशासन

सुशासन सरकार ने शराब को काँच की जगह प्लास्टिक बोटल में बेचने का फैसला लिया है। अब इस फैसले को लेकर 14 जुलाई को विधानसभा में प्रश्न लगा। प्रश्न पूछ रहा था कि प्लास्टिक बोटल में उपयोग में लाने वाले प्लास्टिक का किसी व्यक्ति/संस्था/विशेषज्ञ से अभिमत लिया गया है ? यदि हाँ तो क्या अभिमत आया ? यदि नहीं तो किस आधार पर फैसला लिया गया ? राज्य सरकार का लिखित जवाब यह कहता है कि जो प्लास्टिक का उपयोग कर प्लास्टिक बोटल बनाई गई है उस प्लास्टिक का किसी व्यक्ति/संस्था/विशेषज्ञ से कोई अभिमत नहीं लिया गया है। बताने की आवश्यकता नहीं पड़नी चाहिए कि सवाल अजय चंद्राकर का था। अब सरकारी जवाब के मायने यह हैं कि राज्य के सुरा प्रेमी जिस प्लास्टिक बोटल में दारु प्राप्त कर रहे हैं उस प्लास्टिक बोटल में उपयोग हुए प्लास्टिक का कोई जांच परीक्षण हुआ ही नहीं है, अब उससे कैंसर हो ना हो कोई दूसरी बीमारी धरे ना धरे। जाहिर है कि यदि यह सवाल प्रश्नकाल में आता तो जवाब से ही सरकार की गति दुर्गति तय थी। लेकिन ऐसा हुआ नहीं क्योंकि सवाल अतारांकित कोटे में दर्ज हो गया। वैसे सरकार ने अपने जवाब में यह भी बताया है कि,काँच की बोटल शीशी में मदिरा परिवहन/संधारण में अधिक टूट फूट होती है जिससे सरकार को राजस्व का नुकसान होता था, प्लास्टिक बोटल के उपयोग से सरकार का नुकसान खत्म हो गया और जाहिर है सरकार को लाभ है। चुंकि सरकार को लाभ है इसलिए यह फैसला लिया गया। अब इस जवाब के बाद सौ सवाल खड़े होते हैं तो होते रहें। सुशासन की प्यारी सुंदर शर्मीली सरकार ने जो करना था सो कर दिया है। आप भी मेरी तरह इस सुशासन सरकार पर वारी वारी जाउं मोड में रहिए,क्योंकि और कोई विकल्प तो अभी है भी नहीं।

बबलू भैया ज़िंदाबाद

बबलू भैया ज़िंदाबाद का यह मसला सुशासन सरकार के अधिकृत जवाब से गूंज रहा है। मसला ये है कि राज्य सरकार ने बताया है कि,सहायक शिक्षक के 30172,शिक्षक के 11787 और व्याख्याता के 8513 पद रिक्त हैं। याने राज्य के सरकारी स्कूलों को 50472 गुरुजी का इंतजार है। अब ये इंतजार तब खत्म होगा जब भर्ती होगी तो सरकार ने कहा है कि करना तो है पर कब तक करेंगे इसकी समय सीमा नहीं बता सकते। सुशासन सरकार ने इसी के साथ दो और आँकड़ा दिया है।यह आँकड़ा भूपेश सरकार में शिक्षकों की भर्ती का और साय सरकार में शिक्षक भर्ती का है। सुशासन सरकार ने बताया है कि भूपेश सरकार के समय याने पांच साल में 19240 शिक्षकों की भर्ती की गई है। जबकि साय सरकार जिसके ढाई साल पार हो चुके हैं उसने केवल 2104 शिक्षकों की भर्ती की है। तो अब बताईए कि भला बबलू भइया ज़िंदाबाद क्यों ना कहा जाए ?

खास खबर

स्वाभिमान और उद्यमशीलता की मिसाल है सिंधी समाज–राज्यपाल रमेन डेका

नई दृष्टिबिंदु / रायपुर

छत्तीसगढ़ के राज्यपाल रमेन डेका ने कहा है कि सिंधी समाज स्वाभिमान और आत्मनिर्भरता का जीवंत प्रतीक है। देश के विभाजन की विभीषिका और विस्थापन की पीड़ा सहने के बावजूद इस समाज ने अपने परिश्रम और दृढ़ संकल्प से न केवल स्वयं को पुनः स्थापित किया, बल्कि राष्ट्र निर्माण में भी अग्रणी भूमिका निभाई है। राज्यपाल डेका रायपुर में पूज्य छत्तीसगढ़ सिंधी पंचायत द्वारा आयोजित मुखी संवाद (विचार, तर्क एवं सुझाव परिचर्चा) कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में बोल रहे थे।

विस्थापन के दर्द को ताकत बनाकर रचा नया इतिहास : कार्यक्रम को संबोधित करते हुए राज्यपाल ने कहा कि विभाजन के समय अपनी मातृभूमि, संपत्ति और सांस्कृतिक धरोहरों को छोड़कर आए सिंधी समाज ने उस असीम वेदना को अपनी शक्ति बनाया। कठिन परिस्थितियों के बावजूद समाज ने अपनी संस्कृति और परंपराओं को सहेजते हुए व्यापार, उद्योग, शिक्षा और समाज सेवा के क्षेत्र में उल्लेखनीय मुकाम हासिल किया है।

पंचायतें समाज की रीढ़, 128 पंचायतों की एकजुटता सराहनीय : श्री डेका ने कहा कि किसी भी समाज की रीढ़ उसकी पंचायतें होती हैं। सिंधी समाज की पंचायत व्यवस्था सामाजिक समरसता बनाए रखने के साथ–साथ प्रगतिशील सोच को भी बढ़ावा देती है। उन्होंने प्रसन्नता व्यक्त की कि मुखी संवाद में प्रदेशभर की 128 पंचायतों के प्रतिनिधि एक मंच पर एकत्रित हुए हैं, जो समाज की संगठनात्मक शक्ति को दर्शाता है।

युवा पीढ़ी को भाषा और संस्कृति से जोड़ने का आह्वान : राज्यपाल ने समाज के प्रतिनिधियों से आह्वान किया कि वे सिंधी भाषा, संस्कृति और परंपराओं के संरक्षण के लिए एकजुट होकर प्रयास करें। उन्होंने विशेष रूप से बच्चों और युवा पीढ़ी को अपनी सांस्कृतिक जड़ों से जोड़ने तथा महिला विंग के माध्यम से महिलाओं को और अधिक सशक्त बनाने पर जोर दिया। कार्यक्रम के अंत में राज्यपाल ने पूज्य छत्तीसगढ़ सिंधी पंचायत को इस सफल आयोजन के लिए बधाई दी। इस अवसर पर संगठन के वरिष्ठ पदाधिकारी, प्रदेश के विभिन्न क्षेत्रों से आए पंचायतों के मुखी, प्रतिनिधि, महिला विंग के सदस्य तथा बड़ी संख्या में समाज के लोग उपस्थित थे।

'मन की बात' में बार–बार छत्तीसगढ़ का उल्लेख प्रदेशवासियों के लिए गौरव की बात : सीएम साय

मुख्यमंत्री साय ने फाफाडीह में युवाओं और आमजनों के साथ सुनी मन की बात की 136वीं कड़ी

नई दृष्टिबिंदु / रायपुर

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने राजधानी रायपुर के फाफाडीह स्थित दया भवन में युवा साथियों, जनप्रतिनिधियों और आम नागरिकों के साथ प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के लोकप्रिय मासिक रेडियो कार्यक्रम मन की बात की 136वीं कड़ी का श्रवण किया।

कार्यक्रम के उपरांत मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का मन की बात कार्यक्रम देशवासियों के साथ संवाद का एक ऐसा सशक्त मंच बन गया है, जो समाज के बीच हो रहे सकारात्मक और प्रेरणादायी कार्यों को राष्ट्रीय पहचान दिलाता है। देशभर के लोगों को प्रत्येक माह इस कार्यक्रम की उत्सुकता से प्रतीक्षा रहती है। प्रधानमंत्री इस कार्यक्रम के माध्यम से ऐसे व्यक्तियों, संस्थाओं, नवाचारों और जन–अभियानों को सामने लाते हैं, जो बिना किसी प्रसिद्धि या व्यक्तिगत अपेक्षा के समाज और राष्ट्र के निर्माण में महत्वपूर्ण योगदान दे रहे हैं।

छत्तीसगढ़ के नवाचारों को लगातार मिल रही राष्ट्रीय पहचान

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा पिछले कुछ महीनों में मन की बात कार्यक्रम में लगातार छत्तीसगढ़ की उपलब्धियों, सांस्कृतिक विरासत और नवाचारों का उल्लेख किया जाना प्रत्येक प्रदेशवासी के लिए गर्व की बात है। प्रधानमंत्री ने इससे पहले मल्हार की समृद्ध पुरातात्विक विरासत, बस्तर ओलंपिक और बस्तर पंडुम जैसे अभिनव आयोजनों का उल्लेख कर छत्तीसगढ़ की सांस्कृतिक शक्ति, जनजातीय परंपराओं और युवा प्रतिभाओं को राष्ट्रीय मंच प्रदान किया था।

उन्होंने कहा कि आज के कार्यक्रम में प्रधानमंत्री द्वारा कोरबा में जल संरक्षण और

भूजल पुनर्भरण की दिशा में किए जा रहे उत्कृष्ट कार्यों का उल्लेख किया गया। यह छत्तीसगढ़ के लिए एक और गौरवपूर्ण उपलब्धि है। प्रधानमंत्री द्वारा प्रदेश की उपलब्धियों का राष्ट्रीय मंच पर उल्लेख किए जाने से न केवल छत्तीसगढ़वासियों का उत्साह बढ़ता है, बल्कि राज्य के नवाचारों और जनभागीदारी आधारित विकास मॉडल को देशभर में नई पहचान भी मिलती है।

कोरबा के जल संरक्षण प्रयासों की प्रधानमंत्री ने की सराहना

मन की बात कार्यक्रम में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कैच द रेन अभियान के अंतर्गत देशभर में वर्षा जल संचयन, भूजल पुनर्भरण, पुराने जल स्रोतों के पुर्नजीवन और वृक्षारोपण के लिए किए जा रहे प्रयासों की चर्चा की। उन्होंने छत्तीसगढ़ के कोरबा में जल संरक्षण की दिशा में किए जा रहे कार्यों को उत्साहजनक बताते हुए उनकी सराहना की।

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि कोरबा में वैज्ञानिक पद्धति से जल संरक्षण और भूजल पुनर्भरण के लिए भू–स्थानिक मैपिंग, शैलो एक्विफ़र मैनेजमेंट, रिचार्ज वेल तथा अन्य आधुनिक तकनीकों का उपयोग किया जा रहा है। इन प्रयासों का उद्देश्य वर्षा जल को अधिकतम मात्रा में संरक्षित करना, भूजल स्तर में सुधार लाना और क्षेत्र में जल उपलब्धता को दीर्घकालिक रूप से सुनिश्चित करना है। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी ने कैच द रेन अभियान के माध्यम से बारिश की प्रत्येक बूंद को सहेजने का जो संदेश दिया है, वह वर्तमान और भविष्य दोनों की आवश्यकता है। जल केवल प्राकृतिक संसाधन नहीं, बल्कि मानव जीवन, कृषि, पर्यावरण और भावी पीढ़ियों के सुरक्षित भविष्य का आधार है।

जल संरक्षण को जनभागीदारी का व्यापक अभियान बनाएगी राज्य सरकार

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि राज्य सरकार प्रदेश में जल संरक्षण, वर्षा जल संचयन, भूजल पुनर्भरण, तालाबों और अन्य परंपरागत जल स्रोतों के संरक्षण तथा वृक्षारोपण की दिशा में निरंतर कार्य कर रही है। सरकार का प्रयास है कि जल संरक्षण के कार्य केवल सरकारी योजनाओं और विभागीय गतिविधियों तक सीमित न रहें, बल्कि प्रत्येक नागरिक की भागीदारी से एक व्यापक जन–अभियान का स्वरूप लें।

कारगिल विजय दिवस पर वीर शहीदों को श्रद्धांजलि

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी ने मन की बात की शुरुआत कारगिल विजय दिवस पर देश के वीर जवानों को श्रद्धापूर्वक नमन करते हुए की। कारगिल विजय दिवस भारतीय सेना के अदम्य साहस, अप्रतिम शौर्य, दृढ़ संकल्प और सर्वोच्च बलिदान का प्रतीक है। मुख्यमंत्री ने कहा कि कारगिल युद्ध में मातृभूमि की रक्षा के लिए अपने प्राणों का सर्वोच्च बलिदान देने वाले वीर जवानों की शौर्यगाथा सदैव देशवासियों को राष्ट्रसेवा के लिए प्रेरित करती रहेगी।

हर घर तिरंगा अभियान में उत्साह से सहभागिता की अपील

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी ने आगामी स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर हर घर तिरंगा अभियान को पूरे उत्साह और गौरव के साथ आगे बढ़ाने का आह्वान किया है। उन्होंने प्रदेशवासियों से अपील की कि वे अपने घरों और प्रतिष्ठानों पर पूरे सम्मान के साथ तिरंगा फहराएं तथा राष्ट्र की एकता, अखंडता और गौरव के इस उत्सव में सहभागी बनें।

स्थानीय उत्पादों व स्वदेशी परंपराओं को बढ़ावा देने का संदेश

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी ने कार्यक्रम में वोकल फॉर लोकल की भावना को मजबूत करने का संदेश दिया। मुख्यमंत्री ने कहा कि छत्तीसगढ़ के जनजातीय हस्तशिल्प, कोसा, हथकरघा वस्त्र, बेलमेटल, बांस शिल्प, माटी कला और वन उत्पादों में अपार संभावनाएं हैं। इन्हें अपनाना स्थानीय कारीगरों के श्रम और सृजनशीलता का सम्मान है।

मिट्टी की गणेश प्रतिमाएं अपनाने का आह्वान

मुख्यमंत्री श्री साय ने आगामी गणेशोत्सव के संदर्भ में प्रधानमंत्री मोदी द्वारा देश की मिट्टी से बनी गणेश प्रतिमाओं को अपनाने की अपील का उल्लेख करते हुए कहा कि पर्यावरण– अनुकूल उत्सव हमारी संस्कृति और प्रकृति के बीच संतुलन बनाए रखने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। उन्होंने कहा कि स्थानीय मिट्टी से निर्मित गणेश प्रतिमाओं की स्थापना से स्थानीय कुम्हारों और शिल्पकारों को रोजगार मिलता है, स्वदेशी उत्पादों को प्रोत्साहन मिलता है और जल स्रोतों को रासायनिक प्रदूषण से बचाने में सहायता मिलती है। मिट्टी से बनी प्रतिमाओं का उपयोग परंपरा, पर्यावरण और स्थानीय अर्थव्यवस्था – तीनों के हित में है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार पर्यावरण संरक्षण और हरित छत्तीसगढ़ के निर्माण के लिए वृक्षारोपण को जनभागीदारी के माध्यम से आगे बढ़ा रही है। उन्होंने प्रदेशवासियों से एक पेड़ माँ के नाम अभियान में सक्रिय सहभागिता करने का आह्वान किया। इस अवसर पर विधायक पुरंदर मिश्रा, छत्तीसगढ़ राज्य युवा आयोग के अध्यक्ष विश्व विजय सिंह तोमर, राज्य गौ सेवा आयोग के उपाध्यक्ष राजीव लोचन महाराज सहित बड़ी संख्या में युवा, जनप्रतिनिधि, आम नागरिक और गणमान्यजन उपस्थित थे।

कृति के साथ संतुलन और जल संरक्षण भविष्य की सुरक्षा के लिए आवश्यक–राज्यपाल

राज्यपाल ने पर्यावरण संरक्षण और आपदा प्रबंधन अभियान का किया शुभारंभ

नई दृष्टिबिंदु / रायपुर

राज्यपाल रमेन डेका ने कहा कि मनुष्य, पेड़–पौधों और पशु–पक्षियों के बीच संतुलन बनाए रखना पर्यावरण संरक्षण के लिए अत्यंत आवश्यक है। जलवायु परिवर्तन, बढ़ता तापमान, जल संकट और प्रदूषण आज गंभीर चुनौती बनते जा रहे हैं। आने वाले समय में छत्तीसगढ़ को भी जल संकट का सामना करना पड़ सकता है, इसलिए हमें अभी से जल संरक्षण के लिए प्रभावी प्रयास करने होंगे।

राज्यपाल श्री डेका ने प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्वविद्यालय द्वारा पर्यावरण संरक्षण एवं आपदा प्रबंधन के लिए आयोजित राष्ट्रीय अभियान का शुभारंभ करते हुए उक्त विचार व्यक्त किए। उन्होंने अभियान में शामिल ब्रह्माकुमारी बहनों एवं भाइयों को झंडी दिखाकर रवाना किया। यह

अभियान 26 जुलाई से 9 अगस्त 2026 तक रायपुर से जबलपुर की यात्रा करते हुए छत्तीसगढ़ एवं मध्य प्रदेश के विभिन्न क्षेत्रों में पर्यावरण संरक्षण और आपदा प्रबंधन के प्रति जन–जागरूकता का संदेश देगा। राज्यपाल ने कहा कि ब्रह्माकुमारीज संस्थान की यह पहल केवल एक यात्रा नहीं, बल्कि जन–जागृति का अभियान है। इसके माध्यम से बड़ी संख्या में लोगों को वृक्षारोपण, जल संरक्षण, प्लास्टिक मुक्त जीवनशैली और पर्यावरण के प्रति जिम्मेदार व्यवहार अपनाने के लिए प्रेरित किया जाएगा।

श्री डेका ने कहा कि प्रकृति हमारी मां के समान है और उसका संरक्षण करना हम सभी का दायित्व है। उन्होंने कहा कि छत्तीसगढ़ के निवासी सौभाग्यशाली हैं। यह प्राकृतिक संपदा से समृद्ध प्रदेश है। यहां के घने वन, जीवनदायिनी नदियां और समृद्ध जैव–विविधता हमारी अमूल्य धरोहर हैं। प्रदेश की जनजातीय संस्कृति भी सदियों से प्रकृति के साथ सामंजस्य और सह–अस्तित्व का संदेश देती आई है। बदलते समय में जलवायु परिवर्तन और पर्यावरणीय चुनौतियों से छत्तीसगढ़ भी अछूता नहीं है। इसलिए यहां की हरियाली और प्राकृतिक जल स्रोतों को संरक्षित करना आवश्यक है।

राज्यपाल ने जल संरक्षण पर विशेष जोर देते हुए कहा कि पानी की उपलब्धता भविष्य की एक बड़ी चुनौती है। जल का विवेकपूर्ण उपयोग करने के साथ वर्षा जल संचयन और परंपरागत जल स्रोतों के संरक्षण को प्राथमिकता देनी होगी। पर्यावरण प्रदूषण कम करने के लिए इको फ्रेंडली व्यवस्थाओं तथा नवीकरणीय ऊर्जा के उपयोग को भी बढ़ावा देना होगा। राज्यपाल ने माइक्रोप्लास्टिक के बढ़ते दुष्प्रभावों पर चिंता व्यक्त करते हुए कहा कि यह मानव स्वास्थ्य के लिए गंभीर चुनौती बन रहा है। माइक्रोप्लास्टिक का प्रभाव मां के दूध तक में दिखाई देना भविष्य की पीढ़ियों के स्वास्थ्य की दृष्टि से चिंताजनक है। उन्होंने सिंगल यूज प्लास्टिक का उपयोग कम करने और पर्यावरण संरक्षण के अभियान से समाज एवं समुदाय के प्रत्येक वर्ग को जोड़ने पर जोर दिया।

राज्यपाल श्री डेका ने कहा कि प्राकृतिक आपदाओं को पूरी तरह रोक पाना संभव नहीं है, लेकिन बेहतर तैयारी, जागरूकता और प्रभावी आपदा प्रबंधन से उनके प्रभाव को काफी हद तक कम किया जा सकता है। धरती का बढ़ता तापमान, अनियमित मौसम और प्राकृतिक आपदाओं की बढ़ती घटनाएं हमें प्रकृति के प्रति अपने व्यवहार पर पुनविर्चार करने का संकेत दे रही हैं। श्री डेका ने कहा कि यह अभियान विज्ञान और अध्यात्म के समन्वय का भी संदेश देता है। राजयोग के माध्यम से सकारात्मक विचार और प्रकृति के प्रति संवेदनशीलता विकसित होती है। भौतिक प्रगति के साथ नैतिक एवं आध्यात्मिक चेतना भी आवश्यक है।

राज्यपाल ने सभी नागरिकों से पानी की एक–एक बूंद बचाने, सिंगल यूज प्लास्टिक का त्याग करने और वृक्षारोपण को जन–आंदोलन बनाने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि प्रत्येक व्यक्ति कम से कम एक पौधा अवश्य लगाए और उसकी संतान की तरह देखभाल करे। आज पर्यावरण संरक्षण की दिशा में किया गया प्रत्येक छोटा प्रयास आने वाली पीढ़ियों के लिए सुरक्षित और खुशहाल भविष्य के निर्माण में महत्वपूर्ण योगदान देगा। इस अवसर पर ब्रह्माकुमारीज संस्थान के पदाधिकारी, ब्रह्माकुमारी बहनें एवं भाई तथा अभियान से जुड़े सदस्य उपस्थित थे।

न्यायालय अतिरिक्त तहसीलदार भिलाई नगर, तहसील व जिला दुर्ग

–:: ईश्तहार ::–

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि इस न्यायालय का रा.प्र.कं. .../3-6/वर्ष 2025-26 में आवेदिका/आवेदक – जसवीर सिंह आ. /ध.प. स्व. त्रिलोक सिंह निवासी अय्यपा नगर कोहका तह. दुर्ग व जिला दुर्ग द्वारा ग्राम – कोहका प.ह.न. 45. रा.नि.मं. कोहका व जिला दुर्ग स्थित भूमि स्वामी हक की भूमि खसरा नं. 2205/1 रकबा 0.0300 हे. है। जो भूमिस्वामी दलवीर कौर पति स्व. त्रिलोक सिंह के नाम पर दर्ज है। जिसमें भूमिस्वामी दलवीर कौर की मृत्यु दिनांक 02/07/2022 को फौत हो जाने के कारण मृतक का नाम खाते से विलोपित कर उसके वैध वारिसानो का नाम दर्ज किये जाने हेतु आवेदन पत्र प्रस्तुत किया गया है।

अतः उपरोक्त भूमि फौती नामांतरण किये जाने पर जिस किसी भी व्यक्ति को आपत्ति या उजर दावा हो तो सुनवाई तिथि दिनांक 14/08/2026 तक या उसके पूर्व स्वयं या अपने मान्य अधिवक्तागण के साथ उपस्थित होकर अपना आपत्ति प्रस्तुत कर सकते है। निर्धारित तिथि के बाद प्राप्त आवेदन पत्र पर कोई विचार नहीं किया जावेगा।

आज दिनांक 24/07/2026 को मेरे स्वयं के हस्ताक्षर एवं न्यायालय के मुहर से जारी किया गया है।

अतिरिक्त तहसीलदार
भिलाई नगर

संपादकीय

सरकार यही चाहती थी कि सब खुद ही एक्सपोज हों

नीट पेपर लीक को लेकर चौतरफा सरकार की आलोचना हो रही है कि सरकार ने इसे शुरू में गंभीरता से नहीं लिया। युवाओं के साथ बातचीत क्यों नहीं की। युवाओं की मांगों को गंभीरता से क्यों नहीं लिया गया। उनकी जो मांगें पूरी की जा सकती हैं,उसे पूरा करने में देरी क्यों की गई। पुलिस ने भीड़ को नियंत्रित करने के लिए लाठी चार्ज क्यों किया। जितने मुंह उतनी बातें सरकार के खिलाफ की जा रही है। यानी आंदोलन के उग्र व अनियंत्रित होने के लिए सरकार को दोषी ठहराया जा रहा है। कोई भी सरकार हो वह ठीक समय पर देशहित व जनहित व सरकार के हित में जो करना होता है,करती है ।मोदी सरकार ने भी यही किया है। उसने इंतजार किया कि आंदोलन कितना गंभीर है,वह चाहते क्या हैं,विपक्ष इसका राजनीतिक लाभ उठा सकता है या नहीं, शुरू में आंदोलन जब कमजोर था तो उसे सरकार ने ज्यादा महत्व नहीं दिया ।वांगचुक के अनशन से आंदोलन को देश में महत्व मिला, भीड़ जुटनी शुरू हुई। वांगचुक के अनशन के बाद भी विपक्ष जो आंदोलन से जुड़ने को तैयार न था, समर्थन देना शुरू किया। राहुल गांधी के अलग आंदोलन शुरू किया। आंदोलन को लेकर विपक्ष बंट गया तो इतने दिनों में सब सरकार के कुछ किए बिना जनता व देश के सामने एक्सपोज हो गए कि वह आंदोलन करके परीक्षा व्यवस्था में सुधार नहीं चाहते हैं, वह तो इसकी आड़ में संसद के बाहर व संसद के भीतर हंगामा करना चाहते है, अराजकता फैलाना चाहते हैं। देश में युवाओं के नाम पर नेपाल, बांग्लादेश, श्रीलंका जैसी स्थिति पैदा करना चाहते हैं।

मोदी सरकार को सीजेपी व वांगचुक की मांगों को जानने के बाद ही यह पता चल गया था कि इनकी कोई बड़ी मांग नहीं है, इनकी मांगें तो कभी भी पूरी की जा सकती है। यह तो सिर्फ यह चाहते हैं कि सरकार उनकी कुछ मांगे मान लें तो वह कह सके कि उनका आंदोलन सफल रहा ।कोर्ट के आदेश से सरकार को पहला मौका मिला सीजेपी व वांगचुक को अलग करने का और वह इसमें सफल रही। इससे दोनों के बीच समन्वय न रहा, सीजेपी कुछ मांग कर रही थी और वांगचुक कुछ और मांग कर रहे थे, सरकार ने मोर्चे को दो मोर्चे में बांटकर पहले आंदोलन को कमजोर किया। वह जानती थी कि वांगचुक का अनशन आंदोलन की बड़ी ताकत है और उसने वांगचुक से बात कर उनकी कुछ मांगों को मानकर उनका अनशन समाप्त कर आंदोलन की ताकत को कम कर दिया है। इसके बात सीजेपी के नेताओं से बातों का सिलसिला जारी है। वह एक मांग पर अड़े हैं कि शिक्षामंत्री का इस्तीफा होना चाहिए। सरकार भी इस मांग को जानबुझकर पूरा नहीं कर रही है और इसका परिणाम यह हुआ है कि अब विपक्ष का सारा जोर भी इसी बात पर है कि शिक्षामंत्री का इस्तीफा होना चाहिए यानी सरकार ने शिक्षामंत्री के इस्तीफे की मांग को दोनों की मांग बना दिया है।

सरकार यदि शुरू में ही सीजेपी,राहुल गांधी की शिक्षामंत्री के इस्तीफे की मांग को मान लेती तो वह नीट पेपर लीक,छात्रों पर लाठीचार्ज के नाम पर पीएम से इस्तीफे की मांग पर आ जाते। यानी विपक्ष तो ऐसी मांग ही करने वाला था कि पीएम मोदी जिसे पूरा न करे। मोदी सरकार ने शिक्षामंत्री का इस्तीफा न लेकर यह साफ कर दिया है कि वह सीजेपी व कांग्रेस की इस मांग को पूरा नही करने वाली हैं। इससे हुआ यह है कि अब सीजेपी व कांग्रेस दोनों की एक ही मांग हो गई है कि शिक्षा मंत्री का इस्तीफा होने पर आंदोलन खत्म होगा, विपक्ष संसद मे चर्चा में भाग लेगा। संसद को चलने देगा। सरकार यह मांग तो कभी भी पूरा कर सकती है। लेकिन वह इस आंदोलन को भीड़तंत्र की अराजकता में बदलने दे रही है ताकि वह जब यह कहे कि यह आंदोलन शिक्षा परीक्षा व्यवस्था में सुधार के लिए नहीं बल्कि पड़ोस के देशों की तरह देश में अराजकता फैलाना है, सरकार को अस्थिर करना है। देस में राजनीतिक अस्थिरता का दौर लाना है तो लोगों का भरोसा हो कि सरकार सच कह रही है और विपक्ष वाकई में देश में अराजकता फैलाना की इच्छा रखता है।

पीएम मोदी ने आंदोलन को लंबा खींचकर यह तो साबित कर दिया है कि आंदोलन करने वाले शिक्षा व परीक्षा व्यवस्था मे सुधार नहीं चाहते हैं। वह तो शिक्षामंत्री का इस्तीफा चाहते हैं ताकि यह साबित हो सके कि उनका आंदोलन सफल रहा। सीजेपी का लक्ष्य अपने आंदोलन को सफल बताना है। कांग्रेस का लक्ष्य शिक्षामंत्री का इस्तीफा कराकर सरकार को झुकाना है ।सरकार झुकती है तो राहुल गांधी को बहुत अच्छा लगता है कि चुनाव में न सही संसद में तो वह मोदी सरकार को बार बार हरा रही है ।सरकार कभी भी दोनों की एक मांग को पूरा कर गतिरोध को समाप्त कर सकती है लेकिन इससे पहले वह देश के युवाओं को बताना चाहती है कि शिक्षा व परीक्षा की प्रणाली में खामी है तो उसके लिए पहले कांग्रेस भी दोषी है, कांग्रेस सरकार चाहती तो इस प्रणाली को सुधार सकती थी लेकिन उसने नहीं सुधारा हम सुधारना चाहते हैं और इसी वजह से नया कानून मोदी सरकार ला रही है और पेपर लीक मामले में कडी सजा का प्रावधान करने जा रही है। यानी वह किसी दिन शिक्षामंत्री का इस्तीफा लेकर आंदोलन को समाप्त कर सकती है, संसद में गतिरोध का समाप्त कर सकती है और पेपर लीक रोकने नया कानून लाकर यह देश को बताना चाहती है कि शिक्षा हो परीक्षा व्यवस्था में सुधार मोदी सरकार ही कर सकती है और वह ऐसा करने जा रही है।

MY UNDERSTANDING OF THE PROTEST

संकेत महापात्रा

2004 में जन्में मेरे बेटे संकेत ने एक लेख लिखा है। अभी ही उसकी ग्रेजुएशन की पढ़ाई पूरी हुई है। शाम को मुझे उसने वाट्सएप किया... इससे पहले ना तो मेरी राय ली और ना ही उसने इसकी जरूरत महसूस की। यह अच्छा भी है। वह उस पीढ़ी का प्रतिनिधित्व कर रहा है जिस पीढ़ी के विचारों, प्रतिक्रियाओं और प्रदर्शन को लेकर पूरे देश में एक बहस चल रही है। मेरे मन में एक उहापोह रहा कि इस लेख को अखबार में स्थान दूं या नहीं? अंत में फैसला किया कि इसे जस का तस स्थान दिया जाना चाहिए। वजह बस इतनी कि उस पीढ़ी के लिखित विचार हैं जिसे आज समझने की दरकार है। उसने जो भी लिखा है उसमें अंतिम पैरा में कुछ संपादन किया है और विचारों को यथावत रखने की कोशिश है।

मुझे अच्छा लगा कि एक पत्रकार के तौर पर मैंने जिस तरह से खुद से लिखना सीखा है उसी तर्ज पर बेटा भी लिखने की कोशिश कर रहा है। उसके विचार कितने परिपक्वहैं, निरपेक्ष हैं, सही हैं या गलत... पाठक ही तय करें। बेटे को फेसबुक से दूर रहने की मेरी हिदायत शुरू से रही है इसलिए उसकी पोस्ट मेरी वॉल पर मैं दर्ज कर रहा हूं, बेटा संकेत इंस्टा में सक्रिय रहता है संभव है विचारों का स्त्रोत भी वही हो... संकेत की भाषा हिंग्लिश है उसे सुधारने की कोशिश नहीं की है।

आपकी प्रतिक्रियाओं का स्वागत है...

"आंदोलन-प्रदर्शन को लेकर मेरी समझ"

संकेत महापात्र। इस Protest की शुरुआत NEET Paper Leek के बाद हुई, जब यह खबर सामने आई कि NEET Exam का Paper फिर एक बार छीं' हो गया। इसको लेकर कुछ छात्रों और उनके माता-पिता ने नाराजगी जताई और एक छोटा-सा आंदोलन शुरू हुआ।

इससे कुछ समय पहले ही उखढ नामक एक व्यंग्यात्मक Instagram Page शुरू हुआ था, जो CJI द्वारा बेरोजगार युवाओं पर की गई टिप्पणी के बाद चर्चा में आया। कई युवा, छात्र और उनके माता-पिता इस बात से नाराज हुए कि एक ओर रोजगार के अवसर नहीं मिल रहे हैं और दूसरी ओर ऐसी टिप्पणियाँ की जा रही हैं, या फिर जो भी अन्य कारण रहे हों।

जब NEET Exam Paper Leek की बात सामने आई और छात्रों का आंदोलन कोई प्रभाव नहीं डाल पाया, तब उखढ ने प्रयास किया कि वे उन सभी छात्रों को न्याय दिलाएँ जिनके साथ गलत हुआ था और उन लोगों के खिलाफ आवाज उठाएँ जिन्होंने यह सब होने दिया। मुद्दा साफ था—Government Accountability की माँग की जाए। इसी दौरान भारत के एक बड़े Environmentalist और Scientist Sonam Wangchuk भी CJP के साथ जुड़े। वे Jantar Mantar पहुँचे और इस आंदोलन में शामिल हुए।

इसके बाद CJP का यह छात्रों के समर्थन में Protest कई अन्य राज्यों में भी हुआ। जब इतने प्रयासों के बाद भी Government की ओर से कोई जवाब नहीं आया, तब Sonam Wangchuk ने Hunger Strike पर बैठने का निर्णय लिया। उन्हें लगा कि ऐसा करने से छात्रों और उनके माता-पिता को भी अपने अधिकारों और अपने सवालों के जवाब माँगने का साहस मिलेगा। लगभग 14-15 दिनों तक भी Government की ओर से कोई हलचल नहीं हुई। इस बीच National Media ने CJP और Sonam Wangchuk को देशद्रोही, हिंदू-विरोधी और Foreign Funded तक कहा। National Media ने खुलकर Government का साथ दिया और हर संभव तरीके से इस आंदोलन को गलत साबित करने की कोशिश की।

लेकिन जब यह देखा गया कि Sonam Wangchuk की तबीयत बिगड़ने लगी है, तब उन्हें कथित रूप से चादर में लपेटकर वहाँ से उठा लिया गया। इस घटना ने लोगों के भीतर एक चिंगारी भर दी। लोगों के मन में यह प्रश्न उठा कि कोई Government ऐसा कैसे कर सकती है।

इसके बाद आता है 20 July 2026 का वह भयावह दिन। उस दिन की शुरुआत लोगों के Jantar Mantar पर इकट्ठा होने से हुई। कई Video Clips Viral थीं, जिनमें दावा किया गया कि रात में पत्थरों से भरा एक Truck और एक पहले से टूटी हुई गाड़ी 19 July की शाम से वहाँ मौजूद थे। दिल्ली जैसे शहर में Jantar Mantar जैसी जगह तक पत्थरों से भरा Truck पहुँचना आसान नहीं है। इससे यह आशंका पैदा हुई कि शायद यह पहले से योजना बनाकर किया गया था, ताकि यदि Police Lathi Charge करे तो अंदर खड़े आंदोलनकारी पत्थरबाजी करते दिखाई दें। अब हम फिर 20 July पर आते हैं। प्रदर्शन स्थल पर युवाओं की भीड़ जमा थी। किसी के हाथ में हथियार नहीं थे, लेकिन कुछ लोग जो सबसे अंत में अंदर आए थे, उन्होंने Mask पहन रखा था और कुछ के हाथों में डंडे और लाठियाँ थीं। वे Police के लोग थे, BJP के, RSS के या किसी अन्य संगठन के—इसकी पुष्टि नहीं की जा सकती। लेकिन सबसे पहले उन्हीं लोगों ने भीड़ के बीच रहकर भीड़ को अनियंत्रित करने की कोशिश की।

इसके बाद Police ने, बिना किसी बड़े टकराव के, Lathi Charge शुरू कर दिया। दूसरी ओर Abhijeet Dipke और अन्य उखढ कार्यकर्ता जो Truck पर मौजूद थे, उनसे Police अधिकारियों ने Microphone छीनकर तोड़ दिया और Driver को मारकर भगा दिया। इसके बाद Truck में मौजूद लोगों को भी डंडों से मारने की कोशिश की गई और वे वहीं अंदर फँस गए। इस बीच भीड़ में भगदड़ मच गई। लोग अपनी जान बचाने के लिए भागने लगे। लेकिन Police ने हर उम्र और हर लिंग के लोगों पर Lathi Charge किया। कई अधिकारियों की लाठियों में कीलें लगी होने की भी बात कही गई, जिससे किसी की जान भी जा सकती थी। Police और RAF ने लोगों को बेरहमी से पीटा, Tear Gas छोड़ी और Pellet Gun का भी उपयोग किया। इसी बीच Government ने एक और कदम उठाया। उन्होंने कथित रूप से उस क्षेत्र के Communication Connections बंद कर दिए, ताकि लोग एक-दूसरे से संपर्क न कर सकें।

वहीं दूसरी ओर National Television Media ने यह दिखाना शुरू कर दिया कि Police पर लोगों ने बिना वजह हमला किया है, भीड़ शांतिपूर्ण प्रदर्शन नहीं कर रही थी और वहाँ आतंकवादियों जैसी भीड़ मौजूद थी। शाम तक जब Jantar Mantar पर मौजूद लोग अपने घर पहुँचे, तब उन्होंने Police और RAF की कारवाई के Video Social Media पर डालना शुरू किए। इसके बाद पूरे देश में अधिकारियों और मंत्रियों के खिलाफ लोगों ने विरोध दर्ज कराया और सवाल उठाए।

हालाँकि कुछ लोगों को लगा कि जो हुआ वह सही था, लेकिन यह नहीं भूलना चाहिए कि Police सुरक्षा देने के लिए होती है, गुंडागर्दी कर किसी का सिर फोड़ने के लिए नहीं। अगर Police ऐसा करने में सफल है, तो यह भी Government की विफलता को दर्शाता है। फिर वही हुआ जिसका Government को डर था। भीड़ और बढ़ गई। देश के अलग-अलग राज्यों में बड़े स्तर पर प्रदर्शन हुए। Police ने कई लोगों को बिना स्पष्ट कारण Detain किया और कार्रवाई की। इसी दौरान Rahul Gandhi, Congress Party और अन्य विपक्षी दलों के नेता PM Residence की ओर प्रदर्शन करने पहुँचे। यहाँ भी Police और अधिकारियों पर कई सवाल उठते हैं कि उन्हें पहले से इसकी भनक कैसे नहीं लगी। लगभग आधे घंटे के प्रदर्शन के बाद उन सभी को भी Detain कर लिया गया।

आखिरकार लोगों के विरोध का प्रभाव इतना बढ़ा कि Government को जमीन पर उतरकर लोगों की बातें सुननी पड़ीं। 25 July 2026 को Government ने आंदोलनकारियों की सभी माँगें स्वीकार कर लीं और आंदोलन सफलतापूर्वक समाप्त हुआ। अब बात आती है कि मैंने इस आंदोलन से क्या सीखा।

क्या National TV Media भरोसेमंद है? नहीं। क्योंकि इसकी Coverage कहीं भी Neutral नहीं लगी। लगभग हर खबर Government के पक्ष में थी। उन्होंने यह भी स्थापित करने की कोशिश की कि Government के खिलाफ आवाज उठाने वाला हर व्यक्ति Anti-National है। मेरे अनुसार Media ने अपनी Credibility खो दी। National Media की सबसे बड़ी गलती क्या थी? National Media ने शुरुआत से ही एक धारणा बना ली थी। यह पत्रकारिता नहीं है। Media का काम होना चाहिए कि वह लोगों की बात Government तक और Government की बात लोगों तक पहुँचाए, न कि स्वयं कहानी गढ़कर उसे प्रस्तुत करे।

Media ने क्या सही किया?

देर से ही सही, लेकिन कुछ Media Channels ने Government से भी सवाल पूछने शुरू किए। सभी Channels ने ऐसा नहीं किया, लेकिन कुछ ने यह ज़िम्मेदारी निभाई।

Police की गलती कितनी बड़ी थी?

मेरे अनुसार बहुत बड़ी। उन्हें इसके लिए माफी माँगनी चाहिए। उन्हें Law and Order बनाए रखने के लिए वर्दी मिली है, गुंडागर्दी करने के लिए नहीं।

क्या यह एक CleÔn Protest था?

नहीं। यह Protest पूरी तरह Clean नहीं था। कुछ लोग इस मंच का उपयोग अपने स्वार्थ के लिए कर रहे थे। कुछ लोग वास्तव में देश-विरोधी भी हो सकते हैं और यदि उनकी पहचान हो तो Government को उन पर कार्रवाई करनी चाहिए। लेकिन किसी भी निर्दोष व्यक्ति को सजा नहीं मिलनी चाहिए। क्या CJP एक Clean Party है और क्या उसे चुनाव लड़ना चाहिए? मेरी जानकारी के अनुसार CJP अभी कोई Political Party नहीं है। मेरा मानना है कि इसे Political Party नहीं बनना चाहिए। इसे इसी तरह काम करना चाहिए ताकि लोगों का आंदोलनों और उनके परिणामों पर भरोसा बना रहे। इन्हें वह गलती नहीं करनी चाहिए जो Anna Hazare आंदोलन के बाद Arvind Kejriwal ने की।

क्या इस मुद्दे को Political Issue बनाना चाहिए?

नहीं। लेकिन यदि विपक्ष चाहे तो इस मुद्दे से जुड़े सवाल Government से पूछ सकता है और उसे जवाबदेह बना सकता है। क्या Government पूरी तरह CleÔn है? क्या Dharmendra Pradhan का इस्तीफा जायज है? इस पर मैं कोई अंतिम टिप्पणी नहीं कर सकता। लेकिन यदि आंदोलन के बाद Government को लगा कि 47 कर्मचारियों को बर्खास्त किया जाना चाहिए, जबकि इससे पहले ऐसा नहीं किया गया था, तो इससे Ministry पर सवाल उठते हैं। पिछले 4-5 वर्षों का इतिहास देखें तो केवल NEET ही नहीं, बल्कि कई अन्य Paper Leak की खबरें भी सामने आई हैं। इसलिए Government को Accountability लेनी चाहिए थी, लेकिन वह इसमें असफल रही। पद पर बने रहने की ज़िद ने लोगों में आक्रोश भर दिया।

क्या यह Protest केवल NEET Paper Leak के लिए था?

नहीं। इसकी शुरुआत NEET Paper Leak से हुई थी, लेकिन अंत तक यह Government के अन्य निर्णयों और नीतियों के प्रति लोगों की नाराजगी का माध्यम बन गया। Government की नीतियों से असंतुष्ट लोग इस आंदोलन का हिस्सा बने। उनकी सोच थी कि यदि आज साथ नहीं खड़े हुए तो शायद बदलाव कभी नहीं आएगा। बदलाव छोटा हो, लेकिन होना चाहिए।

Social Media ने कितनी सहायता की?

Social Media ने इस पूरे आंदोलन में बहुत बड़ी भूमिका निभाई। जब National Media ने साथ छोड़ दिया, तब Social Media ने लोगों तक दूसरी तरफ की बातें पहुँचाई।

क्या एक इस्तीफे से सब ठीक हो जाएगा?

नहीं। इसकी संभावना कम है। लेकिन इससे भविष्य में किसी भी पद पर बैठे व्यक्ति को यह डर रहेगा कि यदि उससे गलती हुई तो जनता सवाल पूछेगी।

क्या सवाल पूछना गलत है?

नहीं। किसी भी लोकतंत्र में सवाल पूछना और उनका जवाब देना सबसे महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। देशहित में सवाल पूछना बेहद आवश्यक है।

क्या CJP पूरी तरह Clean है?

मैं यह नहीं कह सकता। लेकिन यदि उनके कार्यों को देखा जाए तो वे मानसिक रूप से मजबूत दिखाई देते हैं।

क्या Gen Z हर मायने में सही है?

नहीं। इस Generation को अभी अपनी समझ और स्पष्ट करनी होगी। यह बहुत जल्दी किसी को सही और किसी को गलत घोषित कर देती है। मैं स्वयं भी इसी Generation से हूँ। मुझे लगता है कि इस Generation की भाषा और कुछ आदतें दोनों सुधरने की आवश्यकता है। इन्हें कई बार हर वह चीज Cool लगती है जो वास्तव में गलत होती है। हालाँकि यह बात हर व्यक्ति पर लागू नहीं होती। इस Generation को अपने बड़ों से सीखना चाहिए कि ज़िम्मेदारियाँ कैसे निभाई जाती हैं।

क्या Gen Z गलत है?

पूरी तरह नहीं, लेकिन कई मायनों में सुधार की आवश्यकता है। क्या युवाओं को वही Political Party Support करनी चाहिए जिसे उनके माता-पिता करते हैं? नहीं। युवाओं की अपनी सोच और समझ होनी चाहिए। उन्हें सवाल पूछना आना चाहिए और जवाब देना भी। जवाब देने का मतलब किसी पर कीचड़ उछालना नहीं, बल्कि तर्क और शालीनता के साथ अपनी बात रखना है। माता-पिता से भी मेरा अनुरोध है कि अपनी राजनीतिक विचारधारा अपने बच्चों पर न थोपें। यदि ऐसा होगा तो वे कभी यह समझ ही नहीं पाएँगे कि राजनीति में सही क्या है और गलत क्या।

क्या मैं जो लिख रहा हूँ वह पूरी तरह Unbiased है?

पूरी तरह नहीं। क्योंकि यह लिखते समय मेरी सहानुभूति उन लोगों के साथ है जिन्हें Police ने बुरी तरह मारा। इसलिए संभव है कि मेरी सोच थोड़ा-सा एक ओर झुकी हुई हो। लेकिन मैंने पूरी कोशिश की है कि मैं अपनी बात अधिकतम Neutral होकर रखूँ।

मैंने यह सब लिखने के बारे में क्यों सोचा?

मैंने यह इसलिए लिखा क्योंकि मैं कई लोगों की Posts, Stories और Reels देख रहा था। मुझे लगा कि लोग केवल एक पक्ष की कहानी सुनकर अपनी प्रतिक्रिया दे रहे हैं। मैं एक टीएसे जुड़े परिवार से आता हूँ, इसलिए मुझे लगा कि कम-से-कम मैं दोनों पक्षों की बात रखने की कोशिश करूँ।

क्या Government ने सही किया?

Modi जी ने रात 12 बजे अपनी एक Reel डालकर युवाओं से जुड़ने की कोशिश की, जो एक अच्छी पहल हो सकती है। लेकिन उसी Video से कई लोग नाराज भी हुए। मेरी नजर में उनकी नाराजगी भी अपनी जगह जायज है।

क्या किसी को भी Politically Biased होना चाहिए?

नहीं। यदि हम पूरी तरह Biased हो जाएँगे तो Government से सवाल कौन पूछेगा और जवाब कौन सुनेगा? यदि आप लोकतंत्र को मजबूत रखना चाहते हैं तो पहले स्वयं को सुधारिए। किसी के लिए आँख बंद करके Pro या Anti मत बनिए। यदि आप ऐसा करते हैं तो Governments और Political Parties आपको आसानी से इस्तेमाल कर सकती हैं।

मेरी Government और TV Media से एक गुजारिश

मेरा सरकार से अनुरोध है कि Two-Way Communication हमेशा जारी रखें। लोगों से संवाद कभी बंद न करें और न ही उसे बंद करने की कोशिश करें। और मेन स्ट्रीम मीडिया से मेरा अनुरोध है कि आप जितने सरकार के हैं, उससे कहीं ज्यादा जनता के लिए जवाबदेह हैं। एंकर अपने AC वाले केबिन और गाड़ियों से बाहर निकलकर किसी भी खबर की वास्तविकता देखिए, उसके बाद उसे दिखाइए। यदि आप सरकार की अच्छाइयाँ दिखाते हैं तो उससे सवाल पूछने और उसकी आलोचना करने से भी मत डरिए। ध्यान रखना होगा कि सरकार देश और जनता के लिए है। उनकी ही जवाबदेही होगी इसमें हम सरकार के प्रति जवाबदेह नहीं हैं।

(लेखक प्रदेश के वरिष्ठ पत्रकार सुरेश महापात्रा के सुपुत्र हैं)

इस्तीफे से आगे... क्या अब व्यवस्था बदलेगी?

जंतर मंतर से उठे प्रश्न, युवाशक्ति का आक्रोश और भारत के भविष्य पर एक निष्पक्ष चिंतन

आचार्य डॉ. अजय आर्य, लेखक, गैर राजनीतिक विचारक एवं सामाजिक कार्यकर्ता

दिल्ली का जंतर मंतर एक बार फिर भारतीय लोकतंत्र की धड़कनों का केंद्र बन गया। हजारों विद्यार्थियों की आँखों में भविष्य की चिंता थी, अभिभावकों के मन में आशंका थी, समाचार माध्यमों पर लगातार बहसें थीं और सोशल मीडिया पर करोड़ों प्रतिक्रियाएँ सामने आ रही थीं। देश का प्रत्येक जागरूक नागरिक एक ही प्रश्न पूछ रहा था—क्या भारत की प्रतियोगी परीक्षाएँ पूरी तरह निष्पक्ष हैं? यह प्रश्न केवल नीट परीक्षा तक सीमित नहीं था। यह उन करोड़ों युवाओं के विश्वास का प्रश्न था जो वर्षों तक दिन रात परिश्रम करके अपनी योग्यता सिद्ध करना चाहते हैं।

घटनाक्रम तेजी से आगे बढ़ा। सरकार ने जांच की घोषणा की, दोषियों के विरुद्ध कार्रवाई का आश्वासन दिया, पुनः परीक्षा आयोजित कराई और भविष्य में कंप्यूटर आधारित परीक्षा प्रणाली लागू करने का निर्णय भी सामने आया। इसके बाद केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने नैतिक उत्तरदायित्व स्वीकार करते हुए अपना त्यागपत्र सौंप दिया। लोकतंत्र में यह एक महत्वपूर्ण घटना थी। किंतु त्यागपत्र के बाद भी देश के सामने सबसे बड़ा प्रश्न वहीं खड़ा रहा—क्या केवल एक इस्तीफा पर्याप्त है? क्या इससे व्यवस्था पर लगा प्रश्नचिह्न समाप्त हो जाएगा? क्या करोड़ों युवाओं का विश्वास उसी सहजता से लौट आएगा जैसा पहले था? इसी प्रश्न ने मुझे यह लेख लिखने के लिए प्रेरित किया।

मैं न तो किसी राजनीतिक दल का प्रवक्ता हूँ और न किसी आंदोलन का समर्थक या विरोधी। पिछले चार दशकों से शिक्षा, समाज और युवाओं के बीच कार्य करते हुए मैंने इतना अवश्य अनुभव किया है कि जब कोई विद्यार्थी अन्याय की बात करता है तो उसके पीछे केवल राजनीति नहीं होती, उसके पीछे वर्षों की मेहनत, परिवार का त्याग और भविष्य का सपना होता है। दूसरी ओर शासन चलाना भी केवल भावनाओं से संभव नहीं होता। सरकार को कानून, प्रशासन, न्याय, सुरक्षा और व्यापक राष्ट्रीय हितों के बीच संतुलन बनाना पड़ता है। इसलिए इस पूरे घटनाक्रम को केवल सरकार और आंदोलन के बीच संघर्ष मान लेना वास्तविकता का अत्यधिक सरलीकरण होगा।

भारतीय संस्कृति हमें सिखाती है कि प्रत्येक संकट आत्ममंथन का अवसर होता है। महाभारत के युद्ध से पहले अर्जुन ने अपना गांडीव रख दिया था। उनके सामने भी प्रश्न था, भ्रम था और पीड़ा थी। श्रीकृष्ण ने उन्हें केवल युद्ध करने का आदेश नहीं दिया, बल्कि पहले दृष्टि दी। उन्होंने कहा कि निर्णय क्रोध से नहीं, धर्म और विवेक से लिए जाते हैं। आज भारत भी शायद उसी मोड़ पर खड़ा है। हमारे सामने भी प्रश्न हैं, भावनाएँ हैं, आक्रोश है और अपेक्षाएँ हैं। ऐसे समय में आवश्यकता किसी एक पक्ष की विजय की नहीं, बल्कि सत्य की विजय की है।

मैं जब समाज के विभिन्न वर्गों के लोगों से मिलता हूँ तो अनेक प्रकार की प्रतिक्रियाएँ सुनने को मिलती हैं। कुछ युवाओं का कहना है कि यदि वे सड़क पर नहीं आते तो उनकी आवाज कोई नहीं सुनता। कुछ अभिभावकों का मानना है कि वर्षों की मेहनत के बाद यदि परीक्षा की निष्पक्षता पर प्रश्न उठे तो आक्रोश स्वाभाविक है। वहीं अनेक नागरिक यह भी कहते हैं कि सरकार ने जांच, पुनपरीक्षा और सुधारात्मक कदम उठाकर अपनी जिम्मेदारी निभाने का प्रयास किया है। इन विविध मतों के बीच एक बात समान दिखाई देती है—देश का सामान्य नागरिक व्यवस्था को अधिक पारदर्शी, उत्तरदायी और विश्वसनीय देखना चाहता है।

लोकतंत्र की सुंदरता भी यही है कि उसमें प्रश्न पूछने का अधिकार सुरक्षित रहता है। महर्षि दयानन्द सरस्वती ने कहा था—"सत्य को स्वीकार करो और असत्य का त्याग करो।" यही सिद्धांत नागरिक और शासन दोनों पर समान रूप से लागू होता है। सरकार यदि अच्छा कार्य करे तो उसका स्वागत होना चाहिए। यदि कहीं कमी रह जाए तो सुधार की अपेक्षा भी उतनी ही स्पष्टता से व्यक्त होनी चाहिए। अंध समर्थन और अंध विरोध दोनों लोकतंत्र के शत्रु हैं।

इस पूरे घटनाक्रम का एक और महत्वपूर्ण पक्ष है—युवाशक्ति और सोशल मीडिया की अभूतपूर्व भूमिका। आज का युवा केवल विश्वविद्यालय के परिसर तक सीमित नहीं है। उसके हाथ में मोबाइल है, उसके पास डिजिटल मंच है और उसकी आवाज कुछ ही मिनटों में पूरे देश तक पहुँच जाती है। यह लोकतंत्र की नई शक्ति है। लेकिन हर शक्ति के साथ उत्तरदायित्व भी जुड़ा होता है। सोशल मीडिया ने अनेक सकारात्मक परिवर्तन किए हैं, परंतु उसने अफवाहों, आधी अधूरी सूचनाओं और भावनात्मक ध्रुवीकरण को भी बढ़ाया है। इसलिए आज डिजिटल साक्षरता भी उतनी ही आवश्यक है जितनी शैक्षणिक साक्षरता।

जंतर मंतर का आंदोलन केवल एक धरना नहीं था; वह युवाओं की मनःस्थिति का प्रतीक बन गया। वहाँ वास्तविक पीड़ा भी थी, भावनाएँ भी थीं, सामाजिक संगठनों की उपस्थिति भी थी और राजनीतिक दलों की सक्रियता भी। लोकतंत्र में ऐसा होना अस्वाभाविक नहीं है। किसी भी बड़े जनआंदोलन के आसपास विभिन्न विचारधाराएँ सक्रिय हो जाती हैं। किंतु प्रत्येक जागरूक नागरिक का दायित्व है कि वह किसी भी आंदोलन का मूल्यांकन उसके मूल उद्देश्य के आधार पर करे, न कि केवल उसके मंच पर उपस्थित चेहरों के आधार पर।

मुझे यह स्वीकार करने में कोई संकोच नहीं कि इस पूरे घटनाक्रम ने सरकार के सामने एक गंभीर चुनौती भी खड़ी की है। जनविश्वास लोकतंत्र की सबसे बड़ी पूंजी होता है। यदि युवाओं का एक बड़ा वर्ग व्यवस्था पर प्रश्न उठाता है, तो सरकार को केवल प्रशासनिक निर्णय नहीं, बल्कि विश्वास निर्माण की प्रक्रिया भी अपनानी पड़ती है। यही सुशासन की कसौटी है। चाणक्य ने लिखा था—"प्रजा के विश्वास से बड़ा कोई राजकोष नहीं होता।" यदि यह विश्वास मजबूत है तो शासन भी मजबूत है; यदि यह डगमगा जाए तो सबसे पहले उसे ही पुनर्स्थापित करना शासन का धर्म बन जाता है।

साथ ही यह भी उतना ही सत्य है कि भारत में परीक्षा संबंधी विवाद किसी एक सरकार तक सीमित नहीं रहे। अलग अलग राज्यों और विभिन्न राजनीतिक दलों के शासनकाल में भी प्रश्नपत्र लीक, भर्ती घोटाले और परीक्षा माफिया की घटनाएँ सामने आती रही हैं। इसलिए यदि हम केवल किसी एक व्यक्ति को दोषी ठहराकर संतुष्ट हो जाएँ, तो समस्या का समाधान नहीं होगा। आवश्यकता उस व्यवस्था को बदलने की है जिसने वर्षों से ऐसे तत्वों को पनपने का अवसर दिया।

यही वह क्षण है जहाँ राष्ट्र को राजनीति से ऊपर उठकर विचार करना होगा। प्रश्न यह नहीं कि कौन जीता और कौन हारा। प्रश्न यह है कि क्या भविष्य का विद्यार्थी निश्चिंत होकर परीक्षा दे सकेगा? क्या माता पिता अपने बच्चों से यह कह पाएँगे कि मेहनत करो, व्यवस्था तुम्हारे साथ न्याय करेगी? क्या ईमानदार परिश्रम को किसी भी प्रकार के माफिया या भ्रष्ट नेटवर्क से कभी चुनौती नहीं मिलेगी?

भारत का भविष्य इन प्रश्नों के उत्तर में छिपा है।

इतिहास केवल यह नहीं लिखेगा कि किसी मंत्री ने त्यागपत्र दिया या किसी आंदोलन में कितनी भीड़ जुटी। इतिहास यह भी लिखेगा कि उस समय भारत ने अपने युवाओं के भविष्य के लिए कौन-सा निर्णय लिया। क्या हमने केवल व्यक्तियों को बदला या व्यवस्था को भी बदलने का साहस दिखाया?

आज भारत विश्व की सबसे युवा आबादी वाला राष्ट्र है। यही युवा कल के वैज्ञानिक, चिकित्सक, शिक्षक, सैनिक, न्यायाधीश, प्रशासक और राष्ट्रनायक बनने वाले हैं। यदि उनकी मेहनत पर से विश्वास उठ गया, तो किसी भी विकसित भारत का स्वप्न अधूरा रह जाएगा। इसलिए यह विषय किसी सरकार, किसी विपक्ष, किसी संगठन या किसी आंदोलन से कहीं बड़ा है। यह भारत के भविष्य का प्रश्न है।

सरकार के लिए यह समय आत्ममंथन का है। पारदर्शिता, उत्तरदायित्व और त्वरित निर्णय ही जनविश्वास को पुनः स्थापित कर सकते हैं। कठोर कानून बनाना पर्याप्त नहीं होगा; उन्हें निष्पक्षता से लागू करना भी उतना ही आवश्यक है। परीक्षा माफिया, भ्रष्ट नेटवर्क और शिक्षा के नाम पर चल रहे अनैतिक व्यापार पर निर्णायक प्रहार करना समय की मांग है। यदि सरकार इस अवसर को शिक्षा सुधार के व्यापक अभियान में बदल देती है, तो यही संकट उसकी सबसे बड़ी उपलब्धि भी बन सकता है।

आंदोलन कर रहे युवाओं के लिए भी यह समय आत्मचिंतन का है। लोकतंत्र में प्रश्न पूछना अधिकार है, किंतु उत्तरदायित्व भी उतना ही बड़ा कर्तव्य है। किसी भी आंदोलन की सबसे बड़ी शक्ति उसकी नैतिकता होती है। हिंसा, कटुता, असत्य, अफवाह और अराजकता किसी भी न्यायपूर्ण आंदोलन की विश्वसनीयता को कमजोर कर देते हैं। भारत की लोकतांत्रिक परंपरा असहमति का सम्मान करती है, किंतु अनुशासन और मर्यादा को भी उतना ही महत्व देती है।

मुझे विश्वास है कि भारत का युवा केवल विरोध करना नहीं जानता, बल्कि निर्माण करना भी जानता है। वह केवल व्यवस्था से प्रश्न नहीं पूछ सकता, बल्कि स्वयं भी एक बेहतर व्यवस्था का निर्माता बन सकता है। यही भारतीय संस्कृति का संदेश है। महाभारत का अर्जुन, रामायण के श्रीराम, चाणक्य की नीति, महर्षि दयानन्द का सत्य, स्वामी विवेकानन्द का आत्मविश्वास, महात्मा गांधी का नैतिक साहस और डॉ. भीमराव आंबेडकर का संवैधानिक दृष्टिकोण—ये सभी हमें एक ही दिशा में ले जाते हैं—राष्ट्र पहले, व्यक्ति बाद में; व्यवस्था पहले, सत्ता बाद में; सत्य पहले, स्वार्थ बाद में।

भारत को केवल सफल परीक्षार्थी नहीं चाहिए, बल्कि ईमानदार नागरिक चाहिए। केवल डिग्रीधारी युवा नहीं, बल्कि चरित्रवान युवा चाहिए। केवल सत्ता परिवर्तन नहीं, बल्कि व्यवस्था परिवर्तन चाहिए। केवल नारों का शोर नहीं, बल्कि समाधान का संवाद चाहिए।

ऋग्वेद का मंत्र आज पहले से अधिक प्रासंगिक है—

"आ नो भद्राः क्रतवो यन्तु विश्वतः।"

अर्थात् हमारे पास सभी दिशाओं से कल्याणकारी विचार आएँ।

यदि सरकार जनविश्वास को सर्वोच्च प्राथमिकता दे, यदि युवा राष्ट्रहित को अपने आंदोलन का आधार बनाएँ, यदि समाज सत्य और विवेक के साथ खड़ा रहे, तो यह संकट भारत की शिक्षा व्यवस्था के इतिहास में एक नए युग का प्रारंभ सिद्ध हो सकता है। इस्तीफे इतिहास के पन्नों में दर्ज होते हैं, लेकिन व्यवस्था परिवर्तन आने वाली पीढ़ियों का भविष्य लिखता है।

दुर्ग में शांति देवी वोरा की श्रद्धांजलि सभा में जनप्रतिनिधियों ने किया भावपूर्ण पुण्य स्मरण

प्रदेशभर से आए विभिन्न राजनीतिक दलों के नेताओं, सामाजिक, धार्मिक, व्यापारिक व औद्योगिक संगठनों के प्रतिनिधियों और सर्वसमाज के लोगों ने दिवंगत पुण्यात्मा को श्रद्धासुमन अर्पित किए

नई दृष्टिबिंदु / दुर्ग

कांग्रेस के वरिष्ठ नेता, अविभाजित मध्यप्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री, उत्तर प्रदेश के पूर्व राज्यपाल एवं पूर्व केंद्रीय मंत्री मोतीलाल वोरा जी की धर्मपत्नी तथा पूर्व विधायक अरुण वोरा की पूजनीय माताश्री, सादगी, सेवा और सरलता की प्रतिमूर्ति शांति देवी वोरा जी की श्रद्धांजलि सभा शनिवार को श्री राधाकृष्ण मंदिर प्रांगण, महेश कॉलोनी, दुर्ग में आयोजित हुई।

श्रीमती शांति देवी वोरा जी की श्रद्धांजलि सभा (तेरहवीं) में शनिवार को दुर्ग स्थित श्री राधा-कृष्ण मंदिर परिसर श्रद्धा, सम्मान और भावनाओं का साक्षी बना। प्रदेशभर से आए जनप्रतिनिधियों, विभिन्न राजनीतिक दलों के नेताओं, सामाजिक, धार्मिक, व्यापारिक एवं औद्योगिक संगठनों के प्रतिनिधियों तथा सर्वसमाज के हजारों लोगों ने उपस्थित होकर दिवंगत पुण्यात्मा को अपनी विनम्र श्रद्धांजलि अर्पित की और वोरा परिवार के प्रति अपनी संवेदनाएँ व्यक्त कीं।

श्रद्धांजलि सभा में केवल कांग्रेस परिवार ही नहीं, बल्कि भारतीय जनता पार्टी सहित विभिन्न राजनीतिक दलों के वरिष्ठ नेताओं की गरिमामयी उपस्थिति ने यह संदेश दिया कि स्वर्गीय श्री मोतीलाल वोरा जी एवं पूजनीय श्रीमती शांति देवी वोरा जी का व्यक्तित्व राजनीति की सीमाओं से कहीं ऊपर था। उनका स्नेह, आत्मीयता, सरलता और सेवा का भाव प्रत्येक वर्ग, प्रत्येक विचारधारा और प्रत्येक समाज के लोगों के हृदय में समान रूप से बसता था।

सभा में उमड़ी अभूतपूर्व भीड़ इस बात का सजीव प्रमाण रही कि स्वर्गीय मोतीलाल वोरा जी और पूजनीय श्रीमती शांति देवी वोरा जी ने अपने जीवन में अनगिनत लोगों के जीवन को स्पर्श किया, उन्हें प्रेरित किया, उनका मार्गदर्शन किया और कठिन समय में सदैव उनके साथ खड़े रहे। यही कारण रहा कि श्रद्धांजलि अर्पित करने पहुँचे लोगों की आँखें नम थीं और हर व्यक्ति के मन में उनके प्रति गहरा सम्मान एवं आत्मीय लगाव स्पष्ट रूप से दिखाई दे रहा था।

विभिन्न समाजों, धार्मिक संस्थाओं, जनप्रतिनिधियों, सामाजिक संगठनों, व्यापारिक एवं औद्योगिक जगत के प्रतिनिधियों तथा आम नागरिकों ने एक स्वर में कहा कि वोरा दम्पति ने जीवनभर मानवीय मूल्यों, सेवा, सादगी और सौहार्द की जो विरासत स्थापित की, वह आने वाली पीढ़ियों के लिए सदैव प्रेरणास्रोत बनी रहेगी। श्रद्धांजलि सभा में छत्तीसगढ़ विधानसभा अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह, छत्तीसगढ़ विधानसभा के पूर्व अध्यक्ष गौरीशंकर अग्रवाल,पूर्व गृह मंत्री ताम्रध्वज साहू,पूर्व मंत्री प्रेमप्रकाश पांडेय,पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल, प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष दीपक बैज, स्कूल शिक्षा मंत्री गजेंद्र यादव, सांसद विजय बघेल, प्रदेश कांग्रेस कमेटी के पूर्व अध्यक्ष मोहन मरकाम एवं धनेन्द्र साहू,विधायक रिकेश सेन, राकेश पांडेय, सरोज पांडेय, अमित जोगी, विधायक ललित चंद्राकर, पूर्व मंत्री रविन्द्र चौबे, प्रदीप चौबे, विधायक अनिला भेंड़िया, कुलदीप जुनेजा, वरिष्ठ कांग्रेस नेता शैलेश नितिन त्रिवेदी, विधायक प्रताप भानु शर्मा, धर्मेंद्र यादव, विनोद सेवनलाल चंद्राकर, गिरवर जंघेल,अहिवारा विधायक दोमनलाल कोरसेवाड़ा, विधायक संदीप साहू, अनुज शर्मा, सरोज पांडेय,अमित जोगी, विधायक ललित चंद्राकर, विधायक अनिला भेंड़िया, कुलदीप जुनेजा, विधायक प्रताप भानु शर्मा, पूर्व मंत्री रविन्द्र चौबे, प्रदीप चौबे, पूर्व विधायक विनोद सेवनलाल चंद्राकर, पूर्व विधायक गिरवर जंघेल, पूर्व विधायक प्रतिमा चंद्राकर, पूर्व विधायक छन्नी साहू (खुज्जी), पूर्व विधायक मोतीलाल देवांगन, वरिष्ठ कांग्रेस नेता शैलेश नितिन त्रिवेदी, पूर्व महापौर चंद्रिका चंद्राकर, दुर्ग महापौर अल्का बाघमार, रिसाली महापौर शशि सिन्हा, दया सिंह, इंदरजीत सिंह छोटू, कुँवर निषाद, , छाया वर्मा, गुरमुख सिंह होरा, बदरुद्दीन कुरैशी, सुरेन्द्र कौशिक, कलेक्टर अभिजीत सिंह, अपर कलेक्टर हसरत मिर्जा, तहसीलदार गुप्ता आशीष छाबड़ा सहित प्रदेश कांग्रेस कमेटी के पदाधिकारी, कांग्रेस के वरिष्ठ नेता, भारतीय जनता पार्टी के पदाधिकारी, वर्तमान एवं पूर्व विधायक, जनप्रतिनिधि, विभिन्न राजनीतिक दलों के प्रतिनिधि, दुर्ग, भिलाई, रायपुर, राजनांदगांव, बालोद, बेमेतरा, साजा सहित प्रदेश के विभिन्न जिलों से आए जनप्रतिनिधि उपस्थित थे।

खास खबर

बिलासपुर की एंजेल चौकसे ने जीता 'Mrs. India International Queen Alluring 2026' का खिताब

नई दृष्टिबिंदु / बिलासपुर

42 की उम्र में 91 प्रतिभागियों को पछाड़कर रचा इतिहास

छत्तीसगढ़ की बेटी एंजेल चौकसे ने राष्ट्रीय ही नहीं, अंतरराष्ट्रीय मंच पर भी प्रदेश का नाम रोशन किया है। दिल्ली में आयोजित प्रतिष्ठित 'Mrs. India International Queen 2026' प्रतियोगिता में 91 प्रतिभागियों को पीछे छोड़कर उन्होंने 'Mrs. India International Queen Alluring 2026' का ताज अपने नाम किया।

होटल लीला इंटरनेशनल, दिल्ली में पांच दिनों तक चली इस अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिता में भारत के अलावा सिंगापुर, ऑस्ट्रेलिया, दुबई, कतर, अमेरिका और लंदन से आई प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया। कड़े मुकाबले के बीच एंजेल ने अपनी प्रतिभा, आत्मविश्वास और व्यक्तित्व से निर्णायकों को प्रभावित कर यह प्रतिष्ठित खिताब हासिल किया।

एक साल की मेहनत रंग लाई : एंजेल ने बताया कि इस मुकाम तक पहुंचने का सफर आसान नहीं था। प्रतियोगिता से पहले उन्होंने करीब एक साल तक अनुशासित दिनचर्या अपनाई। नियमित व्यायाम, प्रोटीन डाइट, कैटवॉक, ग्रूमिंग, पब्लिक स्पीकिंग और पर्सनैलिटी डेवलपमेंट पर लगातार मेहनत की। उन्होंने कहा, "महिलाओं को अपने सपनों को पूरा करने के लिए कई गुना अधिक संघर्ष करना पड़ता है, लेकिन दृढ़ इच्छाशक्ति और परिवार का साथ हर चुनौती को आसान बना देता है।" कॉलेज के दिनों से ही एंजेल की रुचि फैशन और व्यक्तित्व विकास में रही है। होम साइंस की छात्रा रहते हुए उन्होंने 'Miss Home Science' का खिताब भी जीता था। विवाह और पारिवारिक जिम्मेदारियों के कारण उनका सपना बीच में रुक गया था, लेकिन पति रितेश चौकसे और परिवार के सहयोग से उन्होंने फिर से उड़ान भरी।

पांच दिन चली कठिन प्रतिस्पर्धा : प्रतियोगिता में प्रतिभागियों को रोज सुबह छह बजे से रात 11 बजे तक कैटवॉक, टैलेंट राउंड, इंट्रोडक्शन, प्रश्नोत्तर, ग्रूमिंग और पर्सनैलिटी असेसमेंट जैसे राउंड से गुजरना पड़ा। सभी चरणों में शानदार प्रदर्शन कर एंजेल ने फाइनल में जगह बनाई और अंततः 'Alluring 2026' का खिताब जीता। 42 वर्ष की उम्र में इस स्तर की प्रतियोगिता में जीत दर्ज कर उन्होंने नई मिसाल पेश की। एंजेल ने कहा कि इस मंच ने उन्हें केवल ताज ही नहीं दिया, बल्कि विभिन्न देशों की प्रतिभागियों से सीखने और उनकी संस्कृति को समझने का अवसर भी मिला।

सफलता का श्रेय परिवार को : एंजेल ने अपनी उपलब्धि का श्रेय पति रितेश चौकसे, बेटी विनस चौकसे, माता-पिता, सास-ससुर और संयुक्त परिवार को दिया। उन्होंने कहा कि परिवार के विश्वास और सहयोग के बिना यह संभव नहीं था। उन्होंने बिलासपुर और छत्तीसगढ़ की महिलाओं को संदेश देते हुए कहा कि "सपनों की कोई उम्र नहीं होती। जुनून, मेहनत और आत्मविश्वास हो तो जीवन के किसी भी पड़ाव पर सपने साकार किए जा सकते हैं।" एंजेल ने अपनी इस उपलब्धि को पूरे बिलासपुर और छत्तीसगढ़ की जनता को समर्पित किया।

---

23 दिन बाद अतिथि शिक्षकों की हड़ताल हुआ स्थगित, 5 सितंबर तक सरकार को दिया समय

मांगें पूरी नहीं होने पर उग्र आंदोलन की दी चेतावनी

नई दृष्टिबिंदु / दुर्ग

संविलियन, समान कार्य समान वेतन, सेवा सुरक्षा सहित अन्य मांगों को लेकर पिछले 23 दिनों से आंदोलनरत प्रदेशभर के अतिथि शिक्षकों ने शुक्रवार को अपनी हड़ताल 5 सितंबर (शिक्षक दिवस) तक स्थगित करने की घोषणा की। राज्य अतिथि शिक्षक संघ (विद्या मितान) छत्तीसगढ़ ने बताया कि स्कूल शिक्षा मंत्री गजेन्द्र यादव और स्कूल शिक्षा सचिव डॉ. कमलप्रीत सिंह से मांगों के संबंध में मिले सकारात्मक आश्वासन के बाद यह निर्णय लिया गया है।

मीडिया से चर्चा करते हुए संघ के संरक्षक धर्मेन्द्र दास वैष्णव ने स्पष्ट किया कि हड़ताल स्थगित करने का निर्णय शासन द्वारा ज्वाइनिंग के लिए दिए गए अल्टीमेटम के दबाव में नहीं, बल्कि मांगों पर सार्थक पहल और सकारात्मक आश्वासन मिलने के कारण लिया गया है। उन्होंने कहा कि यदि 5 सितंबर तक सरकार की ओर से कोई ठोस निर्णय नहीं लिया जाता है तो आंदोलन को और अधिक उग्र रूप दिया जाएगा।

इस अवसर पर संघ के कार्यकारी अध्यक्ष राज यादव, दुर्ग जिला अध्यक्ष मुकेश वर्मा सहित अन्य अतिथि शिक्षक उपस्थित रहे।

संघ के संरक्षक धर्मेन्द्र दास वैष्णव ने बताया कि वर्ष 2016 में राज्य सरकार ने आदिवासी एवं वनांचल क्षेत्रों में शिक्षा की गुणवत्ता सुधारने के उद्देश्य से अतिथि शिक्षकों की नियुक्ति की थी। वर्तमान में प्रदेश के 24 जिलों में 1,538 अतिथि शिक्षक अपनी सेवाएं दे रहे हैं। उन्होंने कहा कि नियुक्ति के समय अतिथि शिक्षकों का मानदेय 15 हजार रुपये था, जो 10 वर्षों बाद बढ़कर केवल 20 हजार रुपये हुआ है। जबकि वे नियमित शिक्षकों के समान कार्य करते हैं, इसके बावजूद उन्हें वेतन और अन्य शासकीय सुविधाओं में समानता नहीं मिल रही है। इससे अतिथि शिक्षकों में असंतोष और भेदभाव की भावना उत्पन्न हो रही है।

उन्होंने आरोप लगाया कि पूर्ववर्ती सरकार ने अतिथि शिक्षकों को नियमित शिक्षकों के समान सुविधाएं देने के लिए सेवा शर्तों में संशोधन किया था, लेकिन वर्तमान सरकार ने उसे अब तक लागू नहीं किया है। उन्होंने यह भी कहा कि मोदी की गारंटी में भी अतिथि शिक्षकों की मांगों को शामिल किया गया था, लेकिन आज तक उसका लाभ नहीं मिल पाया है, जिससे आर्थिक और सामाजिक समस्याएं लगातार बनी हुई हैं।

संघ के संरक्षक धर्मेंद्र दास वैष्णव ने दावा किया कि प्रदेश में शिक्षकों के लगभग 33 हजार पद रिक्त हैं। यदि इन पदों पर अनुभवी अतिथि शिक्षकों का समायोजन किया जाता है तो सरकार को प्रशिक्षित और अनुभवी शिक्षक मिलेंगे तथा अतिरिक्त वित्तीय भार भी नहीं बढ़ेगा।

उन्होंने आंदोलन के दौरान प्रशासनिक कार्रवाई की भी आलोचना की। श्री वैष्णव ने कहा कि अतिथि शिक्षक जिला शिक्षा कार्यालय दुर्ग के पास शांतिपूर्ण ढंग से धरना दे रहे थे, लेकिन प्रशासन ने बुधवार की शाम आंदोलन स्थल से टेंट हटवा दिए और कई शिक्षकों को धरना स्थल पहुंचने से रोकने के लिए पुलिस हिरासत में लिया। साथ ही 13 अतिथि शिक्षकों के खिलाफ शांति भंग की कार्रवाई भी की गई, जिसे उन्होंने अन्यायपूर्ण बताया।

अब अतिथि शिक्षकों की नजर 5 सितंबर तक सरकार द्वारा लिए जाने वाले निर्णय पर टिकी है। संघ ने स्पष्ट किया है कि यदि निर्धारित समय सीमा तक उनकी प्रमुख मांगों पर सकारात्मक निर्णय नहीं लिया गया तो आंदोलन को पुनः शुरू करते हुए उसे और व्यापक बनाया जाएगा।

पहाड़ काटकर बनाया रास्ता, नाला पाटकर 33 एकड़ पर कब्जा

राजनांदगांव में भू-माफियाओं के खिलाफ कार्रवाई

कांग्रेस नेता हेमंत ओस्तवाल ने एसडीएम के निलंबन की मांग की

नई दृष्टिबिंदु / राजनांदगांव

जिले के झुराडबरी और मनगटा क्षेत्र में भू-माफियाओं द्वारा सरकारी जमीन पर अवैध कब्जा और निर्माण का मामला सामने आया है। आरोप है कि शासकीय भूमि खसरा नं. 672 की लगभग 33 एकड़ बेशकीमती पहाड़ी जमीन पर अवैध प्लॉटिंग के लिए जेसीबी से पहाड़ काटकर कच्चा रास्ता बना दिया गया। साथ ही खसरा नं. 563/1, 563/2 एवं 563/3 के शासकीय नालों को पाटकर जल निकासी व्यवस्था को बाधित किया गया।

कलेक्टर जितेंद्र यादव के निर्देश पर राजस्व और पुलिस विभाग की संयुक्त टीम ने मौके पर पहुंचकर बुलडोजर से अवैध रास्ते और अतिक्रमण को ध्वस्त किया। यह कार्रवाई एसडीएम गौतम पाटिल की मौजूदगी में की गई।

कांग्रेस नेता ने उठाए गंभीर सवाल : राजनांदगांव शहर कांग्रेस के पूर्व महामंत्री हेमंत ओस्तवाल ने कलेक्टर और मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय को पत्र लिखकर पूरे मामले में प्रशासन की भूमिका पर सवाल उठाए हैं। उन्होंने कहा कि सरकारी जमीन लूटने वाले भू-माफियाओं और अवैध कॉलोनाइजरों के नाम सार्वजनिक नहीं किए जा रहे हैं।

ओस्तवाल ने आरोप लगाया कि मनगटा और झुराडबरी क्षेत्र में 150 से 200 एकड़ क्षेत्र में बिना डायवर्जन और पंचायत अनुमति के अवैध रिसॉर्ट और प्लॉटिंग का काम चल रहा है। फरवरी में कुछ रिसॉर्ट मालिकों को केवल नोटिस देकर कार्रवाई को औपचारिकता तक सीमित रखा गया। उन्होंने आशंका जताई कि इस पूरे अवैध खेल में एसडीएम, तहसीलदार, नायब तहसीलदार, पटवारी और राजस्व निरीक्षकों की सांठगांठ हो सकती है। इसकी उच्चस्तरीय जांच की मांग की गई है। ओस्तवाल ने दो टूक कहा कि एसडीएम गौतम पाटिल के कार्यकाल में क्षेत्र में भू-माफियाओं का तांडव चल रहा है। निष्पक्ष कार्रवाई के लिए उन्हें तत्काल निलंबित कर जवाबदेही तय की जाए।

प्रशासन की कार्रवाई : प्रशासन ने संयुक्त टीम के साथ मौके पर पहुंचकर अवैध निर्माण को तोड़ा है। मामले में आगे की जांच जारी है।

हर आंगन एक पेड़ अभियान के तहत सियान सदन में हुआ वृहद वृक्षारोपण

नई दृष्टिबिंदु / भिलाई

छत्तीसगढ़ की कला और प्रकृति संरक्षण के लिए समर्पित संस्था आर्टकॉम द्वारा संचालित हर आंगन एक पेड़ अभियान के अंतर्गत रविवार को नेहरू नगर स्थित वरिष्ठ नागरिकों के मंच ह्यसियान सदन परिसर में वृहद वृक्षारोपण कार्यक्रम आयोजित किया गया। ऑक्सीजन है तो हम हैं के संदेश को जन-जन तक पहुंचाने के उद्देश्य से आर्टकॉम टीम हर रविवार पौधारोपण करती है। इसी कड़ी में सियान सदन प्रबंधन के आमंत्रण पर यह कार्यक्रम हुआ।

500 वरिष्ठ नागरिकों का परिसर बना हरित

गौरतलब है कि सियान सदन में 500 से अधिक वरिष्ठ नागरिक सदस्य हैं। नगर निगम भिलाई और सियान सदन के संयुक्त प्रयास से सदन के सामने पार्किंग व गार्डन को सुंदर स्वरूप दिया गया है। पौधों की सुरक्षा के लिए पूरे परिसर को बाउंड्री और गेट से सुरक्षित किया गया है। इसी सुरक्षित परिसर में आज विभिन्न छायादार और फलदार पौधे रोपे गए। कार्यक्रम में पौधारोपण के साथ ही लोगों को पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूक भी किया गया। इस दौरान निशु पाण्डेय द्वारा लिखित कविता ऐसा कोई है क्या और हर आंगन एक पेड़ का पाठन किया गया। साथ ही हर आंगन एक पेड़ के नारे भी लगाए गए।

ये रहे उपस्थित

कार्यक्रम में सियान सदन के अध्यक्ष संदीप गुप्ता, सुभाष चंद्र, यतेंद्र कुमार, पूर्व सीएसपी वीरेंद्र सतपति, आरसी सिंह, आरआर बाजपेई, हेमंत चौहान, राजीव गर्ग, दीपशिखा, प्रदीप सूद, विजय क्षीरसागर सहित कई गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे। आर्टकॉम टीम की ओर से संरक्षक करमजीत सिंह, डॉ. रमेश श्रीवास्तव, अध्यक्ष गुरुनाम सिंह, शारदा गुप्ता, बृज मोहन उपाध्याय, संचालक निशु पाण्डेय, मीडिया सलाहकार अमिताभ भट्टाचार्य, मेघा कौर, संतोष जायसवाल, भास्कर तिवारी और श्रीनिवास मिश्रा विशेष रूप से मौजूद रहे।

कार्यक्रम के अंत में सभी उपस्थित नागरिकों ने यह संकल्प लिया कि शुद्ध हवा और पर्यावरण संतुलन के लिए हर व्यक्ति अपने घर और आसपास कम से कम एक पौधा अवश्य लगाए।

कारगिल विजय दिवस पर निकली साइकिल रैली

रायपुर। कारगिल विजय दिवस के मौके पर रायपुर में साइकिल रैली निकाली गई। इस रैली में 100 से ज्यादा साइकिलिस्ट शामिल हुए। सेना के जवानों, पूर्व सैनिकों, महिलाओं और बच्चों ने एक साथ साइकिल चलाकर कारगिल युद्ध के शहीदों को श्रद्धांजलि दी। रैली का आयोजन मुख्यालय मध्य भारत एरिया के तहत छत्तीसगढ़ एवं ओडिशा सब एरिया ने नवा रायपुर डेवलपमेंट अथॉरिटी, टूर डी रायपुर साइक्लिंग ग्रुप और आईटीएसए हॉस्पिटल के सहयोग से किया। रैली सुबह रायपुर से शुरू हुई और नवा रायपुर के सेंद लेक पहुंचकर समाप्त हुई। पूरे रास्ते प्रतिभागियों ने देशभक्ति का संदेश दिया और कारगिल के वीर जवानों के बलिदान को याद किया। रैली में सेना के जवानों के साथ बड़ी संख्या में आम नागरिक भी शामिल हुए। आयोजकों ने बताया कि इस आयोजन का मकसद कारगिल के शहीदों को श्रद्धांजलि देना और नई पीढ़ी को उनके साहस और बलिदान से परिचित कराना था। रैली के दौरान आईटीएसए हॉस्पिटल की टीम मेडिकल सहायता के लिए मौजूद रही।

महंगाई | पोल्ट्री में 6.95 रुपए, किराना में 9 रुपए प्रति नग तक बिक रहा अंडा, उत्पादन लागत और डिमांड में गिरावट से तय होगी आगे की कीमत

सावन से पहले अंडों ने खाया भाव : चिल्हर में 100 रुपए दर्जन तक पहुंचा दाम

नई दृष्टिबिंदु / रायपुर-भिलाई

प्रदेश में सावन शुरू होने से पहले ही अंडों के दाम आसमान छू रहे हैं। पोल्ट्री में जहां थोक दाम 6.95 रुपए प्रति नग है, वहीं चिल्हर बाजार में अंडा 8 से 9 रुपए तक बिक रहा है। एक दर्जन लेने पर 100 रुपए तक चुकाने पड़ रहे हैं। बाजार में एक या दो अंडे खरीदने पर दुकानदार 9 रुपए ले रहे हैं। वहीं दर्जन के हिसाब से लेने पर दाम 8 रुपए प्रति नग पड़ रहा है। किराना दुकानदारों का कहना है कि वेंडर उन्हें 8 रुपए में अंडा पहुंचा रहे हैं, ऐसे में 9 रुपए में बेचना मजबूरी है। जो दुकानदार खुद चिकन की बड़ी दुकानों से थोक में अंडे लाते हैं, उनके यहां 8 रुपए में मिल जा रहा है।

उत्पादन लागत बढ़ी, इसलिए बढ़े दाम

पोल्ट्री कारोबारियों के मुताबिक इस बार दाम बढ़ने का सबसे बड़ा कारण उत्पादन लागत में इजाफा है। मुर्गियों के दाने में इस्तेमाल होने वाले मक्के का दाम 19 रुपए से बढ़कर 26 रुपए किलो और कनकी 16 रुपए से बढ़कर 23 रुपए किलो हो गई है। वहीं विदेशों से आने वाले विटामिन के दाम युद्ध के कारण डबल हो गए हैं। पहले 500-600 रुपए किलो मिलने वाला विटामिन अब 1100-1200 रुपए किलो मिल रहा है। लागत बढ़ने से अंडों के दाम भी बढ़े हैं।

सावन में डिमांड घटने से कम हो सकते हैं दाम

पोल्ट्री कारोबारी धनराज बैनर्जी ने बताया कि सावन में अंडों की मांग कम हो जाती है, इसलिए दाम में गिरावट आना तय है। लेकिन इस बार लागत ज्यादा होने के कारण दाम ज्यादा नहीं गिरेंगे। छत्तीसगढ़ अंडा उत्पादन में अग्रणी राज्यों में है। प्रदेश में रोजाना करीब 80 लाख अंडों का उत्पादन होता है। इसमें से 45 से 50 फीसदी अंडे अन्य राज्यों में भेजे जाते हैं। गर्मी में खपत कम होने से उत्पादन भी रोज 20 लाख अंडे तक घट गया था, लेकिन अब उत्पादन सामान्य हो गया है।

पहली बार सावन से पहले बढ़े दाम

आमतौर पर सावन से पहले अंडों की कीमत गिर जाती है, लेकिन इस बार उल्टा हुआ है। गर्मी में भी इस बार दाम 7 से 8 रुपए रहे, जबकि आमतौर पर इस सीजन में दाम 4 से 5 रुपए तक आ जाते हैं। अब सावन शुरू होते ही डिमांड घटने से दाम में कुछ नरमी आने की संभावना जताई जा रही है।

AI से फोटो एडिट कर इंस्टाग्राम पर वायरल करने की धमकी, 5 लाख मांगने वाला आरोपी गिरफ्तार

नई दृष्टिबिंदु / भिलाई

एआई तकनीक का दुरुपयोग कर महिला की फोटो एडिट कर सोशल मीडिया पर वायरल करने और ?5 लाख की मांग करने के मामले में छावनी पुलिस ने एक आरोपी को गिरफ्तार किया है।

थाना छावनी पुलिस के अनुसार 24 जुलाई को पीड़िता साम्या खान ने रिपोर्ट दर्ज कराई कि मोबाइल नंबर 9131397223 से रविन्द्र भारती निवासी सतनामी पारा, ठेंगाभाट, थाना धमधा उससे ?5,00,000 की अवैध मांग कर रहा था। रकम न देने पर आरोपी ने पीड़िता के पति को जान से मारने और उसे जबरन तलाक लेने की धमकी दी। पुलिस ने बताया कि आरोपी ने अकतकनीक से पीड़िता की फोटो एडिट कर उन्हें इंस्टाग्राम पर वायरल करने की धमकी देकर मानसिक रूप से प्रताड़ित किया। इसी आधार पर लगातार ब्लैकमेल कर पैसे की मांग की जा रही थी।

प्रार्थिया की शिकायत पर थाना छावनी में अपराध क्रमांक 511/2026 धारा 308(2), 308(3) BNS के तहत मामला दर्ज कर विवेचना शुरू की गई। त्वरित कार्रवाई करते हुए पुलिस ने आरोपी रविन्द्र भारती को हिरासत में लेकर पूछताछ की, जिसमें उसने अक से फोटो एडिट कर अपराध करना स्वीकार किया।

मोबाइल और डिजिटल साक्ष्य जप्त : पुलिस ने आरोपी के कब्जे से अपराध में प्रयुक्त मोबाइल फोन और सोशल मीडिया से जुड़े डिजिटल साक्ष्य भी जप्त किए हैं। पर्याप्त साक्ष्य मिलने पर आरोपी को विधिवत गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया गया, जहां से उसे न्यायिक रिमांड पर भेज दिया गया है। प्रकरण की अग्रिम विवेचना जारी है।

दुर्ग पुलिस ने आम लोगों से अपील की है कि अक या अन्य डिजिटल माध्यमों से किसी की छवि खराब करना, ब्लैकमेल करना या धमकी देना गंभीर अपराध है। ऐसी किसी भी घटना की सूचना तुरंत निकटतम थाना या साइबर हेल्पलाइन पर दें। दोषियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

गोलू गुप्ता का सफर मेरे करियर का सबसे खास अनुभव

लंबे समय से दर्शकों के दिलों पर राज कर रही 'मिर्जापुर' फ्रेंचाइजी अब ओटीटी की दुनिया से निकलकर बड़े पर्दे पर दस्तक देने जा रही है। 'मिर्जापुर : द फिल्म' में एक बार फिर अभिनेत्री श्वेता त्रिपाठी अपने लोकप्रिय किरदार गोलू गुप्ता के रूप में नजर आएंगी। फिल्म की रिलीज से पहले अभिनेत्री ने अपने किरदार की यात्रा, फ्रेंचाइजी से जुड़े अनुभव और दर्शकों के प्यार को लेकर कई बातें साझा की। उन्होंने बताया कि गोलू का किरदार समय के साथ काफी बदल गया है और एक ऐसी लड़की से एक मजबूत महिला तक का सफर तय कर चुका है, जो सही और गलत की समझ से आगे बढ़ते हुए ताकत, दर्द, बदले और महत्वाकांक्षा जैसी भावनाओं से गुजरती है।

श्वेता त्रिपाठी ने कहा, ''जब हमने करीब आठ साल पहले मिर्जापुर की शूटिंग शुरू की थी, तब हममें से किसी ने नहीं सोचा था कि यह सफर इतना लंबा और खास होगा। एक कलाकार के तौर पर आप हमेशा चाहते हैं कि आपका काम लोगों तक पहुंचे, लेकिन बहुत कम ऐसा होता है जब कोई शो लोगों की बातचीत, मीम्स, सेलिब्रेशन और उनकी भाषा का हिस्सा बन जाए। मिर्जापुर ने यह कर दिखाया।''

उन्होंने कहा, ''इस फ्रेंचाइजी ने कलाकारों को ऐसी पहचान दी, जिसकी उन्होंने कल्पना भी नहीं की थी। दर्शकों ने सिर्फ कहानी को पसंद नहीं किया, बल्कि इसके किरदारों से गहरा जुड़ाव महसूस किया। लोग मुझे आज भी मेरे असली नाम से ज्यादा गोलू दीदी के नाम से पहचानते हैं।''

फिल्म के रूप में 'मिर्जापुर' के विस्तार को लेकर श्वेता ने कहा, ''यह सिर्फ एक सीरीज को बड़े पर्दे पर लाने की कोशिश नहीं है, बल्कि यह उन दर्शकों के प्यार का नतीजा है, जिन्होंने कई सालों तक इस कहानी और किरदारों को अपना माना। हर सीजन के बाद लोग और कहानी देखना चाहते थे, किरदारों पर चर्चा करते थे और अपनी-अपनी थ्योरी बनाते थे। कई मायनों में यह फिल्म जितनी हमारी है, उतनी ही दर्शकों की भी है।'' श्वेता त्रिपाठी ने अपने किरदार गोलू गुप्ता के बदलाव को लेकर भी बात की। उन्होंने कहा, ''गोलू का सफर बेहद भावनात्मक रहा है। शुरुआत में गोलू एक ऐसी लड़की थी, जो सही और गलत की अपनी समझ के साथ आगे बढ़ती थी, लेकिन परिस्थितियों ने उसे धीरे-धीरे बदल दिया। उसने अपने सफर में कई दर्द झेले, बदले की भावना से गुजरी और ताकत के साथ अपनी पहचान बनाने की कोशिश की।''

श्वेता ने कहा, ''मेरे लिए इस किरदार को निभाना इसलिए भी खास रहा क्योंकि मैंने लंबे समय तक गोलू के हर बदलाव को महसूस किया। मैंने उसे कई सालों तक जिया है। वह एक ऐसी युवा महिला थी, जो सही काम करने में विश्वास रखती थी और धीरे-धीरे ऐसी इंसान बनी, जो ताकत, दुख, बदले और महत्वाकांक्षा के बीच खुद को संभाल रही थी।'' उन्होंने कहा, ''किसी किरदार का लोगों के जीवन से जुड़ जाना किसी भी कलाकार के लिए सबसे बड़ी उपलब्धि होती है।

शहनाज गिल संग रिश्ते की चर्चाओं पर बोले राघव जुयाल

राघव जुयाल और शहनाज गिल का नाम पिछले कुछ समय से लगातार चर्चा में है। हाल ही में एक बर्थडे पार्टी से बाहर निकलते वक्त दोनों का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हुआ था। वीडियो में भीड़ के बीच राघव, शहनाज को सुरक्षित बाहर निकालते नजर आए थे। इसके बाद दोनों के रिश्ते को लेकर अटकलों का दौर तेज हो गया। इसी बीच शहनाज गिल ने हाल ही में एक इंटरव्यू में निजी जिंदगी से जुड़े सवाल को टालते हुए राघव जुयाल को अपना 'बहुत अच्छा दोस्त' बताया था। साथ ही उन्होंने उनकी पहली लीड फिल्म 'भाई तेरा स्टार है' का समर्थन करते हुए लोगों से फिल्म देखने की अपील की थी। अब अमर उजाला से खास बातचीत में राघव जुयाल ने भी उस पर पर अपनी प्रतिक्रिया दी है।

'पर्सनल लाइफ की चर्चा तो होगी'

जब राघव जुयाल से उनकी पर्सनल लाइफ और शहनाज गिल के साथ जुड़ रहे नाम को लेकर सवाल किया गया तो उन्होंने बेबाकी से जवाब दिया। उन्होंने कहा, 'देखिए, पर्सनल लाइफ की चर्चा तो होगी। हम शोबिज में हैं। हम लोग फेमस हैं। आगे भी ऐसी बातें होंगी।'

'शहनाज मेरे लिए परिवार जैसी हैं'

उन्होंने आगे कहा, 'लेकिन, हम सब दोस्त हैं। शहनाज भी मेरी दोस्त है। मैं उसका बहुत अच्छा दोस्त हूं। वह मेरे लिए परिवार जैसी है। मैं अपने दोस्तों और परिवार की हमेशा हिफाजत करता हूं और हमेशा उनके साथ खड़ा रहूंगा। यह तो तय है।'

2023 में भी उड़ी थीं डेटिंग की अफवाहें

राघव जुयाल और शहनाज गिल ने सलमान खान की फिल्म 'किसी का भाई किसी की जान' में साथ काम किया था। फिल्म के प्रमोशन के दौरान सलमान खान ने दोनों की केमिस्ट्री को लेकर मजाकिया अंदाज में टिप्पणी की थी। इसके बाद दोनों के डेटिंग की खबरों ने जोर पकड़ लिया था। हालांकि, बाद में राघव जुयाल ने इन चर्चाओं पर सफाई देते हुए कहा था कि सलमान खान ने सिर्फ मजाक किया था। उन्होंने स्पष्ट किया था कि उनके और शहनाज के बीच ऐसा कोई रिश्ता नहीं था।

मिक्सटेप के नए सीजन में व्यस्त हैं अभिजीत वघानी

म्यूजिक कंपोजर-प्रोड्यूसर और बैकग्राउंड स्कोर डायरेक्टर अभिजीत वघानी बॉलीवुड इंडस्ट्री में काफी समय से काम कर रहे हैं। उन्होंने हाल ही में बातचीत में बताया कि इस समय वे टी-सीरीज मिक्सटेप के आगामी सीजन पर काम कर रहे हैं। जब उनसे पूछा गया कि उनके इतने सारे क्रिएटिव प्रोजेक्ट्स में से इस समय उन्हें सबसे ज्यादा व्यस्त कौन सा काम रख रहा है, तो उन्होंने कहा, 'अभी के लिए मेरा पूरा ध्यान 'मिक्सटेप' पर है। इसके बाद मेरी अकादमी का काम है। फिर मैंने हाल ही में 'कॉकटेल 2' का काम पूरा किया है और बॉलीवुड में आगे भी कई फिल्में आने वाली हैं। उन्होंने कहा, 'मैं खुद को बॉलीवुड का हिस्सा मानता हूं। पिछले 27 साल में मैंने कई फिल्मों के लिए काम किया है। 'सूरज डूबा है', 'हाई हील्स', 'आज की पार्टी' और 'देसी बॉयज' जैसे कई गानों का सफर बहुत खास रहा है। यह महसूस करना बहुत अच्छा लगता है कि बॉलीवुड ने मुझे एक प्रोफेशनल और टॉप कैटेगरी के कलाकार के रूप में स्वीकार किया है, जो हमेशा मेरा सपना था। इसके लिए मैं बहुत आभारी हूं।'

मिक्सटेप के बारे में बताते हुए अभिनेता ने कहा, 'मिक्सटेप हमेशा से मेरा पसंदीदा रहा है। 9 साल पहले हमने एक सीजन किया था, जहां हम 'मिक्सटेप' में कुछ चीजें आजमाना चाहते थे। यह एक कवर चीज के तौर पर शुरू हुआ था , जहां हम एक कवर को शानदार बनाना चाहते थे। जैसे टी-सीरीज के कवर और कैटलॉग हैं, वे बहुत बड़े हैं, हमें 26,000-30,000 गानों और उस समय के कवर में से चुनना था।' उन्होंने आगे कहा, 'हम हर एक गाने को कवर करने की कोशिश कर रहे थे, लेकिन जब हमने एक कवर फाइनल किया, तो अचानक मैंने उसे बजाया और उस पर कुछ और गुनगुनाने लगा। हैरानी की बात यह थी कि वह धुन उसके साथ इतनी अच्छी तरह मेल खा गई। फिर हमने सोचा कि क्यों न कुछ अलग किया जाए। हमने तय किया कि इस गाने को दूसरे गाने के साथ मिलाकर एक मैशअप बनाया जाए। इसके बाद हमें महसूस हुआ कि दोनों गानों के बोल, सुर और पूरी बनावट एक-दूसरे के साथ बिल्कुल सही बैठ रहे हैं।'

महिलाओं का सम्मान उनके कपड़ों से नहीं, उनकी पहचान से होना चाहिए

टीवी शो 'अनुपमा' में प्रेरणा के किरदार में अपनी अलग पहचान बना रहीं अभिनेत्री निधि शेट्टी इन दिनों शो के मौजूदा ट्रैक को लेकर चर्चा में हैं। निधि का मानना है कि 'अनुपमा' सिर्फ मनोरंजन नहीं करता, बल्कि समाज में मौजूद कई ऐसी सोच पर भी सवाल उठाता है, जिनका सामना आज भी महिलाएं अपने रोजमर्रा के जीवन में करती हैं। निधि शेट्टी ने कहा, 'अनुपमा दर्शकों के दिलों तक इसलिए पहुंचता है क्योंकि इसकी कहानी काल्पनिक कम और वास्तविक जीवन के ज्यादा करीब होती है। शो में दिखाई जाने वाली परिस्थितियां वही हैं, जिनका सामना आज भी देश के कई परिवारों में महिलाएं करती हैं। प्रेरणा के किरदार के जरिए ऐसे मुद्दों को सामने लाया जा रहा है, जिन पर समाज में खुलकर बात होना जरूरी है।'

उन्होंने आगे कहा, ''अगर इस शो को देखने के बाद कुछ लोग भी अपनी सोच बदलने की कोशिश करें या महिलाओं को लेकर बने पुराने नजरिए पर दोबारा विचार करें, तो यह हमारे लिए सबसे बड़ी सफलता होगी। एक कलाकार के तौर पर ऐसी कहानी का हिस्सा बनना हमेशा खुशी देता है, जो सिर्फ मनोरंजन न करे, बल्कि समाज को सोचने पर भी मजबूर करे।'' शो के हालिया एपिसोड में प्रेरणा एक सीन में परिवार के सामने अपनी बात मजबूती से रखती है। इस बारे में बात करते हुए निधि ने कहा, ''मैंने इस सीन में गुस्से से ज्यादा प्रेरणा की भावनाओं पर ध्यान दिया। वह अपने कपड़ों के लिए नहीं लड़ रही है, बल्कि इसलिए आवाज उठा रही है, क्योंकि वह बार-बार अपनी निजी पसंद को लेकर जज किए जाने से थक चुकी है। उसे सबसे ज्यादा इस दोहरे मापदंड ने तकलीफ पहुंचाई कि जो बातें एक बेटी के लिए सामान्य मानी जाती हैं, वही बहू के लिए सवाल बन जाती हैं।''

निधि ने बताया कि यह स्थिति केवल टीवी की कहानी नहीं, बल्कि वास्तविक जीवन का भी हिस्सा है। उन्होंने कहा, ''आज भी कई महिलाएं ऐसे दोहरे मापदंड का सामना करती हैं। किसी महिला का सम्मान इस बात से तय नहीं होना चाहिए कि वह क्या पहनती है या परिवार में उसकी क्या भूमिका है। हर महिला को अपनी पसंद से जीवन जीने और अपने फैसले लेने का अधिकार है। सम्मान उसके कपड़ों या रिश्तों के आधार पर नहीं, बल्कि एक इंसान होने के नाते मिलना चाहिए।''

आदर्श बाल विद्यालय में पिता का किरदार निभाने से घबराए नवीन कस्तूरिया

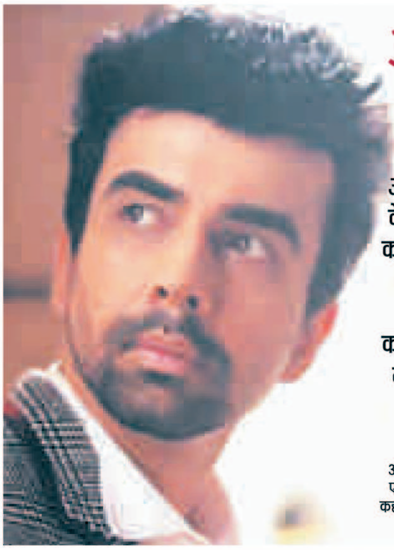

अभिनेता नवीन कस्तूरिया अपनी वेब सीरीज 'आदर्श बाल विद्यालय' की रिलीज के लिए तैयार हैं। इसमें वह एक ऐसे शख्स का किरदार निभा रहे हैं, जो पेशे से स्कूल काउंसलर है, लेकिन निजी जिंदगी में अपनी छोटी बेटी के साथ रिश्ते को समझने और संभालने की कोशिश कर रहा है।

अभिनेता ने बताया कि उन्हें सबसे ज्यादा घबराहट एक पिता का रोल निभाने में हो रही थी। नवीन ने कहा, ''अगर आप मुझसे पूछें कि इस शो में सबसे मुश्किल क्या था, तो मेरा जवाब होगा कि काउंसलर का किरदार निभाने से ज्यादा घबराहट पिता का रोल निभाने में हुई। मैं अभी असल जिंदगी में पिता नहीं हूं, इसलिए उस भावनात्मक दुनिया में जाना बिल्कुल नया अनुभव था। एक पिता और बेटी के रिश्ते में प्यार होता है, अपनापन होता है, लेकिन कई बार झिझक भी होती है। इन भावनाओं को समझना मेरे लिए चुनौती भी थी और एक कलाकार के तौर पर सीखने का मौका भी।''

उन्होंने बताया कि बच्चों के साथ अभिनय करना भी आसान नहीं था। नवीन ने कहा, ''मैं बच्चों के साथ अभिनय करने को लेकर भी थोड़ा घबराया हुआ था, क्योंकि बच्चे बहुत सहज और ईमानदारी से अभिनय करते हैं। मेरी बेटी का किरदार निभाने वाली छोटी बच्ची बेहद शानदार कलाकार है। उसके साथ काम करते हुए मुझे भी हर सीन में पूरी ईमानदारी से अभिनय करना पड़ा।''

नवीन ने आगे कहा कि शो में उनका किरदार मुकुल अपनी बेटी से बहुत प्यार करता है और उसका दोस्त बनना चाहता है, लेकिन इसके बावजूद दोनों अपने मन की बात एक-दूसरे से नहीं कह पाते। उन्होंने कहा, ''मुकुल अपनी बेटी से बहुत प्यार करता है और उसका दोस्त बनना चाहता है, लेकिन दोनों वैसे बात नहीं कर पाते, जैसी करना चाहते हैं। मुझे लगता है कि कई परिवार इस स्थिति को महसूस करेंगे। सबसे बड़ी चुनौती उन भावनाओं को पर्दे पर दिखाना था, जो दोनों के बीच बिना बोले रह जाती हैं। उन खामोश पलों में बहुत गहरी भावनाएं छिपी हैं और उन्हें सही तरीके से निभाना मेरे अभिनय के सबसे यादगार अनुभवों में से एक रहा।''

'आदर्श बाल विद्यालय' एक कॉमेडी-ड्रामा सीरीज है। इसमें केके मेनन, अर्चना पूरन सिंह, अभिमन्यु सिंह, प्रसन्ना बिष्ट, अजितेश गुप्ता, अन्नपूर्णा सोनी और प्राची शाह भी अहम भूमिकाओं में हैं। इस सात एपिसोड की सीरीज का निर्देशन हिमांक गौर ने किया है। इसे बिस्वपति सरकार और समीर सक्सेना ने पोशम पा पिक्चर्स के बैनर तले बनाया है। 'आदर्श बाल विद्यालय' प्राइम वीडियो पर हिंदी और अंग्रेजी भाषा में स्ट्रीम होगी।

जिले के नए पुलिस अधीक्षक त्रिलोक बंसलने ग्रामीण क्षेत्रों के थानों का किया आकस्मिक निरीक्षण

जप्ती माल, माल खाना, ड्यूटी, मूर्तजरर, जरायम, शिकायत, हिस्ट्रीशीट, ग्राम अपराध पुस्तिका, फ्रिंगर प्रिंट रजिस्टर, अन्य रजिस्टर व तख्ती का किया अवलोकन

नई दृष्टिबिंदु / बेमेतरा

जिले के नए पुलिस अधीक्षक त्रिलोक बंसल ने ग्रामीण क्षेत्रों का भ्रमण दौरान थाना नांदघाट एवं चौकी मारो का आकस्मिक निरीक्षण कर लिया जायजा। एसपी ने थाना एवं चौकी का निरीक्षण कर उपस्थित अधिकारी एवं कर्मचारियों का मनोबल बढ़ाया तथा कानून एवं सुरक्षा व्यवस्था को प्रभावी बनाए रखते हुए बेहतर पुलिसिंग के संबंध में आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। उन्होंने अधिकारियों एवं कर्मचारियों को मजबूत सूचना तंत्र विकसित कर अपराधों की रोकथाम एवं त्वरित कारर्वाई सुनिश्चित करने के लिए प्रेरित किया। साथ ही थाना एवं चौकी परिसर की नियमित साफ-सफाई और अभिलेखों के सुव्यवस्थित संधारण पर विशेष ध्यान देने के निर्देश दिए।

निरीक्षण के दौरान श्री बंसल ने थाना एवं चौकी की बलवा ड्रिल सामग्री का भी निरीक्षण किया। उन्होंने निर्देशित किया कि मरम्मत योग्य बलवा सामग्री को तत्काल जमा कर रक्षित केंद्र से नई सामग्री प्राप्त की जाए, ताकि आवश्यकता पड़ने पर पुलिस बल पूरी तैयारी के साथ कानून-व्यवस्था बनाए रख सके। उन्होंने थाना एवं चौकी की जप्ती माल, माल खाना, जप्ती रजिस्टर, जरायम, शिकायत, ड्यूटी रजिस्टर, मूर्तजरर रजिस्टर, हिस्ट्रीशीट, ग्राम अपराध पुस्तिका, फ्रिंगर प्रिंट रजिस्टर, थाना एवं चौकी की अन्य रजिस्टर व तख्ती चेक कर आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए।

इसके अलावा अभियान चलाकर लंबित खात्मा डायरी की माननीय न्यायालय से स्वीकृति प्राप्त कराने, दीगर जरायम रजिस्टर का परीक्षण कर ऐसे प्रकरणों में, जिनमें विवाद या अपराध की पुनरावृत्ति की संभावना हो, संबंधित व्यक्तियों के विरुद्ध बाउंड ओवर की कार्रवाई सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए। उन्होंने जब्ती माल का शीघ्र निराकरण करने तथा एमएलसी रजिस्टर में प्राप्त सभी एमएलसी का समयबद्ध एवं पूर्ण इंद्राज करने के भी निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि अभिलेखों का सुव्यवस्थित संधारण, लंबित मामलों का समयबद्ध निराकरण और प्रभावी कानून-व्यवस्था ही बेहतर पुलिसिंग की पहचान है।

वरिष्ठ कार्यालय से प्राप्त पत्रों का सही समय में निकाल करने एवं प्राप्त दिशा निर्देशों का पालन करने, ई-साक्ष्य का उपयोग करने व समस्त स्टाफ को ड्यूटी के दौरान निर्धारित साफ सुथरी वर्दी धारण करने तथा थाना एवं चौकी में रिपोर्ट करने आए महिला आगंतुक- रिपोर्टकर्ता से संयमित व्यवहार करने एवं उनकी रिपोर्ट को गंभीरता पूर्वक लेते हुए तत्काल उचित कार्यवाही करने एवं मजबूत सूचना तंत्र विकसित कर बेहतर पुलिसिंग करने तथा संशोधित नए कानून के संबंध में विवेचकों आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए।

उन्होंने अवैध कारोबारियो, अवैध शराब, जुआ, सट्टा, गांजा, नशीली दवा एवं अन्य अवैध कायी में लिप्त लोगो के खिलाफ सख्त से सख्त कार्यवाही करने, लंबित अपराधो, मर्ग, गुम, शिकायत तथा महिलाओं और बच्चों से संबंधित अपराधों को एक अभियान चलाकर यथा शीघ्र निराकरण करने एवं गुम बालक-बालिकाओं को अभियान चलाकर दस्तयाब कर बरामद करने हेतु निर्देशित किया गया। साथ ही लंबित वारंटो की निकाल करने एवं असमाजिकतत्वो के विरूद्ध अधिक से अधिक प्रतिबंधात्मक एवं बाउंड ओवर की कार्यवाही करने व असामाजिक तत्वों तथा निगरानी बदमाशों, गुण्डों, शराब पीकर हुल्लड/मारपीट करने वालों के विरूद्ध सख्त प्रतिबंधात्मक कार्यवाही करने निर्देश दिए गए।

चोरियो एवं अपराधो पर अंकुश लगाने हेतु रात्रि में गस्त, पेट्रोलिंग, काम्बिग गस्त सुदृढ करने, गस्त, पेट्रोलिंग, काम्बिग गस्त के दौरान हाटल, लाज, ढाबा, एटीएम, बैक, बस स्टैण्ड, प्रतिक्षालय एवं संदिग्ध व्यक्तियो कि चेकिंग करने, अधिकारियों व जवानों को रात में गस्त, पेट्रोलिंग, काम्बिग गस्त कर गली - मोहल्लों एवं चप्पे-चप्पे पर अपनी पैनी नजर रखने, साथ ही आसपास के ग्रामीण इलाकों में गस्त को बढ़ाने व लगातार रात में गस्त, पेट्रोलिंग, काम्बिग गस्त करने आवश्यक दिशा-निर्देश दिया गया। साथ ही सामुदायिक पुलिसिंग के लिए अभियान के माध्यम से हॉट/बाजारों एवं ग्रामों, स्कुल कालेजों में जागरूकता अभियान चलाने आवश्यक दिशा निर्देश दिए गए।

निरीक्षण के दौरान थाना प्रभारी नांदघाट निरीक्षक लेखराम ठाकुर, चौकी प्रभारी मारो उप निरीक्षक द्वारिका प्रसाद देशलहरे, प्रशिक्षु उपनिरीक्षक ईश्वरी डुप्लेसी, सहायक उपनिरीक्षक मोहन साहू, प्रधान आरक्षक खुलेश्वर गायकवाड़, राजकुमार चौबे, विजय शुक्ला, जगदीश कोसरिया, शिवकुमार बंजारे, महिला प्रधान आरक्षक अनुपमा दुबे, आरक्षक आकाश राजपूत, प्रताप यादव, मिथुन चंद्रवंशी, कमलेश ध्रुव, सुरेश सोनकर, अजय गोयल, संजय भगत, बालमुकुंद सिंह, आसिफ खान, नरेन्द्र बंजारे, चेतन वैष्णव सहित थाना नांदघाट एवं चौकी मारो के अन्य अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

खास खबर

पूर्वजों की स्मृति में मुक्तिधाम में हुआ वृहद पौधरोपण, "एक पौधा, एक संकल्प, एक बेहतर कल" का लिया गया सामूहिक संकल्प

नई दृष्टिबिंदु / खैरागढ़

निर्मल त्रिवेणी महाअभियान के अंतर्गत रविवार को ग्राम पेंड्री कला स्थित मुक्तिधाम परिसर में वृहद वृक्षारोपण कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य पर्यावरण संरक्षण के साथ पूर्वजों की स्मृति को चिरस्थायी बनाना रहा। कार्यक्रम का शुभारंभ स्व. हीरावल राम साहू एवं स्व. कुंती बाई साहू सहित समस्त पूर्वजों की पावन स्मृति में उनके पुत्रों पूर्णेश साहू, भारतेंद्र साहू, एमन साहू एवं खोमन साहू द्वारा पौधरोपण कर किया गया। मुक्तिधाम परिसर में बरगद, पीपल, नीम सहित विभिन्न छायादार एवं पर्यावरण हितैषी पौधे लगाए गए। इस दौरान उपस्थित जनप्रतिनिधियों, सामाजिक कार्यकर्ताओं और स्वयंसेवकों ने पौधों की नियमित देखभाल कर उन्हें विकसित वृक्ष बनाने का सामूहिक संकल्प लिया।

सौंदर्यीकरण और सुविधा विस्तार पर चर्चा : कार्यक्रम के दौरान मुक्तिधाम के सौंदर्यीकरण, हरित विकास एवं आवश्यक सुविधाओं के विस्तार की काययीजना पर भी चर्चा हुई। जनप्रतिनिधियों और ग्रामवासियों ने इस दिशा में सामूहिक सहयोग का भरोसा जताया।

जनप्रतिनिधियों और कार्यकर्ताओं की रही सहभागिता : कार्यक्रम में जनपद पंचायत खैरागढ़ के उपाध्यक्ष लखन राम साहू, वार्ड पंच धर्मेंद्र साहू, कैलाश साहू, शिक्षक शासित साहू, पोषण साहू, सहायक प्राध्यापक नंद कुमार साहू, पूर्व सरपंच धनवा साहू एवं हरेंद्र साहू सहित बड़ी संख्या में ग्रामीण उपस्थित रहे। निर्मल त्रिवेणी महाअभियान के संयोजक मंडल के सदस्य सूरज देवांगन, मंगल सारथी, गौतम सोनी, उमेंद्र पटेल, कौशल जैन, दीपक देवांगन, खेमराज यादव, धर्मेंद्र पटेल, हनीफ खान, नरोत्तम उर्वश, किरण ठाकुर, रमन, हनीफ एवं फरीद खान ने आयोजन को सफल बनाने में सक्रिय भूमिका निभाई।

"एक पौधा, एक संकल्प" का संदेश : इस अवसर पर भारतेंद्र साहू ने कहा कि "एक पौधा, एक संकल्प, एक बेहतर कल" केवल नारा नहीं, बल्कि आने वाली पीढ़ियों के सुरक्षित भविष्य का आधार है। प्रत्येक व्यक्ति को पौधा लगाने के साथ उसकी नियमित देखभाल की जिम्मेदारी भी निभानी चाहिए, तभी पर्यावरण संरक्षण का उद्देश्य सफल होगा। कार्यक्रम के अंत में आयोजकों ने ग्रामवासियों से अधिक से अधिक वृक्षारोपण और पौधों के संरक्षण में भागीदारी का आग्रह किया। साहू परिवार ने पूर्वजों की पुण्य स्मृति में प्रतिवर्ष वृक्षारोपण करने का संकल्प दोहराया। स्वयंसेवकों को स्वल्पाहार भी वितरित किया गया।

मुख्यमंत्री सहायता कोष से मृतक के परिजन को मिली 1 लाख रुपए की आर्थिक सहायता

कवर्धा। कलेक्टर गोपाल वर्मा के निर्देशानुसार आज ग्राम मड़मड़ा निवासी श्रीमती ज्योति साहू को मुख्यमंत्री सहायता कोष से 1 लाख रुपए की आर्थिक सहायता का चेक प्रदान किया गया। अपर कलेक्टर नरेन्द्र पैकरा एवं रामप्रसाद आंचला ने जिला कार्यालय में उन्हें सहायता राशि का चेक सौंपा। उल्लेखनीय है कि ग्राम मड़मड़ा निवासी स्व. रमेश साहू की रायपुर स्थित एक अस्पताल में हुई आगजनी की दुर्घटना में मृत्यु हो गई थी। इस दुखद घटना के बाद मुख्यमंत्री सहायता कोष के माध्यम से मृतक के परिजनों को आर्थिक संबल प्रदान करने हेतु 1 लाख रुपए की सहायता राशि स्वीकृत की गई।

हॉफ नदी पुनरुद्धार अभियान को मिला जनसहभागिता का एक मजबूत आधार

संरक्षण और प्राकृतिक संसाधनों के वैज्ञानिक प्रबंधन की दी गई जानकारी

नई दृष्टिबिंदु / बेमेतरा

कलेक्टर सुश्री प्रतिष्ठा ममगाई के निर्देशन में जिला प्रशासन बेमेतरा द्वारा विकसित भारत जन अभियान के अंतर्गत संचालित हॉफ नदी पुनरुद्धार अभियान को जनभागीदारी के माध्यम से प्रभावी बनाने की दिशा में शनिवार को जनपद पंचायत नवागढ़ के ग्राम पंचायत अंधियारखोर में "चक भ्रमण प्रशिक्षण कार्यक्रम" का सफल आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम प्रदान (ढफ्अऊ्अठ) संस्था के तकनीकी सहयोग से आयोजित किया गया, जिसमें नदी पुनरुद्धार, जल संरक्षण तथा प्राकृतिक संसाधनों के वैज्ञानिक प्रबंधन पर विस्तार से प्रशिक्षण प्रदान किया गया।

कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य हॉफ नदी के पुर्नजीवन के लिए ग्राम स्तर पर जनप्रतिनिधियों, मैदानी अमले एवं ग्रामीण समुदाय की सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित करना, नदी तंत्र का वैज्ञानिक अध्ययन करना तथा जल, जंगल और जमीन के संरक्षण के प्रति जागरूकता बढ़ाना था। कार्यक्रम की अध्यक्षता मुख्य कार्यपालन अधिकारी, जिला पंचायत बेमेतरा ने की। उन्होंने अपने संबोधन में कहा कि हॉफ नदी का पुनरुद्धार केवल एक सरकारी योजना नहीं, बल्कि जनसहयोग और सामुदायिक सहभागिता से संचालित एक जनआंदोलन है। उन्होंने सभी ग्राम पंचायतों से जल संरक्षण, वर्षा जल संचयन, वृक्षारोपण एवं प्राकृतिक संसाधनों के संरक्षण को जन अभियान का स्वरूप देने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि यदि प्रत्येक ग्राम अपने स्थानीय जल स्रोतों एवं नदी तंत्र के संरक्षण की जिम्मेदारी निभाए, तो आने वाली पीढ़ियों के लिए जल सुरक्षा सुनिश्चित की जा सकती है।

प्रशिक्षण सत्र के दौरान रायपुर से आए प्रदान संस्था के विशेषज्ञ प्रशिक्षकों ने प्रतिभागियों को चक भ्रमण की अवधारणा, उसके उद्देश्य एवं व्यवहारिक उपयोग की विस्तृत जानकारी दी। प्रशिक्षण में नदी एवं जल स्रोतों का मानचित्रण, जलग्रहण क्षेत्र का अध्ययन, प्राकृतिक संसाधनों का आकलन, भूमि उपयोग की स्थिति, वनस्पति, जल प्रवाह, मिट्टी की गुणवत्ता तथा स्थानीय समस्याओं के वैज्ञानिक दस्तावेजीकरण की प्रक्रिया को सरल एवं व्यवहारिक तरीके से समझाया गया।

प्रशिक्षण के उपरांत सभी प्रतिभागियों ने हॉफ नदी के तट पर व्यावहारिक चक भ्रमण किया। इस दौरान नदी के विभिन्न हिस्सों का अवलोकन कर जल प्रवाह, कटाव, अवरोध, भू-आकृति, वनस्पति एवं स्थानीय परिस्थितियों का अध्ययन किया गया। विशेषज्ञों ने बताया कि इस प्रकार के मैदानी अध्ययन से नदी पुनरुद्धार की वास्तविक आवश्यकताओं की पहचान कर प्रभावी कार्ययोजना तैयार की जा सकती है।

कार्यक्रम के दौरान वृक्षारोपण अभियान भी चलाया गया। नदी किनारे पौधरोपण कर पर्यावरण संरक्षण, भू-जल संर्वधन तथा जलवायु संतुलन का संदेश दिया गया। उपस्थित सभी लोगों ने पौधों के संरक्षण एवं नियमित देखभाल का संकल्प भी लिया। प्रशिक्षण कार्यक्रम में हॉफ नदी बेसिन क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले ग्राम पंचायतों के सरपंच, सचिव, ग्राम रोजगार सहायक, तकनीकी सहायक, महिला स्व-सहायता समूहों की सदस्याएँ, जनप्रतिनिधि, ग्रामीणजन तथा संबंधित विभागों के अधिकारी-कर्मचारी बड़ी संख्या में उपस्थित रहे। प्रतिभागियों ने प्रशिक्षण को अत्यंत उपयोगी बताते हुए अपने-अपने ग्रामों में जल संरक्षण एवं नदी पुनरुद्धार गतिविधियों को जनसहभागिता के साथ आगे बढ़ाने का संकल्प व्यक्त किया।

कार्यक्रम का समापन "नदी बचेगी - प्रकृति सजेगी, जल समृद्धि - जीवन समृद्धि" के प्रेरक संदेश के साथ हुआ। इस अवसर पर सभी प्रतिभागियों से अपील की गई कि वे अपने गांवों में जल संरक्षण, वर्षा जल संचयन, वृक्षारोपण एवं नदी संरक्षण से जुड़ी गतिविधियों को नियमित रूप से संचालित कर हॉफ नदी पुनरुद्धार अभियान को जन आंदोलन का स्वरूप प्रदान करें।

समाधान ऐप से किरायेदार सत्यापन के लिए केसीजी पुलिस का विशेष जन-जागरूकता अभियान

नई दृष्टिबिंदु / खैरागढ़

जिले में कानून-व्यवस्था को सुदृढ़ बनाने और अपराधों की रोकथाम के उद्देश्य से केसीजी पुलिस द्वारा पिछले एक सप्ताह से "समाधान ऐप" के माध्यम से विशेष किरायेदार सत्यापन अभियान चलाया जा रहा है। यह अभियान जिले के सभी थाना क्षेत्रों में व्यापक स्तर पर संचालित किया जा रहा है।

मकान मालिकों से की गई अपील : अभियान के तहत पुलिस अधिकारी और कर्मचारी आम नागरिकों, मकान मालिकों, दुकानदारों, व्यापारिक प्रतिष्ठानों, कार्यालय संचालकों एवं अन्य भवन स्वामियों से संपर्क कर रहे हैं। उन्हें किरायेदार सत्यापन के महत्व की जानकारी दी जा रही है और समाधान ऐप के माध्यम से सत्यापन कराने की प्रक्रिया समझाई जा रही है। पुलिस ने अपील की है कि यदि किसी ने अपना मकान, दुकान, कार्यालय, गोदाम अथवा अन्य परिसर किराए पर दिया है, तो वहां निवास करने वाले या कार्यरत प्रत्येक किरायेदार का सत्यापन अनिवार्य रूप से कराएं।

अपराध नियंत्रण में मिलेगी मदद : पुलिस के अनुसार किरायेदार सत्यापन से संदिग्ध और आपराधिक प्रवृत्ति के व्यक्तियों की पहचान, अपराधों पर प्रभावी नियंत्रण और क्षेत्र में शांति एवं कानून-व्यवस्था बनाए रखने में महत्वपूर्ण सहायता मिलती है। केसीजी पुलिस ने नागरिकों से यह भी आग्रह किया है कि किसी भी संदिग्ध व्यक्ति, गतिविधि या घटना की सूचना तत्काल नजदीकी थाना या पुलिस नियंत्रण कक्ष को दें। नागरिकों की सतकर्ता और पुलिस के साथ सहयोग अपराध नियंत्रण की दिशा में अहम है।

केसीजी पुलिस की अपील : केसीजी पुलिस ने कहा है कि समाधान ऐप के माध्यम से किरायेदार सत्यापन कराना प्रत्येक जिम्मेदार नागरिक का दायित्व है। नागरिकों के सहयोग से ही सुरक्षित, शांतिपूर्ण और अपराधमुक्त समाज का निर्माण संभव है।

पुलिस ने दिया नारा : "अपने किरायेदार का सत्यापन अवश्य कराएं। आपका सहयोग - हमारी सुरक्षा। सुरक्षित समाज, सुरक्षित भविष्य।"

नशे के खिलाफ युवाओं की एकजुटता ही विकसित भारत का आधार : विक्रांत सिंह

नई दृष्टिबिंदु / खैरागढ़

'विकसित भारत के लिए नशामुक्त युवा' जिला स्तरीय प्रतियोगिता का हुआ समापन

नशे के दुष्प्रभावों के प्रति युवाओं को जागरूक करने और कलात्मक माध्यमों से नशामुक्त समाज के निर्माण का संदेश देने के उद्देश्य से राजकुमारी इंदिरा सिंह कला एवं संगीत विश्वविद्यालय के भव्य ऑडिटोरियम में 'विकसित भारत के लिए नशामुक्त युवा' विषय पर जिला स्तरीय प्रतियोगिता का आयोजन किया गया।

युवा शक्ति से ही बनेगा समृद्ध भारत : विक्रांत सिंह

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि जिला पंचायत उपाध्यक्ष विक्रांत सिंह ने युवाओं को संबोधित करते हुए कहा कि युवा शक्ति ही किसी भी राष्ट्र का वास्तविक आधारस्तंभ होती है। जब तक हमारी युवा पीढ़ी नशे जैसी बुराई से दूर नहीं होगी, तब तक एक समृद्ध और स्वावलंबी विकसित भारत का सपना साकार नहीं हो सकता। उन्होंने कहा कि कला, साहित्य और संवाद के माध्यम से जनजागरूकता फैलाना सबसे प्रभावशाली माध्यम है और खैरागढ़ के युवाओं ने अपनी प्रतिभा से आज यह साबित कर दिखाया है। उन्होंने युवाओं से नशामुक्त समाज के निर्माण में सक्रिय भूमिका निभाने की अपील की।

वरिष्ठ अतिथियों ने किया मार्गदर्शन

कार्यक्रम की अध्यक्षता प्रदेश भाजपा कार्यसमिति सदस्य घम्मन साहू ने की। उन्होंने कहा कि ऐसे सकारात्मक आयोजनों से युवाओं में राष्ट्र निर्माण की भावना प्रबल होती है। इस अवसर पर जिला पंचायत सभापति दिनेश वर्मा और डॉ. शैलेन्द्र त्रिपाठी विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। दोनों ने प्रतिभागियों के प्रयासों की सराहना की।

विभिन्न विधाओं में दिखाई प्रतिभा

जिले भर से आए युवाओं ने इस प्रतियोगिता में उत्साहपूर्वक भाग लिया। कार्यक्रम के दौरान नृत्य, संगीत, चित्रकला, नुक्कड़ नाटक, वाद-विवाद, नारा लेखन, रील मेकिंग और स्लैम कविता प्रतियोगिता जैसी विविध स्पर्धाएं आयोजित की गई। प्रतिभागियों ने नुक्कड़ नाटक, पोस्टरों और स्लैम कविता के माध्यम से नशे के सामाजिक व शारीरिक दुष्प्रभावों को उजागर कर उपस्थित जनसमूह को भावविभोर कर दिया।

नशामुक्ति जागरूकता स्टालों का निरीक्षण

कार्यक्रम के दौरान अतिथियों ने परिसर में लगाए गए नशामुक्ति जागरूकता स्टालों का निरीक्षण किया और वहां प्रदर्शित सामग्रियों व मॉडलों की सराहना की। इस अवसर पर गोरेलाल वर्मा, लखन साहू सहित स्थानीय जनप्रतिनिधि, विश्वविद्यालय के शिक्षकगण, कमर्चारी और बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे।

शासन द्वारा व्यवस्था को अधिक जवाबदेह बनाने के लिए सेवा सेतु की पहल महत्वपूर्ण : कलेक्टर

नई दृष्टिबिंदु / राजनांदगांव

कलेक्टर जितेन्द्र यादव की उपस्थिति में जिला ई-गवर्नेंस सोसायटी द्वारा पद्मश्री गोविंदराम निर्मलकर ऑडिटोरियम राजनांदगांव में आधार, सेवा सेतु, सामान्य सेवा केन्द्र (सीएससी) संचालकों के लिए एक दिवसीय कार्यशाला हुआ।

कार्यशाला में राजनांदगांव, मोहला-मानपुर-अम्बागढ़ चौकी एवं खैरागढ़-छुईखदान-गण्डई जिले के आधार, सेवा सेतु, सीएससी संचालकों के कार्यों की समीक्षा की गई। कलेक्टर ने कहा कि शासन जनमानस के जीवन को आसान बनाने के लिए कार्य कर रही है। जिसमें हमारी भागीदारी होना चाहिए। जनमानस के हितों के लिए सभी को प्रतिबद्धतापूर्वक कार्य करें। उन्होंने प्रधानमंत्री सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना का लाभ लेने के लिए अधिक से अधिक लोगों को प्रेरित करने कहा। उन्होंने कहा कि शासन की इस महती योजना से नागरिकों को बिजली के बिल से मुक्ति मिल जाएगी। इसमें उत्कृष्ट कार्य करने वाले सीएससी सेंटर संचालक को सम्मानित किया जाएगा। उन्होंने कहा कि मिथ्या एवं भ्रामक खबरें फैलाने वाले तथा कार्य में लापरवाही करने वाले संचालकों पर कारर्वाई की जाएगी। उन्होंने कहा कि सभी आधार, सेवा सेतु, सामान्य सेवा केन्द्र संचालक समाज एवं देश के विकास के लिए कार्य करें। उन्होंने कहा कि शासन द्वारा व्यवस्था को अधिक जवाबदेह बनाने के लिए सेवा सेतु की पहल की गई है। जिसमें प्रशासनिक सेवाओं को आम नागरिक तक सरल, त्वरित व डिजिटल माध्यम से पहुंचाने के लिए कार्य किया जा रहा है। इसके अंतर्गत आय, जाति, निवास, विवाह प्रमाण पत्र, राशन कार्ड, राजस्व सहित 570 से अधिक सेवाएं एक ही ऑनलाईन प्लेटफार्म पर उपलब्ध कराई गई हैं।

कार्यशाला में स्टेट प्रोजेक्ट मैनेजर आधार प्रभात सिंह ने कहा कि सेवाओं को अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाने के लिए सभी निष्ठापूर्वक कार्य करें। दस्तावेजों का आकलन एवं सत्यापन कर अपलोड करें। कायर्शाला को यूआईडीएआई हैदराबाद खुर्शीद आलम, आधार राज्य मैनेजर प्रभात सिंह, सीएससी राज्य प्रमुख जयनारायण पटेल, सीएससी प्रोजेक्ट मैनेजर नीरज हरदेव, राजपत्र कार्यालय के पवन आईन्ड, अपर कलेक्टर सीएल मारकण्डेय एवं अपर कलेक्टर प्रेम प्रकाश शर्मा ने भी संबोधित किया। जिला ई-डिस्ट्रिक प्रबंधक सौरभ मिश्रा ने बताया कि पहले तीन सेवाएं-राजस्व, नगरीय, पंचायत क्षेत्र में सेवाएं दी जा रही थी। जिसका दायरा बढ़ाकर विभिन्न विभागों को शामिल करते हुए 570 सेवाएं दी जा रही हैं। जिसके माध्यम से प्रदेश के नागरिकों को समय-सीमा में सेवाएं सरलता पूर्वक आसानी से उपलब्ध हो सकेगी। उन्होंने प्रजेंटेशन के माध्यम से तीनों जिलों में आवेदन तथा किए जा रहे कार्यों की जानकारी दी। कायर्शाला में उत्कृष्ट कार्य करने वाले आधार, सेवा सेतु, सीएससी संचालकों को प्रशस्ति पत्र प्रदान कर सम्मानित किया गया।

इस अवसर पर आयुक्त नगर निगम जीआर मरकाम, एसडीएम राजनांदगांव गौतम पाटिल, एसडीएम डोंगरगांव अनिकेत साहू, एसडीएम डोंगरगढ़ विश्वास कुमार, डिप्टी कलेक्टर श्रीकांत कोराम, डिप्टी कलेक्टर अभिषेक तिवारी, डिप्टी कलेक्टर अमिय श्रीवास्तव, सहायक जिला ई-प्रबंधक आशीष स्वणर्कार, जिला आधार समन्वयक अंकित सिंह एवं अन्य अधिकारी सहित राजनांदगांव, मोहला-मानपुर-अम्बागढ़ चौकी एवं खैरागढ़-छुईखदान-गण्डई जिले के आधार, सेवा सेतु, सीएससी संचालक उपस्थित रहे।

गुलामी का प्रतीक है कॉमनवेल्थ गेम, भारत को नाम वापस लेना चाहिए : अशोक चौधरी

राजनंदगांव प्रदेश कबड्डी संघ के पूर्व अध्यक्ष बोले- यूनियन जैक के नीचे खेलना अपमानजनक

नई दृष्टिबिंदु / राजनांदगांव

राजनंदगांव प्रदेश कबड्डी संघ के पूर्व अध्यक्ष अशोक चौधरी ने राष्ट्रमंडल खेलों में भारत की भागीदारी पर सवाल उठाते हुए कहा कि भारत को कॉमनवेल्थ गेम से अपना नाम वापस लेना चाहिए। रविवार को बयान जारी कर चौधरी ने कहा कि कॉमनवेल्थ गेम खेल भावना को आहत करता है। उन्होंने कहा "इस खेल का अपना कोई अलग झंडा नहीं है। यहां यूनियन जैक यानी ब्रिटेन के झंडे के नीचे खेलना पड़ता है। इसमें वही देश भाग लेते हैं जो कभी ब्रिटेन के गुलाम रहे हैं। कॉमनवेल्थ गेम हमें बार-बार याद दिलाता है कि हम कभी गुलाम थे।"

"गुलामी का जश्न नहीं मनाएंगे" : चौधरी ने कहा कि इतिहास गवाह है कि कई छोटे-छोटे देश कॉमनवेल्थ से अलग हो चुके हैं। "उन्हें यह रास नहीं आता कि हम कभी गुलाम थे इसका जश्न मनाएं। अगर कॉमनवेल्थ गेम में यूनियन जैक हटाकर ओलंपिक और एशियाई खेलों की तरह एक अलग खेल का झंडा बनाया जाए, तो उसमें हिस्सा लेने पर विचार किया जा सकता है। हम गुलाम थे इसका जश्न मनाना कहीं से भी जायज नहीं है।"

नेहरू-गांधी के समय का जिक्र : उन्होंने कहा कि आजादी के बाद 22 जुलाई 1947 को पंडित जवाहरलाल नेहरू और महात्मा गांधी ने कांग्रेस वर्किंग कमेटी को तिरंगे के एक कोने पर यूनियन जैक बनाने का सुझाव दिया था। "लेकिन कांग्रेस में राष्ट्रवादियों के बहुमत ने इसे अस्वीकार कर दिया। इससे महात्मा गांधी बहुत दुखी हुए और अनशन की धमकी भी दी।" चौधरी के मुताबिक अंग्रेजों की कुछ संपत्तियां जैसे रेलवे, पोस्ट ऑफिस, एयरपोर्ट भारत में थीं। उनकी राशि तुरंत न लौटा पाने के कारण ही ब्रिटेन ने "कॉमनवेल्थ" यानी वेल्थ की साझेदारी के नाम पर यह खेल शुरू किया। "अब जब हम ब्रिटेन का सारा बकाया चुका चुके हैं, तो हमें इस खेल से अलग हो जाना चाहिए।"

मोदी सरकार पर भी सवाल : उन्होंने केंद्र सरकार पर निशाना साधते हुए कहा "समझ नहीं आता कि गुलामी के प्रतीक कॉमनवेल्थ गेम में हिस्सा लेने की क्या जरूरत है। उतना ही हैरान करता है कि भाजपा की मोदी सरकार इस पर किनारा करने का क्यों नहीं सोचती।" अशोक चौधरी ने मांग की कि भारत को ब्रिटेन पर दबाव बनाकर कॉमनवेल्थ का अलग खेल झंडा बनवाना चाहिए। "भारत अब उपलब्धियों में ब्रिटेन से आगे है। हमें यूनियन जैक के तले नहीं खेलना चाहिए।"

हमें पिंक पुलिस नहीं ग्रीन फ्लैग लड़कों की जरूरत है -डॉ.सोनाली चक्रवर्ती

महिलाओं के प्रति बढ़ती दुर्घटनाओं के तहत बार-बार सिर्फ पुलिस फोर्स की कठिनाइयां बढ़ती है

नई दृष्टिबिंदु / भिलाई

शुक्रवार को भिलाई इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी (बीआईटी) दुर्ग में आयोजित मोटिवेशनल सत्र में मोटिवेशनल गुरु डॉ. सोनाली चक्रवर्ती ने नैतिक शिक्षा, सभ्य भाषा, नागरिक बोध आदि पर 500 छात्र छात्राओं को संबोधित किया। उनके प्रेरणादायी व ऊर्जावान संबोधन को विद्यार्थियों ने सराहा व इस दिशा में सकारात्मक कदम उठाने का वादा किया।

डॉ.सोनाली चक्रवर्ती ने अपने उद्बोधन में कहा कि हर रोज महिलाओं के प्रति बढ़ती दुर्घटनाओं के तहत बार-बार सिर्फ पुलिस फोर्स की कठिनाइयां बढ़ती है। अभी भी दुर्ग में पिंक पुलिस की स्थापना की गई है जो लड़कियों को सार्वजनिक स्थानो,बाजारो आदि में छेड़खानी व किसी भी तरह के दुर्घटना से बचाने में आगे रहेगी लेकिन यह समस्या का हल नहीं है। समस्या तब हल होगी जब समाज के पुरुषों के मन में स्त्री सम्मान जागेगा। हमें अधिक से अधिक ग्रीन फ्लैग लड़कों की जरूरत है पिक पुलिस की कम। हर लड़के को यह वादा करना होगा कि किसी स्थान पर यदि वह उपस्थित है तो वहां किसी लड़की के साथ असभ्यता नहीं होगी। और यह सोच बदलने से होगी जिसकी शुरुआत अच्छी भाषा से करना होगा।

500 विद्यार्थियों ने भाषा, राष्ट्रबोध एवं नारी सम्मान का संकल्प लेते हुए कहा कि हम बनेंगे ग्रीन फ्लैग। इलेक्ट्रिकल विभाग द्वारा आयोजित इस मोटिवेशनल सत्र के मार्गदर्शक विभागाध्यक्ष डॉ. एसपी शुक्ला एवं संयोजक डॉ.नागेंद्र त्रिपाठी थे।कार्यक्रम का संचालन डॉ.सोनोरा दीक्षित ने किया।

बोल बम कांवरिया संघ भिलाई-3 का जत्था देवघर के लिए रवाना

गुरु पूणिर्मा पर सुल्तानगंज से जल लेकर बाबा बैजनाथ धाम में होगा जलाभिषेक

नई दृष्टिबिंदु / भिलाई-3

सावन के पवित्र महीने में बाबा बैजनाथ धाम की कांवड़ यात्रा के लिए बोल बम कांवरिया संघ भिलाई-3 का एक जत्था आज साउथ बिहार दानापुर एक्सप्रेस से देवघर जसीडीह के लिए रवाना हुआ।

संघ के संरक्षक खिलावन सिंह चौहान ने बताया कि गुरु पूणिर्मा के अवसर पर 29 जुलाई को सुल्तानगंज से गंगाजल लेकर बाबा बैजनाथ धाम में जल समर्पित किया जाएगा। इस जत्थे में अध्यक्ष रमेश कुमार दुबे, जगत राम साहू, साधन महतो, विनोद कुमार जोड़े, दुलेस कुमार पटेल सहित बड़ी संख्या में श्रद्धालु शामिल हैं।यह कांवड़ यात्रा अपने दसवें वर्ष में प्रवेश कर चुकी है। संघ के कई बुजुर्ग सदस्य 25 वर्ष से अधिक समय से लगातार कांवड़ और डाक बम यात्रा कर रहे हैं।हर वर्ष नए बोल बम यात्री भी इस यात्रा से जुड़ रहे हैं।

श्रावण मास में लाखों शिवभक्त "बोल बम" के जयकारे लगाते हुए बिहार के सुल्तानगंज स्थित उत्तरवाहिनी गंगा से पवित्र जल लेकर 109 किलोमीटर पैदल चलकर देवघर पहुंचते हैं। यात्रा के दौरान श्रद्धालु केसरिया वस्त्र धारण करते हैं और एक-दूसरे को "बम" कहकर संबोधित करते हैं।

धार्मिक मान्यता है कि पुराणों के अनुसार भगवान राम और रावण ने भी कांवड़ यात्रा कर गंगाजल अर्पित किया था। सुल्तानगंज से बाबा धाम तक दिन-रात श्रद्धालुओं की कतार लगी रहती है। इसे विश्व का सबसे बड़ा धार्मिक मेला भी माना जाता है।

सारंगढ़ में बाढ़ के तेज बहाव में कार बही, पति-पत्नी लापता

नई दृष्टिबिंदु / सारंगढ़

सारंगढ़-बरमकेला मार्ग पर माधोपाली के पास लात नाला में बाढ़ के तेज बहाव में एक चार पहिया वाहन बह गया। इस हादसे में कार सवार पति-पत्नी लापता हैं।

जानकारी के अनुसार कार में देव ट्रेडर्स घोटला के संचालक देवनारायण पटेल और उनकी पत्नी सवार थे।पुल पार करते समय तेज बहाव के कारण वाहन अनियंत्रित होकर पानी में बह गया। घटना की सूचना मिलते ही सारंगढ़ पुलिस मौके पर पहुंची और जांच शुरू की। लात नाला में पानी अधिक होने के कारण राहत कार्य में परेशानी हो रही है। पुलिस ने गोताखोरों की टीम को मौके पर बुलाया है और लापता दंपत्ति की तलाश की जा रही है। पुलिस के अनुसार नाले में पानी का बहाव अधिक था, इसके बावजूद वाहन चालक ने पुल पार करने का प्रयास किया।मामले की जांच की जा रही है।

10वीं, 12वीं, स्नातक एवं स्नातकोत्तर पास छात्र-छात्राओं के उज्वल भविष्य के लिए

फायर एवं सेफ्टी प्रशिक्षण

फायर एवं सेफ्टी प्रशिक्षण में प्रवेश प्रारंभ

क्र.	पाठ्यक्रम का नाम	क्र.	पाठ्यक्रम का नाम
1.	फायर टेक्नोलॉजी एण्ड इंडस्ट्रियल सेफ्टी	5.	पी. जी. कोर्स व्यावसायिक सेफ्टी, स्वास्थ्य व पर्यावरण मैनेजमेंट सिस्टम
2.	इंडस्ट्रियल सेफ्टी / पी. जी. इंडस्ट्रियल सेफ्टी	6.	हैल्थ सेनेटरी इंस्पेक्टर
3.	बी.एस.सी. इन फायर सेफ्टी	7.	सब- फायर ऑफिसर
4.	पी. जी. कोर्स फायर एवं इंडस्ट्रियल सेफ्टी	8.	सर्टिफिकेट इन फायरमैन-इंडस्ट्रियल सेफ्टी

(An Authorized Training Centre of AEERO)

FSDMI फायर सेफ्टी एवं डिजास्टर मैनेजमेंट इंस्टीट्यूट

(मान्यता प्राप्त निजी प्रशिक्षण संस्थान)

कैंपस :- इंदिरा गांधी इंग्लिश मीडियम स्कूल, सुपेला, भिलाई, जिला-दुर्ग, छत्तीसगढ़

ADMISSION HELPLINE: 7697212782

BA
BCA
BCom
BBA
BSc
PGDCA
MSc CHEMISTRY
MSc BIOTECHNOLOGY
MSc BOTANY
MSc ZOOLOGY
MSc COMPUTER Sc
MSc MATHS
MA ENGLISH
MCom
BLib
MLib
DCA
MA CHHATTISGARHI
Deepak Advertisers
Affiliated to Hemchand Yadav University, Durg
SAI COLLEGE
Street-69, Sector-6, Bhilai
70248 86996
99770 01027

"यह समाचार पत्र आलोक तिवारी द्वारा 80/बी, मैत्री विहार, राधिका नगर, सुपेला, भिलाई, जिला दुर्ग, (छत्तीसगढ़)-490023 से आलोक तिवारी की ओर से प्रकाशित की जाती है, जिसका संपादन आलोक तिवारी द्वारा किया जाता है तथा इसका मुद्रण समय दर्शन प्रिंटर्स एंड पब्लिशर्स द्वारा प्लॉट नं. 339/6, गली नं. 02, पाटन, थाना उतई, दुर्ग, (छ.ग.)-491111 पर किया जाता है। (समाचार चयन के लिए PRP Act, 2023 के तहत संपादक जिम्मेदार है)। समस्त विवादों का निपटारा न्यायालयीन क्षेत्र दुर्ग होगा।" संपादक आलोक तिवारी, मो. 74154-69100